जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 224 प्रभात जालोर, बुधवार 20 नवम्बर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

महाराष्ट्र की पांच सीटों पर लड़े जा रहे हैं पांच महायुद्ध

इन सीटों के नतीजे महाराष्ट्र की राजनीति में भारी उलटफेर कर सकते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। जहाँ बुधवार को होने वाले मतदान तथा शनिवार को होने वाली मतगणना को लेकर, भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबन्धन का फोकस सत्ता में बने रहने पर है, वहीं महा विकास अघाडी गठबन्धन अपनी जबरदस्त वापसी की आशा सँजोये हुये है।

महाराष्ट्र अपनी 288 सदस्यीय नई विधान सभा के 20 नवम्बर, बुधवार को होने वाले चुनाव के लिये पूरी तरह तैयार है। जहाँ भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस सदन की सबसे बड़ी पार्टी के रूतबे के लिये प्रतिस्पर्धा में हैं, वहीं, उनके मित्रदल शिव सेना, शिव सेना (यू.बी.टी.), नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) तथा एन.सी.पी. (एस.पी.) का फोकस अपनी जड़ें सुरक्षित रखने तथा मजबूत करने पर है।

चुनाव-प्रचार के दौरान, सभी प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल है, ने अपने-अपने प्रत्याशियों के लिये वोट माँगने हेतु पूरे राज्य के दौरे किये हैं।

- पहली सीट है वर्ली, जहां से उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ठाकरे मैदान में हैं, जिन्हें एकनाथ शिंदे की शिवसेना के प्रत्याशी मिलिद देवड़ा चुनौती दे रहे हैं। आदित्य ठाकरे 2019 में वर्ली से भारी मतों से जीत चुके हैं, तब उन्होंने एन.सी.पी. के संदीप माने को हराया था।
- दूसरा महायुद्ध बारामती में लड़ा जा रहा है। यहां पवार परिवार आमने सामने है। यहां अपने बागी भतीजे अजित पवार के सामने पवार ने अपने पौत्र युगेन्द्र पवार को टिकट दिया है। युगेन्द्र का सारा चुनाव प्रबंध शरद पवार खुद देख रहे हैं।
- तीसरी महत्वपूर्ण सीट है बांद्रा ईस्ट, जहां बाबा सिद्धीकी के बेटे तथा उद्धव ठाकरे के भतीजे वरुण सरदेसाई के बीच कड़ा मुकाबला है। ज़ीशान को अपने पिता की हत्या की वजह से सहानुभूति मिल रही है।
- चौथा महायुद्ध नागपुर साउथ वैस्ट सीट पर है। यहां से उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस मैदान में हैं उनका मुकाबला कांग्रेस के स्थानीय और कद्दावर नेता प्रफुल्ल गुडाढ़े से है। पांचवा महायुद्ध कोपरी-पचपाखड़ी सीट पर देखा जा रहा है। जहां, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मुकाबला केदार दिघे से है। केदार दिघे स्व. आनंद दिघे का भतीजा है जो शिंदे के राजनैतिक गुरु थे।

विधान सभा की 288 सीटों में से सामान्य श्रेणी की 234 अनुसूचित जाति की 29 तथा अनुसूचित जनजाति की, 25 सीटें है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कुल 7,078 वैध नामांकनों में से 2,938 प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिये हैं तथा अब 4,140 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

महाराष्ट्र पाँच सर्वाधिक महत्वपूर्ण सीटों पर सबकी नज़रें लगी हुई हैं। इनमें पहली है मुम्बई की हाई प्रोफाइल विधान सभा सीट वर्ली जहां त्रिकोणीय संघर्ष है। इस सीट पर एकनाथ शिन्दे के नेतृत्व वाली शिव सेना के मिलिन्द देवड़ा, शिव सेना (यू.बी.टी.) के आदित्य ठाकरे तथा महराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एम.एन.एस.) नेता सन्दीप देशपान्डे के बीच काँटे की लड़ाई है।

दक्षिण मुम्बई से कांग्रेस के सांसद रहे मिलिन्द देवड़ा को शहरी मध्यम वर्ग के मतदाताओं का भरोसा है तथा इनके दम पर ही देवड़ा वर्ली सीट पर अपनी मजबूत दावेदारी मान रहे हैं। वे यू.पी.ए.-2 सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आत्महत्या का कारण अभिभावकों का बच्चों पर सफलता का दबाव

जयपुर, 19 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों के आए दिन आत्महत्या करने से जुड़े मामले में गंभीर मौखिक टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि बच्चों की समस्या सिस्टम की गडबडी नहीं है, बल्कि वे अभिभावक हैं जो अपने बच्चों से इतनी ज्यादा उम्मीद करते हैं। कई अभिभावक कहते हैं कि या तो पास हो जाना या वापस मत आना। ऐसे में बच्चों पर सिस्टम के साथ ही अभिभावकों का भी भारी दबाव बना रहता है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह टिप्पणी कोटा के कोचिंग सेंटर्स के विद्यार्थियों की ओर से आए

- कोचिंग विद्यार्थियों की आये दिन आत्म हत्या पर हाईकोर्ट ने गंभीर मौखिक टिप्पणी की।

दिन आत्महत्या करने के मामले में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए की। अदालत ने मामले की सुनवाई आठ सप्ताह बाद रखते हुए राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि गत मई माह में दिए निर्देशों की क्या पालना की गई। इसके अलावा राज्य सरकार से यह भी बताने को कहा है कि प्रदेश में कितने कोचिंग संस्थान रजिस्टर्ड हैं।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि कोचिंग संस्थानों के संबंध में राज्य सरकार कंट्रोल एंड रेग्युलेशन बिल तैयार कर रही है। इसमें कोचिंग संस्थानों से भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नई दिल्ली के हिमाचल भवन की नीलामी के आदेश

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा एक कम्पनी को 150 करोड़ रु. का एरियर नहीं देने के कारण यह आदेश दिया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने खुद को मुसीबत में डाल लिया है, हिमाचल हाई कोर्ट ने दिल्ली के हिमाचल भवन को अटैच करने का आदेश दिया है क्योंकि सरकार ने सेली हाइड्रोपावर इलैक्ट्रिकल कम्पनी का 150 करोड़ रु. का एरियर नहीं चुकाया है।

सोमवार को पारित आदेश में जस्टिस अजय मोहन गोयल की हाईकोर्ट की सिंगल बैंच ने कम्पनी को आदेश दिया की सैंट्रल दिल्ली के मंडी हाउस क्षेत्र में स्थित हिमाचल भवन को नीलाम करने की तैयारी करे। यह केस लाहौल स्पीति में 340 मेगावाट का प्लांट लगाने से सम्बंधित है।

- हिमाचल सरकार ने वर्ष 2009 में सैली हाइड्रोपावर इलैक्ट्रिकल कम्पनी को लाहौल स्पीति में 340 मैगावॉट का प्लांट लगाने का प्रोजैक्ट दिया। कम्पनी ने इसके लिए 64 करोड़ रु. का प्रीमियम राज्य सरकार को दिया था।
- प्रोजैक्ट फलीभूल नहीं हुआ तो राज्य सरकार ने न केवल प्रोजैक्ट रद्द कर दिया बल्कि कम्पनी की प्रीमियम रकम जब्त करने के आदेश भी दे दिए।
- कम्पनी ने इस पर आर्बिट्रेटर के समक्ष अपील की जहां उसके पक्ष में फैसला आया और फिर हाईकोर्ट ने भी कम्पनी के पक्ष में फैसला सुनाया, साथ ही यह भी कहा कि अगर राज्य सरकार पैसा न दे तो नई दिल्ली का हिमाचल भवन नीलाम कर दिया जाए।

हाईकोर्ट के आदेश से सुक्खू सरकार की मुश्किलें और बढ़ गई है जो पहले से ही एक के बाद एक राजनैतिक संकट से जूझ रही है। गत दिनों तो ये अटकलें भी थीं कि सरकार गिर जाएगी क्योंकि कुछ विधायक भाजपा में जाने वाले थे लेकिन गत शनिवार मुकेश अग्निहोत्री ने ऐसी अटकलों को नकार दिया, हालांकि कहा कि भाजपा सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है लेकिन ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे।

जहां तक वर्तमान केस का सवाल है हिमाचल सरकार ने कम्पनी को वर्ष 2009 में प्रोजैक्ट दिया था और फर्म ने प्रोजैक्ट के लिए 64 करोड़ रु. का अपफ्रंट प्रीमियम जमा करवाया था लेकिन प्रोजैक्ट फलीभूत नहीं हुआ बाद में राज्य सरकार ने आवंटन पत्र कैंसिल कर अप फ्रंट प्रीमियम जब्त करने के आदेश भी दे दिये। कम्पनी ने आर्बिट्रेटर के समक्ष इस निर्णय को चुनौती दी, जिसने राज्य सरकार को मय ब्याज रकम लौटाने को कहा। चूंकि राज्य सरकार ने आदेश का पालन नहीं किया तो कम्पनी ने आर्टिकल 226 के तहत हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बुधवार को ऊर्जा विभाग के प्री-समिट में मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि होंगे

कार्यक्रम को सी.एस. सुधांश पंत, ए.सी.एस. ऊर्जा श्री आलोक, अक्षय ऊर्जा निगम अध्यक्ष आलोक गुप्ता व कई कंपनियों के प्रमुख सम्बोधित करेंगे

जयपुर, 19 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में बुधवार 20 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से होटल जयपुर मैरियट में "राइज़िंग राजस्थान" के तहत ऊर्जा विभाग की ओर से प्री-समिट का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर सहित, ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उद्यमी एवं निवेशक तथा अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

ऊर्जा विभाग के प्री-समिट के उद्घाटन सत्र में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक स्वागत उद्बोधन देंगे। इसके पश्चात् सी.आई.आई., एन.टी.पी.सी., टाटा पावर, सिक्योर मीटर, आइसोलेशन एनर्जी, सिमन्स एनर्जी, जे.एस.डब्ल्यू. एनर्जी, जी.ई. वेमावा इंडिया सहित अनेक सरकारी एवं प्राइवेट कम्पनियों के प्रमुख अपना उद्बोधन देंगे। साथ ही, प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत भी उद्बोधन देंगे। इसके बाद, एनर्जी सैक्टर

- अति. मुख्य सचिव ऊर्जा श्री आलोक ने बताया कि प्री-समिट में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा व बायोमास ऊर्जा उत्पादन से जुड़ी कंपनियाँ, जैसे एन.टी.पी.सी. टाटा पावर, सिक्योर मीटर, आइसोलैशन एनर्जी, जी.ई. वेमामा इण्डिया शामिल होंगी।

में निवेश के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ एम.ओ.यू. किए जाएंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने बताया कि राइज़िंग राजस्थान के अंतर्गत 'एम्पावरिंग राजस्थान: अनलॉकिंग द स्टेट एनर्जी पोटैन्शियल' थीम पर आयोजित इस प्री-समिट में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और बायोमास ऊर्जा उत्पादन से जुड़ी कंपनियों, सी.आई.आई. एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि राजस्थान में राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप आर्थिक एवं पर्यावरणीय लाभ के साथ ऊर्जा के क्षेत्र में नई परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। राजनिवेश पोर्टल पर बड़ी संख्या में अक्षय ऊर्जा से संबंधित निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे प्रतीत होता है कि राजस्थान में निवेश के लिए निवेशकों में खासा उत्साह है। राजस्थान सरकार की यह नीति है कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में हर सम्भव कदम उठाकर ऊर्जा नीतियों को सफलतापूर्वक लागू करें और हर नागरिक को इसके लाभों से जोड़ें।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रेमिका की हत्या करने वाले युवक को उम्रकैद

जयपुर, 19 नवंबर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-11, सांगानेर ने प्रेमिका की हत्या करने वाले अभियुक्त नरसी मीणा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी पुरवा चतुर्वेदी ने अभियुक्त पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक ओ.पी. चौधरी ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर मृतका के पिता ने 12 अक्टूबर, 2020

- हत्या की रिपोर्ट मृतक के पिता ने 12 अक्टूबर 2020 को सांगानेर सदर थाने में दर्ज कराई थी।

को सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी संगीता वर्मा करीब सवा साल से इंडियन ऑयल में टैंकर चालक नरसी मीणा के साथ पत्नी की तरह रहती थी। सुबह करीब आठ बजे उसके बेटे के पास मकान मालिक का फोन आया कि संगीता का मर्डर हो गया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि रात के वक्त नरसी संगीता के कमरे पर गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोदी जी किस तिजोरी से पांच करोड़ आये, और किसने आपको टैम्पो में भेजे?'

राहुल गाँधी ने प्र.मंत्री मोदी पर कटाक्ष किया। जैसा कि विदित ही है, 2024 के आम चुनाव के दौरान प्र.मंत्री ने कांग्रेस पर कटाक्ष किया था, कि राहुल गाँधी अब ''दोस्ताना पूंजीवाद'' (क्रोनी कैप्टिलिज़्म) के बारे में चुप्पी साधे हैं, क्योंकि रुपये से भरे टैम्पो अब कांग्रेस के पास पहुंच गये हैं

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज महाराष्ट्र के कथित ''कैश-फॉर-वोट'' मामले, जिसमें भाजपा नेता विनोद तावड़े लिप्त हैं, पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया और कहा कि जनता का यह पैसा किसने लूटा और ''आपको टेम्पो में भेज दिया।''

हितेन्द्र ठाकुर के नेतृत्व में बहुजन विकास अघाड़ी (बी.बी.ए.) के सदस्यों ने आज दावा किया कि तावड़े महाराष्ट्र में एक भाजपा प्रत्याशी को 5 करोड़ रु देने के लिए एक होटल में आये थे।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, ''मोदी जी, ये 5 करोड़ किसकी

- कांग्रेस का वर्तमान आरोप यह है कि भाजपा के महासचिव विनोद तावडे ने, विरार में स्थित होटल में, जहाँ भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक चल रही थी, में पांच करोड़ रुपये दिये मतदाताओं में वितरण करने के लिए।
- भाजपा ने प्रत्युत्तर में कहा, चुनाव आयोग, इस आरोप की निष्पक्ष जांच करा ले। होटल के सी.सी.टी.वी. कैमरा व आसपास की सी.सी.टी.वी., कैमरा खंगाल ले चुनाव आयोग। पांच करोड़ रुपया कोई जेब में रखकर तो ला नहीं सकता, अगर तावडे पैसा लाये होते तो किसी न किसी कैमरे में उनकी छवि पैसों के साथ कैद होती। अगर कांग्रेस के पास और कोई प्रमाण है, तो वह भी चुनाव आयोग के दायरे में लाये। भाजपा ने आरोप लगाया कि बिना प्रमाण के कांग्रेस अनर्गल आरोप लगा रही है।

"तिजोरी" से आये थे? जनता का यह पैसा किसने लूटा और आपको टेम्पो में भेज दिया?''

2024 के आम चुनावों के प्रचार के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा था कि "क्रॉनी कैपिटलिज़्म" पर इसलिए चुप हैं क्योंकि रुपयों से भरे हुए टेम्पो पार्टी में पहुंच गये हैं। उस समय, राहुल गांधी ने कहा था कि प्रधानमंत्री अपने निजी अनुभव से बोल रहे थे।

ठाकुर ने जोर देते हुए कहा है कि उन्हें भाजपा नेताओं से पैसे के कथित लेन-देन की सूचना मिली थी।

उन्होंने कहा, ''भाजपा के कुछ नेताओं ने मुझे सूचना दी कि भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 5 करोड़ रु.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद सत्र से पहले 24 को सर्वदलीय बैठक

नयी दिल्ली 19 नवंबर। सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले 24 नवंबर को पारंपरिक सर्वदलीय बैठक बुलायी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि बैठक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के परिप्रेक्ष्य में बुलायी गयी है।

- संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवम्बर से शुरू हो रहा है और 20 दिसम्बर तक चलेगा।

उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर को समाप्त होगा। बैठक का उद्देश्य विपक्षी दलों को विधायी एजेंडे के बारे में जानकारी देना और बहस के लिए विषयों पर चर्चा करना है। इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यूक्लियर हमले के लिए रूस ने नई नीति, सिद्धांत प्रतिपादित किया

इस नई ''डॉक्ट्रिन'' के अनुसार, अब रूस उन गैर न्यूक्लियर देशों पर भी न्युक्लियर हमला करने के लिए स्वतंत्र है, अगर न्युक्लियर हथियार युक्त देश, इस न्युक्लियर विहीन देश की मदद कर रहे हों युद्ध में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। हमला करने के लिए मानो उन्हें किसी सिद्धांत की ज़रूरत थी, रूसी राष्ट्रपति तथा तानाशाह ब्लादिमिर पुतिन ने तथा कथित रूसी परमाणु सिद्धांत में संशोधन किया है। इसके बाद रूस उस नॉन न्यूक्लियर देश पर परमाणु हमला कर सकता है यदि उस देश को कोई ऐसा देश समर्थन दे रहा है जिसके पास परमाणु हथियार हैं।

इससे यूरोप में परमाणु युद्ध तथा बड़ी आबादी के संहार का खतरा बढ़

- हालांकि, रूस के राष्ट्रपति पुतिन की इस नई न्यूक्लियर डॉक्ट्रिन को कहीं से भी, किसी भी राष्ट्र से समर्थन नहीं मिला है, यहां तक कि चीन, जो कि रूस को मित्र बताता रहा है,भी पुतिन की इस डॉक्ट्रिन का विरोध कर रहा है।
- इस उधेड़-बुन में, राष्ट्रपति पुतिन ने अचानक भारत की यात्रा का कार्यक्रम घोषित किया है। अब तक भारत ने इस यात्रा की पुष्टि नहीं की है।
- भारत की दुविधा है, अगर पुतिन भारत आते हैं तो भारत को उन्हें गिरफ्तार करना होगा, क्योंकि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ एक अन्तर्राष्ट्रीय वारंट जारी कर रखा है।
- पुतिन द्वारा अचानक नई न्युक्लियर ''डॉक्ट्रिन'' जारी करने का तत्कालिक कारण अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा यूक्रेन को अमेरिका के दूर मारक मिसाइल दागने की अनुमति दिया जाना है। इस स्वीकृति से हताहत रूस ने नई ''न्युक्लियर डॉक्ट्रिन'' जारी की।

गया है, चाहे यह वास्तविक हो या काल्पनिक। कहा जा सकता है कि यूक्रेन युद्ध एक नए स्तर पर पहुँच गया है, अब जबकि दोनों पक्ष एक गंभीर संघर्ष की ओर बढ़ रहे हैं। भूमि पर कहा जा रहा है कि यूक्रेन पहल ही अमेरिका की लंबी दूरी की मिसाइलों का प्रयोग करके रूस के अंदरूनी क्षेत्रों तक पहुँच गया है। यूक्रेनी सेना दावा कर रही है कि उसने रूसी सैन्य प्रतिष्ठानों और डिपो पर सफल हमले किए हैं। उधर रूस ने घोषणा की है कि छः मिसाइलों में से पांच को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही रूसी एयर डिफैन्स सिस्टम (हवाई रक्षा प्रणाली) ने ध्वस्त कर दिया है।

रूस के कुल प्रवक्ताओं ने जानकारी दी है कि रूसी सेना ने इन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म के अभियुक्त को बीस साल की सजा

जयपुर, 19 नवंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर द्वितीय ने नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त नेमदीन खान को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने

- अदालत ने कहा, अभियुक्त ने नाबालिग की सहमति से संबंध बनाये तो भी इसे अपराध की श्रेणी में माना जाएगा।

अभियुक्त पर 2.24 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी नरेन्द्र सिंह ने अपने आदेश में कहा कि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है। यदि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मैं हिन्दुस्तान की तूती हूँ। अगर तुम वास्तव में मुझसे जानना चाहते हो तो हिन्दवी में पूछो। मैं तुम्हें अनुपम बातें बता सकूँगा। –अमीर ख़ुसरो

संविधान दिवस मनाने से पहले उसके मूल तत्वों का मनन कर लें

देश में 26 नवंबर संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। पहले इसे '**राष्ट्रीय विधि दिवस**' के रूप में भी मनाया जाता था, किन्तु भारत सरकार ने 19 नवंबर 2015 को राजपत्र में एक सूचना प्रकाशित कर इस दिन को '**संविधान दिवस**' घोषित किया। वह साल डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती वर्ष था। इस तारीख का महत्व इसलिये है कि इस दिन 1949 में भारतीय संविधान सभा ने संविधान को अंगीकार करते हुए अंग्रेजों के साम्राज्यवाद से मुक्त हुए देश में कानून के शासन का वादा किया। हमारा गणतांत्रिक संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। उस दिन को हम गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं। संविधान निर्माताओं ने जिस भारत की कल्पना की थी, उसमें 'समानता' शब्द महत्वपूर्ण है। संविधान ने हमें समान नागरिकता प्रदान की। यह समानता राज चलाने के लिये अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार ही नहीं देती, बल्कि अभिव्यक्ति और अपनी आस्था के अनुसार जीवन जीने की स्वतंत्रता का अधिकार भी देती है। किन्तु 70 साल से अधिक हो जाने के बाद बहुतों को लगता है कि संविधान की भावना पर हम अब भी खरे नहीं उतरे हैं। संविधान सभा में डॉ. आंबेडकर ने चेतावनी दी थी कि हम विरोधाभासों की दुनिया में प्रवेश करने वाले हैं। आज हम वास्तव में अपने को विरोधाभासों में उलझा पाते हैं। वह इसलिए कि रियासतों के एकीकरण से जिस राष्ट्र का निर्माण किया जा रहा था वह जबरदस्त विविधताओं वाला मुल्क था। संविधानसभा ने इस विविधता को मान्यता दी और उसे समाहित करने के लिए एक संस्थागत और कानूनी ढांचा बनाया। संविधान के साथ हम भारत के लोगों ने समान नागरिकों वाला एक बहुल राष्ट्र बनाने का मानव इतिहास में सबसे महान मगर जटिल प्रयोग शुरू किया था। यह प्रयोग अपनी महत्वाकांक्षा में अद्वितीय था। अपना संविधान तैयार करने की संविधान सभा बना कर संविधान की रचना करने की राजनीतिक पद्धति उस ब्रिटेन में भी नहीं थी जो सत्ता हस्तांतरित करके जाने वाला था। इसका सीधा सा कारण यह था कि ब्रिटिश संविधान के तहत संविधान कानून जैसी कोई चीज नहीं है। यह ब्रिटिश संसद का एक खास विशेषाधिकार है। वहां संसद ही एकमात्र संप्रभु प्राधिकरण है, तथा देश के संवैधानिक कानून सहित सभी कानूनों को बनाना और हटाना उसी का काम है। संविधान सभा ने संप्रभुता विधायिका को नहीं यहां के नागरिकों को दी। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसा राष्ट्र बनाने के जिस सपने को मूर्त रूप देने की चेष्टा की वह बहुसंख्यकवाद के विचार पर आधारित नहीं था। यह सपना था एक ऐसे राष्ट्र का जिसमें सबके लिये समान जगह हो। धर्म, जाति, लिंग का भेद न हो। उसमें जबरन एकरूपता का कोई सोच न था। संविधान ने विविधता की मौलिकता को मान्यता दी।

भावी आज़ाद मुल्क के लिये संविधान की कल्पना कांग्रेस ने की थी। वर्ष 1934 में जब से कांग्रेस ने इस विषय पर नेतृत्व किया तब से संविधान सभा का विचार देश के लगभग सभी राजनीतिक विचारधारा वाले वर्गों में आस्था का विषय बन गया। नवंबर 1939 में कांग्रेस कार्यसमिति ने एक प्रस्ताव पारित कर कहा कि भारत की स्वतंत्रता को मान्यता देना और संविधान सभा के माध्यम से अपने संविधान का निर्माण करने के लिए उसके लोगों के अधिकार को मान्यता देना आवश्यक है। इस कार्यसमिति में, और इससे पहले 1936 के फैजपुर अधिवेशन में, पारित प्रस्तावों में कहा गया कि संविधान सभा का चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर किया जाना चाहिए। लेकिन मार्च 1940 में मुस्लिम लीग द्वारा पाकिस्तान बनाने का प्रस्ताव पारित किए जाने तक संविधान बनाने के लिए संविधान सभा के विचार को पूरी तरह कभी स्वीकार नहीं किया गया। हालांकि, बाद में मुस्लिम लीग के रुख में बदलाव आया और वह संविधान सभा के विचार के पक्ष में हो गई। मगर वह देश में दो अलग राज्यों की अपनी मांग के अनुरूप दो संविधान सभाएं चाहती थी। एक संविधान सभा उन क्षेत्रों के लिए जिन पर लीग ने अलग मुस्लिम राज्य का दावा किया था और दूसरी संविधान सभा शेष भारत के लिए। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि इस देश में संविधान निर्माण के लिए एकमात्र प्रत्यक्ष साधन के रूप में संविधान सभा के विचार को 1940 में दो प्रमुख राजनीतिक दलों ने स्वीकार तो किया मगर इस अंतर के साथ कि जहां कांग्रेस पूरे भारत के लिए एक संविधान सभा चाहती थी, वहीं मुस्लिम लीग देश में दो अलग-अलग राज्यों की अपनी मांग के अनुसार दो संविधान सभाएं चाहती थी। चाहे एक हो या दो, संविधान सभा के गठन का विचार संविधान निर्माण के लिए उचित तरीका है, यह विचार उस समय तक देश की जनता की चेतना में स्पष्ट रूप से उभर चुका था, और यह उस भारी मानसिक उथल-पुथल के संदर्भ में था, जिसमें पंडित जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की थी कि ''**इसका अर्थ है एक गतिशील राष्ट्र, जो अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से, अपने लिए एक नई सरकार बना रहा है**''। भारत के संविधान के निर्माण के लिए सबसे उपयुक्त विधि के रूप में संविधान सभा की अवधारणा को सप्रू समिति के सदस्यों ने भी समर्थन दिया था, जिसकी रिपोर्ट वर्ष 1945में जारी की गई थी, जिसमें संविधान सभा के गठन के लिए एक निश्चित योजना तैयार की गई थी। हालांकि, भारतीय संविधान सभा ब्रिटिश कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तावित योजना के तहत बनी जिसने कांग्रेस, लीग और अन्य राजनीतिक संगठनों द्वारा इस विषय पर दिए गए सुझावों से अलग होकर एक ऐसी योजना तैयार की थी, जिसे सभी ने नहीं, लेकिन कई राजनीतिक दलों ने और देश में राजनीतिक रूप से सोच रखने वाले वर्गों के बड़े हिस्से ने स्वीकार किया था। उन लोगों ने भी, जो किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित नहीं थे, इसे एक परीक्षण के लायक माना, ताकि वर्षों से चला आ रहा राजनीतिक गतिरोध समाप्त किया जा सके। ब्रिटिश कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तावित योजना के कुछ हिस्से कुछ राजनीतिक दलों के बीच तीखे विवादों का विषय भी रहे।

संविधान सभा के पहले अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने सदन में अपने पहले उद्बोधन में कहा था: माननीय सदस्यगण, मेरी प्रार्थना है कि जिस संविधान की आप योजना बनाने जा रहे हैं, वह अमरता के लिए तैयार हो, ताकि मानव की इसके अमृत्व की आकांक्षा ऐसी अटूट शक्ति की संरचना बना सके जो वर्तमान और भविष्य की सभी विनाशकारी शक्तियों को मात दे सके। स्पष्ट था कि विविधताओं को साध कर ही यह अमृत्व पाना था। संविधान बनाने वाले चाहते थे कि विभिन्न विचारधाराओं, संस्कृतियों और धार्मिक संप्रदायों के लोग आपसी सहकार और प्रेम की भावना के साथ साझी विरासत को अपनाते हुए नये राष्ट्र का निर्माण करें। संविधान में उन्होंने उन सामान्य पहलुओं की पहचान कराई जो हमें एक राष्ट्र और एक लोगों के रूप में बांधते हैं। मगर दुर्भाग्य से संविधान लागू होने के 70 से अधिक सालों बाद भी हम पाते हैं कि वैसा सामाजिक ताना-बाना मजबूती से नहीं बन पाया जिसकी कल्पना की गई थी। अब तो इस ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने के प्रयास होते नज़र आते हैं। समझदार लोग मानते हैं कि इस ताने-बाने को रफ़ू किए बिना हम आर्थिक प्रगति के बावजूद आधुनिक और मजबूत भारत का निर्माण नहीं कर सकेंगे। मौजूदा समय में लोकतान्त्रिक संस्थाओं पर विश्वास घटता जा रहा है। बढ़ती हुई जटिल सामाजिक समस्याओं से निपटने में इन संस्थाओं की कमजोरी एक आम बात हो गई है। हर लोकतांत्रिक संस्था इस चुनौती का सामना कैसे करे यह यक्ष प्रश्न है। सभी संवैधानिक संस्थाओं की व्यवहार्यता लोगों की स्वीकार्यता पर निर्भर करती है। जब व्यवस्था की व्यवहार्यता बदनाम होने या बिगड़ने लगती है तब शासन की व्यवस्था समुदाय के लिए अपनी उपयोगिता खोने लगती है। मौजूद समय की सबसे बड़ी चुनौती संस्थाओं की विश्वसनीयता और लोगों के उन पर विश्वास को बहाल करने की है। लोकतान्त्रिक संस्थाएं जनता के विश्वास पर ही खड़ी रह सकती है। विधायिका और न्यायपालिका भी उत्कृष्टता के मानकों को तभी बनाए रख सकती हैं जब उनके सभी हितधारक अपनी-अपनी जिम्मेदारी समझें। बार, पुलिस और कार्यपालिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। मगर इन सबके ऊपर हम भारत के लोगों का जागरूक होना सबसे अधिक जरूरी है। नागरिकों में जागरूकता बेहतर शिक्षा और आदर्शों की के प्रति निष्ठा से आती है। जिन हालात में भारतीय लोकतंत्र को हम इन दिनों पाते हैं उससे यहां के नागरिकों में परास्त होने का भाव पैदा हो जाना अस्वाभाविक नहीं है। लोगों का मनोबल गिरता है तो अधिनायकवादी प्रवत्तियां तथा ताकतें पनपती हैं। जनसंचार की नई तकनीकों ने सभी को एक खुला मैदान दे दिया है। सोचा गया था कि वहां अच्छाई का संसार रचने का बेहतरीन मौका मिलेगा। किन्तु वहां भी ऐसी ताकतों ने अपना मायाजाल बिछा दिया है जो विविधताओं वाले एक सुंदर राष्ट्र बनाने की राह को कुंद कर रहा है। वहां विभाजनकारी और कट्टरता वाली ताकतें युवा पीढ़ी को लुभा रही हैं और उन्हें संवैधानिक साझे समाज की रचना के विचार से दूर धकेल रही है। भारतीय संविधान का निर्माण देश के विभाजन की काली छाया वाले विध्वंश के काल में हुआ था। मगर हमें एक शायर की इस बात का यकीन था कि ''**यूनान-ओ-मिश्र-ओ-रोमां सब मिट गये जहां से/ बाक़ी अभी तलक है नाम-ओ-निशां हमारा**''/ ''**कुछ बात है के हस्ती मिटती नहीं हमारी/ सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-ज़मां हमारा।**'' आज भी यही यकीन हमें रास्ता दिखाएगा।

लोकतान्त्रिक संस्थाएं जनता के विश्वास पर ही खड़ी रह सकती है। विधायिका और न्यायपालिका भी उत्कृष्टता के मानकों को तभी बनाए रख सकती हैं जब उनके सभी हितधारक अपनी-अपनी जिम्मेदारी समझें। बार, पुलिस और कार्यपालिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। मगर इन सबके ऊपर हम भारत के लोगों का जागरूक होना सबसे अधिक जरूरी है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

देश में प्रजातंत्र या लोकतंत्र का विकास और विस्तार गर्व करने की सीमा क्या लांघ चुका है?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

देश के नागरिकों और आम जनता को और क्या चाहिए भय रहित जीवनयापन की सुविधायें, समाज से जुड़ाव और नागरिक होने के सभी कर्तव्यों का सुगमता से निर्वहन। अपराधी तो क्या साधारण लोग भी पहले पुलिस के नाम से ही काँप उठते थे, अब ऐसा कोई डर/भय नहीं। महान देश की एक महान उपलब्धि आज़ादी के बाद, कि सरकार का भय समाप्त । ये भय कुछ तो अखवार वाले उत्पन्न करते रहते हैं खबरों में मसाला मिलाकर अखबार में छापने, पढ़ने पर पाठक कई तरह के कयास लगा अपने में ही अनेक काल्पनिक भय उत्पन्न कर लेता है।

अखबार की आज एक ताजा खबर कि किसी आम नागरिक ने चुनाव की गतिविधिओं के मध्य एक एस.डी.ऍम. को थप्पड़ जड़ दिया। स्वाभाविक रूप से पुलिस वहां रही होगी, ऐसा मैं मानता हूँ। पुलिस से भय के गिरते मापदंड ने यह साबित कर दिया कि आने वाले समय में अन्य ऊंचे ओहदों पर विराजमान अफसर और संभवत: मंत्री व् अन्य जनप्रतिनिधि भी कभी न कभी ऐसे थप्पड़ों का जायका जरूर चखेंगे? कारण स्पष्ट है कि हमने व्यवस्था और परिपाटी प्रशासन में ऐसी ही विकसित की है।

पहले पुलिस वालों के पास राइफल बन्दूक हुआ करती थी, कंधे पर लटकी जरूर होती चाहे उसे चलाने की कभी जरुरत न पड़े। अब बन्दुक के स्थान पर एक ढाई फ़ीट का बेंत का डंडा सिपाहीओं को पकड़ा दिया है। उससे कितना डर सृजित होता है कहा नहीं जा सकता? परन्तु यह निश्चित है कि थप्पड़ की मार उस छोटे से डंडे के मुकाबिले कहीं अधिक जोरदार और भयाक्रांत साबित हुयी कि राजस्थान के सभी हिंदी अखबारों में मुख्य पृष्ठ पर बड़े अक्षरों में सुर्खियां बन गई। घटना टोंक ज़िले के किसी चुनाव केंद्र की है। राजस्थान में कहावत भी है कि जो पहले मारे वह मीर।

आगे के दिनों में आने वाली ख़बरों से पता चला कि थप्पड़ मारने वाले को गिरफ्तार कर लिया और न्यायलय ने तथाकतिथ अपराधी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। और इस प्रकार मारने वाले को अपराध सबूत नहीं मिलने से सजा से मुक्त होने का रास्ता बन गया। क्या औचित्य था थप्पड़ मारने पर 14 दिन न्यायिक हिरासत का? बहुत छोटी बात थी, एस डी एम साहब को लोकतंत्र में बड़प्पन दिखाते हुए उसे क्षमा कर देते? लेकिन यहाँ अखवारी तंत्र की भूख को तृप्त करने का भी सबाल है वह फिर कैसे पूर्ण होता ? देखते रहिये ऊँट किस करवट बैठता है ? हमारी अनोखी न्याय् प्रणाली जिस करवट और किस समय बैठायेगी वह सब देखने-सुनने के लिए नित अखबार पढ़ते रहिये। याद रखिये मामला केवल एक थप्पड़ का है जिसे हम बहुधा सामान्य जीवन में भी जड़ते रहते हैं।

इस घटना को मैं किसी आपराधिक दृष्टि नहीं देखता हूँ और न ही किसी कानूनी पक्ष की दृष्टि से। मैं तो केवल आंकलन कर रहा हूँ कि हमारा प्रजातंत्र अथवा लोकतंत्र किस दिशा में अग्रसर होकर विकास कर रहा है। इससे अधिक मैं कुछ भी नहीं लिखना चाहता लेकिन थप्पड़ का जिक्र तो करना पड़ेगा। थप्पड़ कोई अलौकिक चीज़ नहीं। पाठको को याद दिला दूँ कि चांटा, मुक्का, घूँसा सब इसके पर्याय ही तो हैं लेकिन भिन्न भी हैं। श्री हनुमान जी सीता जी की खोज के समय जब समुद्र लांघ लंका पहुंचे तो वहां के दुर्ग के अंदर जाना दुष्कर था, कड़ा पहरा था। केवल एक स्थान पर उन्हें कुछ आस लगी क्योंकि वहां एक स्त्री 'लंकिनी' नाम की पहरा दे रही थी, सोचा ये कमजोर पड़ेगी या मधुर वचन से मान भी जाएगी। लेकिन वह तो बड़ी कठोर स्वभाव और लड़ाकू प्रवर्ति की थी। ऐसे समय अपनी दाल गलती न देख हनुमान बाबा ने एक मुष्टिका उसके मुहं पर जड़ दी, वह बेहोश होकर गिर पड़ी और नॉक और मुहं से रक्त निकल गया। लेकिन तुरंत ही वह सचेत हो खड़ी हो गई और उसे विचार आया कि लगता है ब्रह्मा जी का शाप फलीभूत होने जा रहा है शाप ये था कि जब किसी कपि के मारने से यदि निश्चर विकल हो जायं तो निश्चरों का अंत निकट आया समझो। ''बिकल होयँ जब कपि के मारे, तब जानेस निश्चर संघारे'' कानूनी पक्ष मैं यहाँ अधिक नहीं रखूँगा केवल इतना ही कहूंगा कि लंकिनी को मारने से हनुमान जी ने राज कार्य में बाधा उत्पन्न की क्योंकि लंकिनी पहरा देकर राज कार्य कर रही थी। भारत जैसा विपक्ष होता तो पुलिस में विरोधी पक्ष रिपोर्ट लिखा देता। लेकिन तब बाबा साहब का संबिधान तो था ही नहीं । सो लंका की सरकार कुछ न कर सकी और हनुमान जी अंदर परकोटे से होते हुए रावण के महल तक पहुंच गए। अब फिर लौटते हैं थप्पड़ पर, घूँसा में अधिक बल होता है क्योंकि चारो उंगलिओं और अँगूठे का सघटित बल बन जाता है। हनुमान जी ने अनेक स्तिथिओं में मुष्टिका या मुक्का या घूँसा का ही प्रयोग किया है। छोटे-मोटे संघर्ष से निपटने में उन्होंने अपना गदा कम ही काम में लिया है।

रामचरित मानस असंख्य सीखों का खजाना है जो चाहो वह मिल जायेगा। समझ नहीं आता कि हमारे राहुल जी बाबा साहब की पुस्तक का मिनिएचर हाथ में लेकर क्यों लोगों को दिखा ते रहते हैं? मैंने तो आज तक बाबा साहब की पुस्तक देखी ही नहीं, और अब तो जीवन के आखिरी सोपान पर चल रहा हूँ ? मुझे तो और मेरे अनेक मित्रों को भी संबिधान देखने की जरुरत ही नहीं पड़ी। अरे, जिनको देखनी चाहिए वे देख लेंगे सब लोग उसे हाथ में लेकर हिलाते लोगों को दिखाएँ क्या यह खेल है? देश के लोगों को ऐसे कार्य हाथ में लेने चाहिए जिनसे आम जनता को लाभ मिले और विकास कार्य भविष्य की पीड़ी के उपयोग हेतु सुगमता से सृजित किये जा सकें। अनुत्पादक कार्यों से हम जनता के बीच ही हंसी के पात्र बनते हैं।

वैसे मैं स्वयं वर्तमान शासन-प्रशासन प्रणाली के कृत्यों से सहमत नहीं हूँ। अनेक अवसरों पर मैंने अपने लेखों के द्वारा इस प्रणाली के बदलने की अनुसंशा भी की है जिस पर कभी किसी ने प्रतिक्रिया नहीं दी । यहाँ मैं केवल इशारा किये देता हूँ कि देश में कोई राजनैतिक पार्टी नहीं हो, लेकिन चुनाव हों और पक्ष और विपक्ष में प्रतिनिधि संसद के अंदर ही संवाद करने को बाध्य हों, सभी जनप्रतिनिधि जनता चुने तो लेकिन वे अपने तर्क के आधार पर पक्ष और विपक्ष के रूप में जनहित के मुद्दों पर सम्बाद करें।

सत्तर वर्ष में डिजनरेशन से व्यक्ति, पेड़, पशु, पक्षी, कीट, पहाड़, नदियां, आदि सब कुछ बदल जाते हैं और अपनी उपयोगिता खो देते हैं। संविधान भी अब समय बीतने से एक रोटन ग्रन्थ बन कर रह गया है। जीवंतता उसमे अब रही ही नहीं। बाबा साहब ने उसे बड़े यतन से लिखा था लेकिन उनके बाद अनेक संशोधन और विकृतियां से राजनैतिक दृष्टि से आप उसे कुछ भी कहें परन्तु जर्जर हालत में और समय के साथ बदले हुए माहौल से उसकी सार्थकता अब उतनी नहीं रही जो होनी चाहिए थी। अगले लेख में मैं एक ऐसे शासन प्रशासन प्रणाली के बारे में लिखूगा जो एक नवीन पद्धति और सोच को विकसित करने में मदद करेगा।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
डेरी एवं खाद्य विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जापान की संसद का अवलोकन किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को जापान की संसद ''डाइट'' का अवलोकन किया। देवनानी ने वहां की संसदीय व्यवस्थाओं की जानकारी ली। देवनानी ने जापान संसद का भवन, सदन, दीर्घाएं, सदन में सदस्यों के बैठने की व्यवस्था, सदन की कार्य प्रणाली, अपर हाउस, लोअर हाउस, हाँ पक्ष व ना पक्ष लॉबी सहित भवन के विभिन्न कक्षों और सदस्यों की ऑनलाइन उपस्थिति का अवलोकन किया। देवनानी ने कहा कि जापान में सदन की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों और वहां की परम्पराओं और रीति-नीति के अनुसार होता है।

देवनानी ने जापान की संसद में निचले सदन जिसे प्रतिनिधि सभा कहते हैं और ऊपरी सदन जिसे पार्षदों का सदन कहा जाता है, को देखा। देवनानी को संसद के अधिकारियों ने बताया कि संसद के दोनों सदनों के स्थायी आदेश होते हैं और उनकी अपने सदस्यों को अनुशासन करने की जिम्मेदारी होती है। दोनों सदनों को मंत्रियों को तलब करने का अधिकार भी मिला हुआ है। हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव जापान के राष्ट्रीय सदन का निचला सदन है और हाउस ऑफ काउंसिलर्स का सदन उच्च सदन है। वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को जापान में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा और महान क्रांतिकारी रास बिहारी बोस के समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। देवनानी ने कहा कि भारत दुनिया की मजबूत अर्थव्यवस्था बन कर उभर रही है, जो दुनिया को बदलने का आधार बन रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा अतीत में किये गये कार्यों का परिणाम है कि भारत बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रपिता को नमन करते हुए देवनानी ने कहा कि महात्मा गांधी के बिना भारत को स्वतंत्र होने के लिये और लम्बा संघर्ष करना पड़ता। साथ ही देवनानी ने कहा कि महान क्रांतिकारी रास बिहारी बोस ने देश में और देश के बाहर रहकर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियों का संचालन किया। रामायण का जापानी भाषा का अनुवाद करने वाले बोस ने टोक्यो में भारतीयों को संगठित करने का प्रयास किया। उन्होंने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज में रहकर भारत को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

वासुदेव देवनानी ने जापान की संसद का अवलोकन कर संसदीय व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

- **देवनानी ने जापान में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा और महान क्रांतिकारी रास बिहारी बोस के समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर नमन किया**
- **देवनानी चार देशों की यात्रा के बाद आज जयपुर लौटेंगे**

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा के बाद बुधवार को जयपुर लौटेंगे। विधानसभा अध्यक्ष की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की इस अध्ययन यात्रा से विधानसभा को नई गति मिलेगी। देवनानी ने कहा कि प्रत्येक देश और राज्य के विधान मण्डलों में स्थानीय व्यवस्थाओं के मुताबिक सदन संचालन की प्रक्रिया होती है, लेकिन हर विधान मंडल में नई विशेषताएं भी देखने को मिली है। यह विशेषताएं संबंधित विधान मंडल के नवाचार होते हैं, जो अन्य विधान मंडलों के लिए मार्गदर्शन साबित हो सकते हैं।

'शिक्षकों के शैक्षिक विकास में आधुनिक दृष्टिकोण व तकनीकों से परिचय जरूरी'

अजमेर, (कासं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने कहा कि शिक्षकों के शैक्षिक विकास में आधुनिक दृष्टिकोण व तकनीकों से परिचय जरूरी है। शिक्षकों को प्रयोगशाला विकास और मैनुअल तैयार करने के क्षेत्र में आवश्यक कौशल प्रदान करना इस कार्य की प्राथमिक जरूरत है। इससे शिक्षण प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाए रखा जा सकता है। कुलपति प्रो. आनंद भालेराव राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षकों के लिए ''प्रयोगशाला विकास व मैनुअल तैयार करने का प्रशिक्षण'' विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम 22 नवंबर तक चलेगा, जिसमें गुणवत्ता सुधार और नवीन शिक्षण पद्धतियों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

- **राज. केन्द्रीय वि.वि. में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शुभारंभ**

कार्यक्रम का विषय प्रयोगशाला अनुभव विकसित करना, परिणाम आधारित शिक्षा, संसाधनों का अधिकतम उपयोग आदि है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज के डीन डॉ. देवेश कुमार ने आधुनिक शिक्षा में सुसज्जित प्रयोगशालाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और शिक्षण के तरीकों में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षण विधियों में सुधार के लिए प्रयोगशाला सुविधाओं का पर्याप्त होना आवश्यक है।

राशिफल बुधवार 20 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, पुर्नवसु नक्षत्र दिन 2:50 तक, शुभ योग दिन 1:08 तक, तैतिल करण सायं 4:50 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 8:49 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग दिन 2:50 तक है। आज दीक्षा दिवस (जैन) है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:33 तक, शुभ 10:53 से 12:12 तक, चर 2:51 से 4:11 तक, लाभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:54, सूर्यास्त 5:30

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगी।

वृष
परिवार में शुभ और मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा है। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। शुभ कार्य में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है। शुभ कार्य में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है। शुभ कार्य में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
खान-पान में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अनावश्यक वाद-विवाद से परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सार-समाचार

कांस्टेबल ने ईमानदारी का परिचय दिया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट जिला पूर्व पुलिस ने अपनी ईमानदारी का परिचय देते हुए एक सुनार को उसका दो लाख का सोना लौटाया। सदर बाजार थाने के कांस्टेबल राकेश ने इस ईमानदारी का परिचय दिया है। दरअसल सदर बाजार थाने का कांस्टेबल राकेश सोमवार को अपनी ड्यूटी पर था। तब घोड़ों का चौक- कबूतरों का चौक मार्ग पर एक प्लास्टिक थैली में एक छोटी डिब्बी में उसे सोने के तीन पेडेंट मिले। जिसका वजन तकरीबन 16.120 ग्राम था। बाद में उसके मालिक के बारे में पता लगाने के लिए आस पास के स्वर्णकारों से पूछताछ की गई। फिर पता लगा कि यह पेडेंट की डिब्बी डोडीदारों का मोहल्ला, सिटी पुलिस क्षेत्र में रहने वाले भगवती प्रसाद सोनी की है। बाद में उन्हें यह डिब्बी सौंप दी गई। डिब्बी में तीन पेडेंट थे जिनकी अनुमानित कीमत दो लाख रूपए है। दरअसल कांस्टेबल राकेश बदमाशों पर निगरानी एवं स्थाई गिरफ्तारी वारंटियो की धरपकड़ के लिए चलाए गए अभियान के के तहत गश्त पर था। तब उसे कबूतरों का चौक पर रास्ते में एक प्लास्टिक की छोटी डिब्बी मिली जिसे चैक करने पर उक्त डिब्बी में सोने के तीन पेडेंट मिले। इस पर थाना प्रभारी गोविन्दराम, हैडकांस्टेबल भंवरलाल को भी जानकारी दी गई। इसके लिए शिवम ज्वैलर्स के मालिक एवं जोधपुर व्यापार संघ के अध्यक्ष नवीन सोनी से सम्पर्क कर सहायता ली गई। बाद में पता लगने पर दुकानदार भगवती प्रसाद को पेडेंट सुपुर्द कर दिए गए।

पाली में इंदिरा गांधी की जयंती मनाई

पाली, (नि.सं.)। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री, देश को परमाणु सम्पन्न राष्ट्र बनाने वाली आयरन लेडी इंदिरा गांधी की 107 वीं जयंती पर राजीव गांधी स्मृति भवन (कांग्रेस कार्यालय) में जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में अध्यक्ष अज़ीज़ दर्द के नेतृत्व में आयोजित पुष्पांजलि सभा में इंदिरा गांधी की तश्वीर पर कांग्रेसजनों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस दौरान विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अज़ीज़ दर्द ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी जी के दृढ़ नेतृत्व और देश को आत्मनिर्भर बनाने के उनके प्रयासों को सदैव याद किया जाएगा तथा एकता, साहस और दृढ़ निश्चय की प्रतीक, इंदिरा गांधी जी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस सदस्य महावीरसिंह सुकरलाई, ब्लॉक अध्यक्ष जीवराज बोराणा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश साँखला, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष एवं पार्षद हाजी मेहबूब टी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोरधन देवासी, एस सी विभाग जिलाध्यक्ष रतन उद्देश, ओ बी सी जिलाध्यक्ष गोविंद बंजारा, पूर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज़, ताराचंद टाक, अरुण जोशी, मंडल अध्यक्ष राजू सोलंकी, युवा विधानसभा अध्यक्ष कृष्णा सांसी, वजीर खान खैरवा, लक्ष्मण कछवाहा, ब्लॉक प्रवक्ता असगर क़ुरैशी, पुष्पराज सोनी, धनराज आर्य, इकबाल शेख, ताराचंद चंदनानी, मोहम्मद खान पठान, कमरुद्दीन पठान, भेराराम गुर्जर, रामचंद्र बुनकर, दिनेश दवे, जावेद सिरोहा, विक्रम चंदानी, यासीन सबावत, अनवर खान सिपाही सहित दर्जनों कांग्रेसजनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

हमला करने के 2 और आरोपी गिरफ्तार

पाली, (नि.सं.)। पाली में सुंदरकांड पाठ कर रहे पंडितों पर हमला करने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक मामले में 6 आरोपी पकड़े जा चुके है। मुख्य आरोपी सुरेंद्रसिंह अभी भी फरार है। जिसकी तलाश जारी है। बता दें कि ब्राह्मण समाज ने मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर 20 नवंबर को पाली बंद की चेतावनी दी थी। सीओ सिटी देरावर सिंह ने बताया 13 नवंबर को औद्योगिक थाने क्षेत्र के राजनगर में अपने प्लॉट पर पंडितों के साथ सुंदरकांड का पाठ कर रहे पंडित ओमदत्त दवे पर सुरेंद्रसिंह राजपूत ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमला किया था। जिसमें ओमदत्त दवे गंभीर घायल हो गए थे। उसे बचाने का प्रयास करने पर अन्य पंडितों पर भी आरोपियों ने हमला किया था। घायल ओमदत्त का अभी भी बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार जारी है। मामले में रेलवे स्टेशन भटवाड़ा निवासी रवि कुमार (28) पुत्र किशोर कुमार और शांति प्रिय नगर (औद्योगिक नगर थाना) निवासी दशरथ (36) पुत्र कालूराम को गिरफ्तार किया है। इससे पहले राजनगर (औद्योगिक नगर थाना) निवासी कुलदीपसिंह (27) पुत्र कुंदनसिंह, शेखावत नगर निवासी कमलसिंह (35) पुत्र कायमसिंह, राजेन्द्र नगर निवासी चैनसिंह (26) पुत्र दिलीपसिंह और शिव कॉलोनी निवासी जयंती (24) पुत्र जेठाराम को गिरफ्तार किया था। मामले में पुलिस अभी तक छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपी सुरेंद्रसिंह की तलाश जारी है।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

सांचौर, (कासं)।जिला कलेक्टर शक्ति सिंह राठौड की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिला कलेक्टर ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं प्रोजेक्ट के अधिकारियों से जिले में संचालित जल जीवन मिशन कार्यों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में वर्तमान तक दिए गए नल कनेक्शन, अमृत 2.0 योजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए क्षेत्र में सुचारू पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दी जा रही विद्युत सप्लाई की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि क्षेत्र में सुचारू विद्युत प्रबंधन सुनिश्चित करें। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों से जिले में निर्माणाधीन सडकों की जानकारी लेते हुए सडक निर्माण कार्यों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने एवं कार्यों को तय समयसीमा में पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रमोद कुमार, एडिशनल एसपी आवडदान रत्नू, अधीक्षण अभियंता डिस्कॉम तारिक खान, अधिशासी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग ओमप्रकाश सुथार, सांचौर तहसीलदार देशलाराम परिहार सहित अधिकारी कार्मिक उपस्थित रहे।

राजपूत सेवा समिति रानी की बैठक हुई

रानी, (निसं)। श्री राजपूत सेवा समिति रानी की बैठक आशापुरा माताजी मंदिर नाडोल में समिति अध्यक्ष छैलसिंह राठौड डुठारिया की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैठक में 25 दिसंबर 2024 को रानी क्षेत्र राजपूत समाज कि विभिन्न क्षेत्रों में राजकीय व निजी क्षेत्रों में नवनियुक्त प्रतिभा, शिक्षा,खेलकूद ,स्काउट , , नीट, , एम्स इत्यादि मे विशेष उपलब्धि हासिल करने वालों को उत्साहवर्धन के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। पात्र प्रतिभाशाली अपना आवेदन 15 दिसम्बर 24 तक समिति को जमा करा सकते है। बैठक मे शैतानसिंह ईटन्दरा मेडतियान, करणसिंह, हीरसिंह लोडता, कोषाध्यक्ष वि मसिंह राठौड छोटी रानी, राजेंद्रसिंह सोलंकी जवाली, भीमसिंह गुडा, पृथ्वीराज महावीरसिंह गुडा भीमसिंह, माधोसिंह पादरलीसिंधलान, मनोहरसिंह मेवी, हुकमसिंह, सुगनसिंह गुडा, केसरसिंह, महीपाल सिंह खुनी गुडा , जसवन्त सिंह आदि समिति के सदस्यों ने सम्मान समारोह के आयोजन एवं तैयारी की कार्य योजना बनाई।

जे.एन.वी.यू. में शूटिंग चयन आज से

जोधपुर, (कासं) । जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के क्रीड़ा मंडल की ओर से शूटिंग की चयन प्रक्रिया 20 नवंबर से आयोजित होगी। खेल प्रभारी प्रो. अमन सिंह सिसोदिया ने बताया कि 20 नवंबर को सुबह नौ बजे से शूटिंग टीम (महिला) की चयन प्रक्रिया शारीरिक शिक्षा विभाग, पुराना परिसर में आयोजित होगी। वहीं शूटिंग टीम (पुरूष) की चयन प्रक्रिया 21 नवंबर को सुबह नौ बजे से शारीरिक शिक्षा मंडल, पुराना परिसर में आयोजित होगी। प्रो. सिसोदिया ने बताया कि चयन प्रक्रिया में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी को उपस्थिति के समय अपने साथ यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एनरोलमेंट फॉर्म संबंधित विभाग के अधिष्ठाता, निदेशक या प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर मय सील, परिचय पत्र, चालान कॉपी, जन्मतिथि प्रमाण-पत्र, सैकेण्डरी एवं सी. सैकण्डरी अंकतालिका की फोटो कॉपी/अंतिम कक्षा उत्तीर्ण अंकतालिका की फोटो कॉपी लाना अनिवार्य है। वहीं चयन प्रक्रिया समय से 30 मिनट पूर्व प्रतिभागी को चयन प्रक्रिया स्थल पर अपनी उपस्थिति देनी होगी।

जसवंतपुरा पंचायत में शिविर लगा

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा के अनुसरण में संयुक्त सहायता अनुदान योजनान्तर्गत विशेष योग्यजनों को संबल प्रदान करने की दृष्टि से दिव्यांगजन को 20 हजार रूपये तक के कृत्रिम अंग/उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए मंगलवार को पंचायत समिति जसवंतपुरा में दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें कुल 17 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान जसवंतपुरा उपखण्ड अधिकारी रामलाल मीणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के ब्लॉक प्रभारी कुलदीप माली, छात्रावास अधीक्षक ठाकराराम देवासी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि व दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

मर्सिडीज बेंज के एयरबैग खुले, उपभोक्ता कोर्ट ने लगाया जुर्माना

जोधपुर, (कासं)। हाईवे पर चल रही 99 लाख की मर्सिडीज बेंज के अचानक एयरबैग खुल गए। हैंडीक्राफ्ट व्यापारी ने इसकी शिकायत कंपनी और डीलर से की तो उन्होंने कार ठीक करने का आश्वासन दिया। जब डेढ़ साल तक कंपनी इसका कोई हल नहीं निकाल पाई तो व्यापारी ने कंज्यूमर कोर्ट में शिकायत की। अपना पक्ष रखते हुए नई कार समेत इसके रजिस्ट्रेशन का खर्चा मांगा। बचाव करते हुए कंपनी की ओर से दलील में कहा गया कि कार के पास चल रहे ट्रक का टायर फटने से कार के सेंसर पर एयरशॉक लगा और एयरबैग खुल गया। यह कोई सर्विस फॉल्ट नहीं है।

इस दलील को नकारते हुए कोर्ट ने फैसले में कहा कि मर्सिडीज के मैनुअल में साफ लिखा है कि टक्कर होने के बाद ही एयरबैग खुलेंगे। ऐसे में, एयरशॉक की बात को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उपभोक्ता को 5 लाख रुपए देते हुए 2 महीने के अंदर कार को ठीक करके दें। मामला जोधपुर उपभोक्ता आयोग की बेंच का है। इस मामले में कोर्ट ने मंगलवार को मर्सिडीज बेंज कंपनी और स्थानीय डीलर को लेकर यह फैसला सुनाया है। उपभोक्ता की ओर से पैरवी करने वाली लता जैन ने बताया कि जितेंद्र जैन ने 4 दिसंबर 2023 को जोधपुर के कंज्यूमर कोर्ट में शिकायत की थी, इसका फैसला आज आया है। शिकायत में बताया था कि मार्च 2023 में खरीदी मर्सिडीज में 3 माह बाद जून 2023 में मैन्यूफैक्चरिंग फॉल्ट के कारण अपने आप एयरबैग खुल गए थे। व्यापारी ने कई बार इसकी शिकायत कंपनी को की, उन्होंने कार को ठीक करके नहीं दिया। पिछले डेढ़ साल से जून माह के बाद कार वर्कशॉप में ही खड़ी है। ऐसे में उन्हें नई कार दी जाए और रजिस्ट्रेशन के करीब 9 लाख रुपए भी लौटाए जाए।

वकील लता जैन ने बताया कि जोधपुर के मैसर्स सनसिटी आर्ट एक्सपोर्ट पार्टनर जितेंद्र जैन ने मर्सिडीज बेंज और स्थानीय डीलर टी एंड टी मोटर के खिलाफ वाद दायर किया था। राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर बेंच की न्यायिक सदस्य उर्मिला वर्मा और सदस्य लियाकत अली ने मर्सिडीज बेंज के ड्राइवर साइड के एयर बैग अपने आप खुलने को सर्विस फाल्ट मानते हुए एयरबैग बदलकर देने और उपभोक्ता को हुई परेशानी के लिए 5 लाख रुपए मानसिक पीड़ा के रूप में देने का आदेश दिया है। जितेंद्र जैन ने डीलर से मर्सिडीज बेंज कार 88 लाख 87 हजार रुपए देकर खरीदी थी और रजिस्ट्रेशन के 9 लाख 94 हजार रुपए अदा किए थे। जितेंद्र जैन ने शिकायत में कहा था कि जून 2023 में मैं पत्नी के साथ मर्सिडीज बेंज कार में उदयपुर से अहमदाबाद जा रहा था। इसी दौरान अचानक ड्राइवर साइड के कर्टन एयरबैग बिना किसी कारण के खुल गए, दोनों इस दुर्घटना में बच गए थे। इसके बाद कार को डीलर के यहां सर्विस के लिए पहुंचाया गया था। उपभोक्ता आयोग में पेश किए परिवाद में बताया कि डीलर बार-बार कार को जल्दी ठीक करने का आश्वासन देता रहा, लेकिन कार को ठीक नहीं कर रहा था। सर्विस रिपेयरिंग के दौरान डीलर को कार में आए फाल्ट की जानकारी ही नहीं लग रही थी।

जिला कारागृह का निरीक्षण

जालोर, (कासं)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने मंगलवार को जिला कारागृह का औचक निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया जिसमें व्यवस्थाएँ संतोषजनक पाई गई।

कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे के जिला कारागृह पहुँचने पर पुलिस के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गय। जिला कलक्टर ने जिला कारागृह में बंदियों से कारागृह की व्यवस्थाओं, उनकी दिनचर्या व उन्हें मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी लेते हुए व्यवस्थाओं को लेकर कार्मिकों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बीमार बंदियों के उपचार के लिए कारागृह में चिकित्सा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। जिला कलक्टर ने विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जिला कारागृह में सुरक्षा व्यवस्था व साफ-सफाई पर कार्मिकों को निर्देशित किया। इस अवसर पर कारागृह की पुलिस उप अधीक्षक सम्पति बामणिया सहित कई जने उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपरिषद, जालोर (राजस्थान)

(Hospital circle, Jalore, Rajasthan 343001)
Email –npjaloreraj@gmail.com

क्रमांक नपजा / SBM(U)2.0 / 2024–25 / 4634 दिनांकः– 14.11.2024

सार्वजनिक सूचना

नगर परिषद् जालोर के सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 आरम्भ हो चुका है। इसी कर्म में स्वायत्त शासन विभाग जयपुर के निर्देशानुसार निम्नलिखित उपविधियों के उल्लंघन में किये गये कृत्यों के लिये मौके पर निम्नानुसार जुर्माना राशि वसूल की जायेगी।

उपविधियों के उल्लंघन में किए गए कृत्यों के लिए निर्धारित कैरिंग चार्ज

क्र.स.	कृत्य	जुर्माना राशि
1	रहवासियों भवनो के निवासीयों द्वारा रोड गली में कचरा फैलाने (Littering) पर	75 रू प्रतिदिन
2	दुकानदारो (Vendor / Hawker) द्वारा कचरा बाहर डाले जाने पर	500 रू प्रतिदिन
3	रेस्टोरन्ट मालिको द्वारा कचरा खुले में डाले जाने पर	1000 रू प्रतिदिन
4	होटल मालिकों द्वारा कचरा खुले में डाले जाने पर	1000 रू प्रतिदिन
5	औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा कचरा खुले में डाले जाने पर	2500 रू प्रतिदिन
6	हलवाई, चाट, पकोड़ी, फास्ट फुड, आईसक्रीम, गन्ने का रस व अन्य ज्यूस, सब्जी आदि एवं ठेला व्यावसाईयों द्वारा कचरा खुले में डाले जाने पर	75 रू प्रतिदिन
7	**सार्वजनिक स्थान पर पेशाब करने वालों पर**	
	थुकने पर	100 रू एक बार
	खुले मे नहाने पर	100 रू एक बार
	खुले मे पेशाब करने पर	100 रू एक बार
	खुले मे शोच करने पर	200 रू एक बार
	गोबर सार्वजनिक स्थानों पर डालने पर	2500 रू एक बार
.8	**कचरे का पृथक्करण, भण्डारण एवं इक्कठा करने में उल्लघन पर**	
	घरो द्वारा कचरे को कचरा पात्र में इक्कठा नही किये जाने पर	100 रू प्रतिदिन
	बल्क वेस्ट जनरेटर द्वारा कचरे को कचरा पात्र में इक्कठा नही किये जाने पर	500 रू प्रतिदिन
	बल्क वेस्ट जनरेटर द्वारा जनित्र बायोडिग्रेडेबल वेस्ट को उनके परिसर में उपचारित नही किये जाने पर	3000 रू प्रतिदिन
	गीले व सूखे कचरे को प्रथक से नही देने पर	100 रू प्रतिदिन
	100 व्यक्तियो से अधिक का आयोजन पर आयोजक द्वारा उक्त स्थान पर उत्पन्न कचरे को पृथक्क कर अपशिष्ट संग्रहणकर्ता को नही सोपने पर	2000 रू आयोजन
	गार्डन कचरे को पृथक्क से नही देने पर	100 रू प्रतिदिन
	कचरा जलाने पर	200 रू प्रतिदिन
	दुकानदारों Vendor/ Hawkers को बिना कचरा पात्र के पाये जाने पर	300 रू प्रतिदिन
	दुकानदारों Vendor/ Hawkers को कचरे को प्रथक से नही देने पर	300 रू प्रतिदिन
	पालतू जानवरों के मालिकों द्वारा पालतू जानवरों से कचरा फैलाने व खुले में शोच कराने पर	500 रू प्रतिदिन
09	बिना सक्षम स्वीकृति के रोडकट करने पर	2500 रू प्रति फिट
10	अपने मकानों का गन्दे पानी का निकास आम सड़क पर करने पर	2500 रू प्रतिदिन
11	अपने मकान भवन का सीवरेज कनेक्शन नहीं लेकर सीवरेज की गंदगी आम नाली / नाले में बहाने	2500 रू प्रतिदिन
12	क्रमाक से. 2 से 6 तक वर्णित व्यक्ताईयों द्वारा व्यवसाय स्थल का कचरा एकत्ररित रखने के निर्धारित ढक्कनदार कचरा पात्र आवश्यक क्षमता का नही रखने	1500 रू प्रतिदिन
13	दुकानदार अथवा ठेला व्यापारीयों द्वारा सड़क पर बैठकर स्कूटर व साईकल रिपेयरिंग कर आयल,मिटटी व पानी फैलाकर गंदगी करने पर	750 रू प्रतिदिन
14	मीट की दुकानों के सामने दुकानदार द्वारा काटे गये जानवर की हडिडया मलबा मलिदा खून मुर्गे के पंख, अण्डो के छिलके इत्यादि सड़क व आम रास्तों पर गंदगी फैलाने पर	3000 रू प्रतिदिन
15	आम रास्ता, सड़क व मकान के सामने गाय, भैंस, बकरी कुत्ते भेड, ऊट, गंधा, घोडे, सुअर इत्यादि जानवरों से गंदगी फैलाने पर पादी	3000 रू प्रतिदिन
16	विवाह स्थलों के बाहर कचरा डालने पर	3000 रू प्रतिदिन
17	सार्वजनिक स्थान जमीन व सड़क के किनारे बैठकर सबिया बेचकर छिलके व अप सड़क पर डालने व गंदगी फैलाने पर	75 रू प्रतिदिन
18	हेयर कटिंग सैलून वालों द्वारा आम रास्ता व सड़क पर गंदगी व बाल इत्यादि डालने पर	250 रू प्रतिदिन
19	प्राइवेट अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लीनिक, दवाखाना, इत्यादि द्वारा आम रास्ता सड़क फुटपाथ पर गंदगी डालकर गंदगी फैलाने पर	2000 रू प्रतिदिन
20	**कन्सट्रक्शन एवं डिमोलिश वेस्ट को पृथक से इक्कठा नही करने पर**	
	घरेलू उत्पादको से	300 रू प्रति डिफाल्ट
	अघरेलू उत्पादको से	3000 रू प्रति डिफाल्ट
21	संस्थान / व्यावसायिक प्रतिष्ठान द्वारा प्लास्टिक कचरे को बाहर फेकने पर	3000 रू प्रतिदिन
22	व्यक्तियो /घरो तथा दुकानदारो द्वारा प्लास्टिक कचरे को बाहर फेकने पर	750 रू प्रतिदिन
23	प्लास्टिक कचरे जलाने पर	200 रू प्रतिदिन
24	प्लास्टिक कैरी बेग का उपयोग करते पाये जाने पर	75 रू प्रतिदिन
25	75 माइक्रोन से कम के प्लास्टिक बैग/प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग/बिकी और भंडारणा या गैर बायोडिग्रेबल सिंगल यूज/थ्रो–अवे के उपयोग ब्रिकी /भंडारण पूर्णतया प्रतिबंधत है।	1000/–
26	सीवरों और सेप्टिक टैंको की सफाई बिना सुरक्षा गियर के कर्मचारियों द्वारा सफाई करना पूर्णतया प्रतिबंधित है।	नियमानुसार जुर्माना लगेगा
27	निजि/ अनुबंधित डी–स्लजिंग ऑपरेटर यूएलबी के साथ पंजीकृत अनिवार्य है।	नियमानुसार जुर्माना लगेगा
28	यूएलबी के नालों और /या खूले क्षेत्रों में अनुपचारित मल कीचड डंप करने वाले व्यक्तियों /डी–स्लजिंग ऑपरेटरों के खिलाफ अधिसूचित और जुर्माना वसूला जायेगा ।	नियमानुसार जुर्माना लगेगा

राज.संवाद/सी/24/8008 आयुक्त

जैसलमेर न्यायालय ने बईया मामले में कलैक्टर से मांगी रिपोर्ट

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के बईया गांव में चल रहेओरण बचाओ आंदोलन और निजी कंपनी के सोलर प्रोजेक्ट के विरोध मामले में मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रसंज्ञान लिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश (एडीजे) किशोरकुमार तालेपा ने जिला कलेक्टर प्रतापसिंह को लेटर भेजा।

कलेक्टर को भेजे पत्र में एडीजे ने इस मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। मामले की जानकारी देते हुए एडवोकेट मदन सिंह सोढ़ा ने बताया- बईया गांव में ओरण की जमीन को लेकर ग्रामीणों के साथ चल रहे विवाद की कलेक्टर से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई है।

एडीजे किशोरकुमार तालेपा ने जिला कलेक्टर प्रतापसिंह को लेटर भेजकर कहा- विगत दिनों में समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों के माध्यम से यह ज्ञात हुआ है कि जैसलमेर के बईया गांव में निजी कंपनी ठिाड सब स्टेशन का निर्माण करने जा रही है। और ग्रामीण ओरण बचाने की मांग को लेकर धरना दे रहे हैं। इस भूमि पर सोलर प्लांट लगने से गर्मी बढ़ने, सांस्कृतिक धरोहर तथा पर्यावरण को क्षित पहुंचने की भी आशंका है।

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत विधिक सेवा संस्थाओं का कार्य लोक अदालत, विधिक सहायता व विधिक चेतना तक ही सीमित नहीं है, अपितु आमजन के हित व अधिकारों को भी संरक्षित रखना है। इसलिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा इस तथ्य पर संज्ञान लिया जाकर लेख है कि बईया गांव में कराए जा रहे कार्य के लिए सांस्कृतिक धरोहर को बचाए रखने व पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं। विवाद की वस्तुस्थिति से इस कार्यालय को अवगत करवाने का श्रम करें ताकि विधि अनुसार अठिाम कार्यवाही की जा सके।

जिले के बईया गांव में निजी कंपनी का सोलर प्लांट बनने वाला है। ऐसे में जीएसएस का काम शुरू होने पर ग्रामीणों ने इसका विरोध किया। इस विरोध में शिव विधायक रविंद्रसिंह भाटी भी पहुंचे और पुलिस के साथ हल्की बहसबाजी भी हुई।

इस दौरान पुलिस की तरफ से शिव विधायक पर राजकार्य में बाधा का भी मुकदमा शनिवार को दर्ज किया गया है।

सोमवार को जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी भी धरनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की मांगों को जिला कलेक्टर तक पहुंचाया।

कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ की हड्डी हैं : दीपेंद्र देवड़ा

रेवदर, (निसं)। भाजपा प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे संगठन पर्व का आज भाजपा अनादरा मंडल ने सिरोडी के बाणेश्वर महादेव मंदिर में मंडल अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह देवडा की अध्यक्षता,अनादरा मंडल प्रभारी एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष अरुण ओझा के मुख्य अतिथिय,संगठन पर्व मंडल सहयोगी एवं पूर्व जिला महामंत्री मदन सिंह तल,ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष अमराराम प्रजापत एवं महिपाल चारण के विशिष्ट आतिथ्य में बैठक कर शुभारंभ किया।

बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अनादरा मंडल प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष अरुण ओझा ने कहा कि संगठन पर्व के निमित्त हमें प्रत्येक बूथ पर चुनाव नहीं चयन करना चाहिए और भाजपा को मजबूत करना चाहिए। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह देवडा ने कहा कि कार्यकर्ता ही भारतीय जनता पार्टी की रीड की हड्डी है और कार्यकर्ताओं का मान सम्मान हमेशा बना रहना चाहिए जिससे भाजपा आने वाले पंचायती राज चुनाव में विजय प्राप्त कर सके।

मंडल सहयोगी एवं पूर्व जिला महामंत्री मदन सिंह थल ने बताया कि जो भी कार्यकर्ता 5० भाजपा के प्राथमिक सदस्य बनाएगा उसे भारतीय जनता पार्टी की सकिय सदस्यता दिलाई जाएगी और उन्हें ही आगामी कार्य म में दायित्व दिया जाएगा।

ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष अमराराम प्रजापत ने भजन लाल सरकार की उपलब्धियां पर प्रकाश डाला एवं कार्यकर्ताओं से इन्हें आम जनता तक पहुंचाने के लिए आव्हान किया।

बैठक में मंडल महामंत्री केसाराम कोली, अशोक पुरोहित,जेताराम चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष जयदीप सिंह देवडा, रमेश जोशी,सरेदान चारण, मंडल मंत्री मगनलाल पुरोहित,भाणा राम मेघवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपाराम चौधरी, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष पुष्पा कोली,एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष मानाराम मेघवाल,पूर्व महामंत्री धनाराम कोली, पूर्व पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि नटवर सिंह देवडा,बूथ अध्यक्ष मोहन मेघवाल,जैताराम चौधरी धवली, कालूराम कोली क्यारियां,रुपाराम देवासी, मोतीलाल कोली,वजा राम चौधरी,दीप सिंह मालगांव, प्रेमराज चौधरी,गणेश मेघवाल, नरेंद्र लोहार आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सरगरा समाज के 105 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान

जोधपुर, (कासं) । सरगरा समाज की तरफ से आयोजित एक समारोह में 105 प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। समाज की तरफ से यह द्वितीय आयोजन था।

घाणा गांव स्थित राजा बली मंदिर परिसर में सरगरा समाज युवा संस्था चोराई पट्टी का द्वितीय प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज के 105 प्रतिभावन छात्र-छात्राओं को संविधान निर्माता बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीर एवं प्रमाण पत्र देकर स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह में मुख्य अतिथि विधायक छगन सिंह राजपुरोहित ने विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज का विकास उसकी शिक्षा, संस्कार और रोजगार पर निर्भर करता है। इसलिए हमें अगर समाजिक उत्थान करना है तो युवाओं की शिक्षा और संस्कार पर ध्यान देना होगा, समाज के विकास के लिए वे हर संभव मदद के लिए तैयार हैं।

स्वामी चेतनगिरी महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि हमे लडक़ा लडक़ी में भेद नहीं करना चाहिए। दोनों को शिक्षा आवश्यक रूप से देनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. जितेंद्र चौहान ने शिक्षा को समाज के विकास का आधार बताया। उन्होंने छात्रों को शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पढ़ेगा सरगरा तो बढ़ेगा सरगरा।

आयकर अधिकारी राजेश भाटी ने युवा पीढ़ी को सोशल मीडिया से दूर रहकर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का आहवान किया।

इस प्रतिभावान सम्मान समारोह में हंत निर्भयनाथ महाराज सायला, निर्मल कुमार बाला, विक्रम चेतन सरगरा, रेवन्यु इंस्पेक्टर लक्ष्मण सरगरा, दिलीप चौहान, अधिवक्ता दौलत पंवार जोधपुर, पूर्व युवा अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र चौहान , डॉ.पाबूराम सतलाना, मायला चौताला अध्यक्ष अधिवक्ता भागीरथ राठौड़, जसवंत चौहान नोसरा, भाजपा नेता जितेंद्र मारू, शिक्षाविद् सोहनलाल चोपड़ा, संजय भाई पडिहार आनंद, महेंद्र धवल मुंबई, सोहिल मारवाड़ी, हुकमाराम, मोतीलाल देवड़ा, मुरलीधर सागर सहित कई लोग मौजूद रहे।

जे.डी.ए.के भूखंडों की नीलामी जारी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी के नेतृत्व एवं निर्देशन में प्राधिकरण के आय स्त्रोत बढाने के क्रम में दीपावली मेगा ऑक्शन में विभिन्न योजनओं के भूखण्डों की नीलामी में आमजन के भारी रूझान एवं उत्साह निरन्तर जारी है। सोमवार एवं मंगलवार दो नीलामी दिवस में उद्योग विहार योजना के ०4 औद्योगिक भूखण्डों एवं खसरा संख्या 713 ग्राम चौखा आवासीय योजना के 02 भूखण्डों को नीलामी के जरिये विक्रय किया गया।

प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा संदीप सान्दू न खसरा संख्या 713 ग्राम चौखा आवासीय योजना के भू.सं. 3 व 5, राजीव गांधी नगर सेक्टर एफ आवासीय भू.सं. 62, 63, 107 एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवास योजना के 5 भूखंडों की नीलामी रखी। 21 नवम्बर को राजीव गांधी नगर भू.सं. 132, राजीव गांधी नगर मल्टीस्टोरी रहवासीय भू.सं. ए-7 व ए-8 तथा रामराज नगर सेक्टर 2 ग्राम चौखा विद्यालय प्रयोजनार्थ भूखंड की ई-नीलामी करेगा। प्रभारी नीलामी सान्दू ने बताया कि मंगलवार को चौखा आवासीय योजना की ई-नीलामी में 38,900/- प्रति वर्गमीटर की उच्चतम बोली दर प्राप्त हुई।

प्रारूप – 10 (नियम 6(7) देखिये)
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय :– नगर परिषद, जालोर

क्रमांक :– नपजा/कृ.भू.नि./2024/4382 दिनांकः– 28.09.2024

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित कृषि भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृत अधिकारों के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है–

क्र सं	आवेदक का नाम व पता	राजस्व ग्राम	दस्तावेज पंजीकृत/ अपंजीकृत व दिनांक	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (वर्गगज)	आवेदित भुखण्ड का आस – पडौस	प्रयोजन
1	श्रीमती ललीता गुलेच्छा अमृत गूलेच्छा पोलजी नगर जालोर	जालोर 'ए'	पंजीकृत दिनांक 22.01.2001	2052/6331	200.00	उत्तर – प्लॉट नं. बी 4 दक्षिण – प्लॉट नं. बी 2 पूर्व – अन्य भूमि पश्चिम – 30 फीट रोड	आवासीय
2	श्रीमती इन्द्रा गुलेच्छा/ अमृत गूलेच्छा पोलजी नगर जालोर	जालोर 'ए'	पंजीकृत दिनांक 22.01.2001	2052/6331	200.00	उत्तर – प्लॉट नं. बी 4 दक्षिण – प्लॉट नं. बी 2 पूर्व – अन्य भूमि पश्चिम – 30 फीट रोड	आवासीय
3	शांति देवी/विनय कुमारजी बैरा सजवा मादडी आहोर जालोर	जालोर 'सी'	पंजीकृत दिनांक 31.05.2024	2052/6330	233.33	उत्तर – प्लॉट नं. 02 दक्षिण – 30 फीट रोड पूर्व – वरदाराम की खातेदारी पश्चिम – 30 फीट रोड	आवासीय
4	शांति देवी/विनय कुमारजी बैरा सजवा मादडी आहोर जालोर	जालोर 'सी'	पंजीकृत दिनांक 31.05.2024	2052/6330	233.33	उत्तर – प्लॉट नं. 03 दक्षिण – प्लॉट नं. 01 पूर्व – वरदाराम की खातेदारी पश्चिम – 30 फीट रोड	आवासीय
5	सुआ देवी/मूपारामजी तासखाना बावडी जालोर	जालोर 'सी'	अपंजीकृत दिनांक 7.11.2024	2195	1264.0	उत्तर – 30 फीट रोड दक्षिण – 100 फीट धवला मैंन रोड पूर्व – अन्य खातेदारी भूमि पश्चिम – अन्य खातेदारी भूमि	आवासीय
6	श्रीमती लक्ष्मी मीणा/छागनलाल मीणा रामदेव कोलोनी जालोर	जालोर 'सी'	अपंजीकृत दिनांक 23.11.2024	6854/3191	1,155.55	उत्तर – कृषि भूमि का खसरा नं.6854/3191 दक्षिण – औद्योगिक भूमि का खसरा नं.6863/6855 पूर्व – कृषि भूमि का खसरा नं.6854/3191 पश्चिम – 200.(60मी) फीट जालोर भीनमाल मैंन रोड	आवासीय
7	संजु/गणपतलालजी माली जागनाथ मंदिर के पास जालोर	जालोर 'बी'	पंजीकृत दिनांक 16.01.2023	6584/5212	277.77	उत्तर – प्लॉट नं.09 दक्षिण – प्लॉट नं.12 पूर्व – कृषि भूमि पश्चिम – 30 फीट रोड	आवासीय
8	मादाराम/चौथाराम माली तासखाना बावडी जालोर	जालोर 'सी'	अपंजीकृत दिनांक 15.07.2024	2340	623.73	उत्तर – 30 फीट रोड दक्षिण – मैंन धवला रोड पूर्व – प्लॉट नं.सी पश्चिम – प्लॉट नं.ए	आवासीय
9	मादाराम/चौथाराम माली तासखाना बावडी जालोर	जालोर 'सी'	अपंजीकृत दिनांक 15.07.2024	2340	894.12	उत्तर – कृषि भूमि का खसरा नं.6468/2340 दक्षिण – 30 फीट रोड पूर्व – प्लॉट नं.ए2 पश्चिम – प्लॉट नं.एफ2	आवासीय
10	मादाराम/चौथाराम माली तासखाना बावडी जालोर	जालोर 'सी'	अपंजीकृत दिनांक 15.07.2024	2340	1459.60	उत्तर – प्लॉट नं.एफ1 दक्षिण – प्लॉट नं.ए1 पूर्व – 30 फीट रोड पश्चिम – 30 फीट रोड	आवासीय
11	श्रीमती मंजु सोलंकी/राजेन्द्रजी सोलंकी शिवाजी नगर कोलोनी जालोर	जालोर 'ए'	पंजीकृत दिनांक 19.12.2012	4939	266.66	उत्तर – आम रास्ता 20 चौड दक्षिण – प्लॉट नं.3 पूर्व – 10,गली पश्चिम – प्लॉट नं.16	आवासीय
12	श्री मीठालाल सेठिया/श्री प्यारेलालजी सेठिया भीनमाल रोड रानीवाडा जालोर	जालोर 'बी'	अपंजीकृत दिनांक 10.3.1995	6471/5262	266.67	उत्तर – प्लॉट नं.18 दक्षिण – जालोर आहोर रोड पूर्व – प्लॉट नं.02 पश्चिम – कृषि भूमि का खसरा नं.1016	आवासीय
13	राजेन्द्र कुमार जैन/मांगीलाल जी महेन्द्र कुमार मुणोत/चम्पालाल दिनेश कुमार /पारस मल धर्मेन्द्र पटवा/सरेन्द्रमल	जालोर 'बी'	पंजीकृत दिनांक 1.10.2024	4932 मे से	1012.56	उत्तर – अन्य खातेदारी भूमि दक्षिण – रतनपुरा रोड पूर्व – अन्य खातेदारी भूमि पश्चिम – अन्य खातेदारी भूमि	आवासीय
14	कैलाश कुमार/रूगनाथरामजी रतनपुरा रोड जालोर	जालोर 'बी'	पंजीकृत दिनांक 12.10.2021	4392 मे से	138.89	उत्तर – प्लॉट नं.13 दक्षिण – प्लॉट नं.15 पूर्व – प्लॉट नं. 29 पश्चिम – 30 फीट रोड आम रास्ता	आवासीय
15	मनोहरलाल/उकाराम विश्नोई रतनपुरा रोड जालोर	जालोर 'बी'	पंजीकृत दिनांक 12.10.2021	4392 मे से	138.89	उत्तर – प्लॉट नं.12 दक्षिण – प्लॉट नं.14 पूर्व – प्लॉट नं. 30 पश्चिम – 30 फीट रोड आम रास्ता	आवासीय
16	राजेन्द्र कुमार जैन/मांगीलालजी बैंक कॉलोनी जालोर नगर परिषद के पीछे जालोर	जालोर 'ए'	पंजीकृत दिनांक 13.03.2024	आवासीय खाली प्लॉट	290.33	उत्तर – खुला प्लॉट दक्षिण – 40 फीट कॉलोनी रोड पूर्व – पार्ट ऑफ प्लॉट नं.31 पश्चिम – प्लॉट नं.32	आवासीय
17	प्रेमप्रकाश/मोहनलालजी धवला रोड जालोर	जालोर 'सी'	पंजीकृत दिनांक 31.07.2017	2474	444.00	उत्तर – प्लॉट नं.02 दक्षिण – खसरा नं.2475 पूर्व – प्लॉट नं. 4,5 पश्चिम – धवला रोड सेन्टर 30 रोड	आवासीय
18	शंकरलाल/रावताजी राजेन्द्र नगर जालोर	जालोर 'सी'	अपंजीकृत दिनांक 12.11.2024	2378,2379, 2374	166.66	उत्तर – अन्य प्लॉट दक्षिण – अन्य प्लॉट पूर्व – आम रास्ता पश्चिम – अन्य प्लॉट	आवासीय
19	सोरम देवी/रावताजी राजेन्द्र नगर जालोर	जालोर 'ए'	अपंजीकृत दिनांक 1.08.2005	1832 मे से	150.00	उत्तर – प्लॉट नं.16 दक्षिण – प्लॉट नं.18 पूर्व – आम रास्ता 20 रोड पश्चिम – प्लॉट नं.28	आवासीय
20	श्री मैनसिंह पुरोहित/मुलसिंह श्री दुष्यंत कुमार/पुखराज सिंह जी श्री नरेन्द्र सिंह/चुनसिंहजी सांकरणा जालोर	जालोर 'सी'	अपंजीकृत दिनांक 12.02.2024	2373	2207.08	उत्तर – खसरा नं.2382 दक्षिण – खसरा नं 2371 पूर्व – खसरा न 2374 पश्चिम – 30 फीट रोड	आवासीय
21	ईश्वर कुमार दायमा/अमरचन्दजी तासखाना बावडी जालोर	जालोर 'सी'	अपंजीकृत दिनांक 6.07.2024		150.00	उत्तर – प्लॉट नं.303 दक्षिण – 30फीट रोड पूर्व – जालोर टु भीनमाल रोड पश्चिम – प्लॉट नं.314	व्यवसायिक

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है की यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू –राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90–क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने के 7 दिवस के भीतर –भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपयुक्त नियत समय के भीतर –भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा की किसी को आन्क्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावे।
यह सुचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 30.09.2024 को जारी की जाती है।

राज.संवाद/सी/24/7920 आयुक्त

प्लास्टिक पाइप फैक्टरी में लगी आग, 8 से 10 करोड़ का नुकसान

आग से मशीनरी, प्लांट, तैयार माल के बंडल, रॉ मैटेरियल सहित अन्य सामान जला

अलवर, (निसं)। बहरोड़ के रीको इंडस्ट्रीज एरिया फेस-2 में स्थित

- **आग को बुझाने के लिए कोटपूतली, बहरोड़, केशवाना, नीमराना, जापानी जोन और घिलोठ से फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची**
- **फैक्टरी की दीवार के पास ही ग्रीन लैम कंपनी के फ्लैट्स भी हैं, करीब 40 फ्लैट को खाली करवाया**

बहरोड़ के रीको इंडस्ट्रीज एरिया फेस-2 में स्थित प्लास्टिक के पाइप बनाने वाली फैक्टरी के प्लांट में भीषण आग लग गई।

प्लास्टिक के पाइप बनाने वाली फैक्टरी के प्लांट में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। फैक्टरी के अंदर पाइप बनाने का सामान जलकर नष्ट हो गया है, जिससे करीब 8 से 10 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है।देर शाम तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

जानकारी के अनुसार फैक्टरी के पांस में स्थित ग्रीन लैम कंपनी के फ्लैट्स को खाली करवाया गया है। लोग फ्लैट से बाहर आ गए। फैक्टरी से उठती आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई दे रहा था। बहरोड़ के अलावा नीमराना, केशवाना और सोतानाला से बुलाई गई करीब 6 फायर बिग्रेड की गाड़ियों से आग बुझाने की कोशिश की। आग किस कारण लगी, इसका पता नहीं लगा है। फैक्टरी में काले रंग का प्लास्टिक पाइप बनाया जाता है। यह ओरिप्लास्ट कंपनी का दूसरा प्लांट है। कंपनी के कामर्शियल मैनेजर रमेश नायर ने बताया कि पूरा प्लांट जलकर नष्ट हो चुका है। प्लांट के अंदर रखी मशीनरी, प्लांट, तैयार माल के बंडल, रॉ मैटेरियल सहित अन्य सामान जल गया है। इससे करीब 8 से 10 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

फैक्टरी की दीवार से सटा ग्रीन लैम कंपनी के फ्लैट्स भी हैं। करीब 40 फ्लैट को खाली करवाया गया है। आग के बाद से फ्लैट में रहने वाले लोग डरे हुए हैं। फैक्टरी से आग की लपटें और धुआं उठता दिखाई दे रहा है। सोसायटी के सेफ्टी कर्मचारियों भी पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। आग को बुझाने के लिए कोटपूतली, बहरोड़, केशवाना, नीमराना, जापानी जोन और घिलोठ से फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची है। प्लास्टिक और तेज हवा के चलते आग धधक रही है। दमकल की गाड़ियों को ग्रीन लैम के प्लांट से भरा जा रहा है। पानी के साथ आग पर फायर फोम भी डाला गया। फैक्टरी से धुएं का गुबार देखने के लिए सड़क पर भी लोग जमा हो गये।

अनिता हत्याकाण्ड : मांगों पर सहमति के बाद धरना समाप्त

अंतिम संस्कार का रास्ता साफ, सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश सहित अधिकांश मांगें मानी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड में 21 दिन बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। मंगलवार दोपहर प्रशासन व परिजनों के बीच सहमति बन गई थी। इसके बाद नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल और सरकार के प्रतिनिधियों ने धरना स्थल तेजा मंदिर पर इसकी जानकारी दी।

शहर के बहुचर्चित ब्यूटीशियन अनिता चौधरी हत्याकाण्ड में सोमवार को रालोपा सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल के आने के बाद सरकार और पुलिस दोनों बैकफुट पर आ गए हैं। सोमवार देर रात तक अनिता चौधरी के परिजनों की तरफ से हनुमान बेनीवाल, ओसियां विधायक भेराराम सियोल और पुलिस अधिकारियों के बीच चर्चा हुई। इस वार्ता में पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह भी शामिल हुए। इसके बाद मंगलवार की सुबह भी इनके बीच वार्ता का एक दौर और चला। इसमें सरकार की तरफ से परिजनों की अधिकांश मांगों पर सहमति बन गई है। इसकी दोपहर में धरना स्थल पर घोषणा की गई। यहां विधायक भेराराम सियोल ने कहा कि सरकार ने पीड़ित परिवार को 51 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला किया है। साथ ही पुलिस अधिकारी को बदलने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अलावा मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की जाएगी। इस घोषणा के बाद अनिता चौधरी के शव के अंतिम संस्कार पर बना गतिरोध भी समाप्त हो गया है।

- **'सरकार ने पीड़ित परिवार को 51 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला किया है'**
- **ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड में 21 दिन बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया**

सोमवार देर रात करीब तीन बजे सांसद हनुमान बेनीवाल और ओसियां विधायक भेराराम सियोल, पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह के साथ जनता के सामने आए थे। इस मौके पर हनुमान बेनीवाल ने बताया कि उनकी प्रमुख मांग सीबीआई जांच के लिए सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि इस वीभत्स हत्याकांड की सीबीआई से जांच कराना बेहद जरूरी है और अन्य मांगों पर भी सहमति बनी है। ओसियां विधायक भेराराम सियोल ने भी इस पर सहमति जताई और कहा कि उच्च अधिकारियों से मंजूरी लेकर सुबह तक इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी। इसके बाद दोपहर में कुड़ी स्थित वीर तेजाजी मंदिर में चल रहे धरना स्थल पर हनुमान बेनीवाल, ओसियां विधायक भेराराम सियोल, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी ने अनिता के परिजनों के साथ अधिकांश मांगें मानने की घोषणा की।

इन मांगों पर बनी सहमति :- अनिता चौधरी के परिजनों ने सीबीआई जांच, दुबारा पोस्टमार्टम, कारोबारी की गिरफ्तारी, मुआवजा और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई विशेष रूप से डीसीपी और थानाधिकारी के निलंबन की मांग की थी। इस पर मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के लिए सरकार की तरफ से सिफारिश करने, परिजनों को 51 लाख की आर्थिक सहायता, दोषी पुलिस अधिकारियों को हटाने पर सहमति बनी है।

बदमाशों की खेरवाड़ा पुलिस ने परेड निकाली

हाइवे पर बाइक चालक से मारपीट की थी

उदयपुर, (कासं)। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने हाइवे पर बाइक चालक के साथ मारपीट करने वाले दो बदमाशों को पकड कर कस्बे में परेड़ निकाली गई।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में खेरवाड़ा थानाधिकारी दिलीपसिंह झाला के नेतृत्व में गठित दल ने 14 नवंबर रात में बंजारिया हाइवे पर अज्ञात बदमाशों द्वारा राहगिर के साथ मारपीट करने वाली वीडियो वायरल होने पर मामले में अनुसंधान में मिले साक्ष्यों एवं पीड़ित गौतमलाल पुत्र मोगा मेघवाल निवासी मेघवाल बस्ती रूंदेला सलूम्बर से की गई पूछताछ के आधार पर आरोपी आशिष पुत्र चुन्नीलाल डामोर निवासी बंजारिया उपलाफला खेरवाड़ा तथा रामलाल पुत्र लक्ष्मण डामोर निवासी बंजारिया उपलाफला खेरवाड़ा को गिरफ्तार कर शेष आरोपियों को नामजद किया गया। इस मामले में पुलिस की टीम ने दोनों आरोपियों की कस्बे में परेड करवाई।

इस दौरान दोनों ने आगे अपराध नहीं करने की बात कहते हुए नजर आए। जहां रोड़ किनारे खड़े ग्रामीणों ने परेड़ को देखकर आम जन में सुरक्षा की भावना व विश्वास की भावना को बल दिया। जानकारी के अनुसार पीड़ित गौतमलाल गांव से अहमदाबाद जाने के लिए काका वालाभाई शंकरलाल के साथ बाइक पर जा रहा था, जहां टोकर कल्याणपुर रोड होते हुए रात में बंजारिया पहुचे। जहां सर्विस लाईन सुरभी मोटर्स के पास खड़े चार पांच बदमाशों ने बाइक रोककर शराब के लिए रूपये मांगे तो मना करने पर मारपीट की। पुलिस आरोपियों के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

हादसे में एक की मौत, चार घायल

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना इलाके में एनएच-48 पर खजूरी गांव के पास मंगलवार सुबह एक कार हाईवे पर पलटे ट्रोले से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढे पांच बजे गुजरात नंबर की एक कार उदयपुर से अहमदाबाद की ओर जा रही थी। इस दौरान एनएच-48 पर खजूरी गांव के पास कार सड़क पर पहले से पलटे ट्रोले में घुस गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों में से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर घायल हो गए। सूचना पर बिछीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को कार से बाहर निकला। एम्बुलेंस की मदद से घायलों को बिछीवाड़ा अस्पताल पहुंचाया, जहां घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद गुजरात के हिम्मतनगर रेफर कर दिया। वहीं शव को पुलिस ने मोर्चरी में रखवाया है। मृतक की पहचान अहमदाबाद निवासी जय भाई वसाना के रूप में हुई है। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। कार सवार सभी लोग गुजरात के रहने वाले हैं।

"एरिया डोमिनेशन अभियान" के तहत 49 बदमाश गिरफ्तार

पुलिस थानों की 39 टीमों ने दबिश देकर बदमाशों को पकड़ा।

डीडवाना, (निसं)। लंबे समय से फरार चल रहे बदमाशों के खिलाफ मंगलवार को डीडवाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की।

एरिया डॉमिनेशन अभियान के तहत चलाए गए इस अभियान के दौरान जिलेभर के 13 पुलिस थानों के पुलिस अधिकारियों की 39 टीमों ने बदमाशों के 166 ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान 49 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। वहीं प्रीवेटिव एक्शन के तहत 36 बदमाशों पर भी कार्रवाई की गई। जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा के निर्देश पर डीडवाना पुलिस ने मंगलवार को पूरे जिले में सघन अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस की 39 टीमों के जवानों ने बदमाशों की घेराबंदी कर 49 बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- **13 पुलिस थानों की 39 टीमों ने 166 स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई की**

वहीं थानों में दर्ज प्रकरणों में वांछित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान आबकारी अधिनियम, जुआ एक्ट सहित विभिन्न मामलों के 13 प्रकरण दर्ज किए गए। वहीं 52 हिस्ट्रीशीटरों की भी जांच की गई। एसपी ने बताया कि बदमाशों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा वो आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

प्रविष्टियों में संशोधन का अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियोजन अधिकारी-गृह विभाग (अभियोजन) प्रारंभिक प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 19 जनवरी 2025 को करवाया जाना प्रस्तावित है। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को इस परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों अनुसार 20 नवंबर से 26 नवंबर 2024 तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन करने का अवसर दिया जा रहा है।

हथियार के साथ सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट की, युवती गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो पोस्ट कर लेडी डॉन के नाम से फेमस होने की चाह रखने वाली युवती को अजमेर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अजमेर की रहने वाली शिवानी सैनी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर हथियारों और कारतूसों के साथ फोटो पोस्ट की थी। इसके बाद अजमेर पुलिस हरकत में आई और शिवानी को गिरफ्तार कर लिया।

अजमेर एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि जिला पुलिस की सोशल मीडिया अकाउंट हैंडल करने वाली टीम ने संदिग्ध पोस्ट को देखा तो इसके बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने उसके घर दबिश देकर हिरासत में लेकर उसे पूछताछ के लिए थाने ले आई। हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि सोशल मीडिया सेल टीम प्रत्येक गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। टीम को शिवानी सैनी के सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ घंटे पहले जारी की गई पोस्ट नजर आई। उसने एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें युवती ने हथियारों एवं कारतूस के एस लिखी पोस्ट वायरल की। इतना ही नहीं उसने अपनी प्रोफाइल में लेडी डॉन लिखा है। युवती ने गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई का कवर फोटो लगाकर रील को अपलोड किया है। उल्लेखनीय है कि दस माह पहले भी क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने आनासागर चौपाटी पर हथियारों के साथ रील बनाने पर गिरफ्तार किया था। इस वीडियो में भी उसने गैंगस्टर लिखा हुआ था।

सूने मकान से आभूषण और नकदी चोरी

अजमेर, (कासं)। अजमेर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र स्थित सूर्य विहार कॉलोनी में एक सूने मकान को चोरों ने अपना निशाना बनाया। अज्ञात चोरों ने घर से सोने-चांदी के आभूषण और 45 हजार रुपये नकद चुरा लिए।

मकान मालिक विनोद कुमार अपने परिवार के साथ जयपुर में एक पारिवारिक कार्यक्रम में गए थे, जब वह वापस लौटे तो उन्होंने अपने घर को अस्त-व्यस्त पाया। घर का सारा सामान फैला हुआ था और आलमारी में रखे कीमती आभूषण और नकदी को चोर चुरा कर ले गए थे।

विनोद ने आदर्श नगर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। एएसआई रणवीर सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। सिंह ने बताया कि चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021) (Estate Cell)

NOTICE INVITING E-TENDER (NIB 27/2024-25)

E-Bid is invited for **"ARC for Sweeping & Cleaning work in University campus" (Estimated cost Rs. 17.00 lacs).** Further details may be obtained from **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.vmou.ac.in w.e.f. 18/11/2024.**
(UBN: VMU2425SLRC00031)
Raj.Samwad/C/24/7990 **Comptroller (Finance)**

कार्यालय नगर विकास न्यास, बीकानेर
क्रमांक:-नविन्यास/स्टोर/2024-25/14046 दिनांक :- 14.11.2024
वार्षिक निविदा सूचना संख्या 05/स्टोर/2024-25
नगर विकास न्यास बीकानेर कार्यालय उपयोग हेतु निम्नलिखित कार्यों के लिए वार्षिक बिड आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम
1.	न्यास के माध्यम से एवं न्यास द्वारा करवाये जाने वाले कार्यक्रमों के लिए टैण्ट व्यवस्था का कार्य। (वार्षिक संविदा)

विस्तृत जानकारी कार्यालय वेबसाईट http://urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO. ITB2425WSOB00081
राज.संवाद/सी/24/7995 प्रभारी अधिकारी स्टोर

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
AGRICULTURE UNIVERSITY KOTA
बोरखेडा, कोटा 324001 (राज.)
Borkhera, Post Box No. 20 GPO Nayapura, Kota 324001 (Raj.)
Tel: 0744-2321205, Email: registrar@aukota.org, aukota2013@gmail.com
क्रमांक एफ( ) बोली /कुलसचिव/मानव संसाधान/2024-25/9985-94 दिनांक: 18.11.2024
ई- बोली सूचना/2024-25
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की विभिन्न ईकाईयों में मानव संसाधन की आपूर्ति हेतु इच्छुक बोलीदाता/संवेदको से ऑनलाईन बोलियां आमंत्रित कि जाती है। बोलियों संबंधित अन्य विवरण इस विश्वविद्यालय की बेबसाइट http://aukota.org एवम् राजस्थान स्टेट पोर्टल की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। बोलियां ई प्रोक्योरमेट प्रक्रिया से ऑनलाईन 27.11.2024 तक निर्धारित समय तक www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर भरी जा सकेगी।
UBN-AUK2425SLOB00087
NIB-AUK2425A0050
राज.संवाद/सी/24/8015 कुलसचिव

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा
email : nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142
क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2024/517-531 दिनांक :- 18.11.2024
ई-निविदा सूचना संख्या : 23/2024-25
नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 143.65 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 21.11.2024 से दिनांक 04.12.2024 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र के मकानो के सामने बनी हुई नालीयों पर चैम्बर निकालने, नाली निर्माण/मरम्मत कार्य, आर.सी.सी. दिवार निर्माण कार्य एवं अन्य विकास कार्य हेतु मटेरियल एवं लेबर सप्लाई का कार्य।	49.26
2	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र में आने वाले नालो व बरसाती बड़े नालो में जमा सिल्ट, पत्थर, कपड़ा, प्लास्टिक, झाड़ीया आदि निकालने एवं रोड साइड जमा मलबा खोदकर ट्रोली में भरने हेतु श्रमिक लगाने का कार्य।	94.39

NIB Code No. DLB2425A3915
UBN No. DLB2425WSOB11970 UBN No. DLB2425WSOB11971
राज.संवाद/सी/24/7961 अधिशाषी अभियन्ता

दोस्त की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले क गामड़ी आहड़ा गांव में दीपावली के पर्व पर दो दोस्तों में मामूली विवाद पर हत्या करने के मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। वहीं एक नाबालिग को निरुद्ध किया। हत्या में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद कर लिया है।

रामसागडा थानाधिकारी गोपालनाथ ने बताया कि दो नवंबर को कांतिलाल पुत्र रजिया डामोर ने एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया कि 1 नवंबर दीपावली के पर्व पर उसका छोटा बेटा पंकज डामोर पड़ौस में जन्मदिन की पार्टी में गया था। वापस लौटते समय उसके साथी राहुल पुत्र बखा उर्फ बखला कोटेड ने चाकू से सीने से वार कर उसे गंभीर घायल कर दिया

दोस्त की चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया।

था, जिसे गामड़ी अहाड़ा सीएचसी लाने पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कि जिसमें मुख्य आरोपी राहुल उसका साथी घटनास्थल पर भाग गए थे। जहां पर पुलिस ने दबिश देते हुए राहुल कोटेड को गिरफ्तार किया और उसके नाबालिग साथी को डिटेन किया। राहुल और उसके नाबालिग साथी ने बताया कि पंकज डामोर के साथ जन्मदिन मनाकर पार्टी मनाकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। सभी दोस्तों ने शराब का नशा कर रखा था।

- **नाबालिग साथी को निरुद्ध किया, हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद**
- **पत्थर लगने पर आवेश में आकर चाकू से वार करना स्वीकारा**

इसी दौरान कोई पत्थर उछलकर उसके नाबालिग साथी के सिर पर लग गया था, जिस पर राहुल कोटेड और नाबालिग साथी ने सभी वाहनों को रोककर पंकज को मोटरसाइकिल से नीचे उतारा। नशे में होने के कारण चाकू से राहुल से सीने में वार कर दिया। इसके बाद राहुल को मौके पर छोड़कर गुजरात की ओर से भाग गए। पुलिस ने राहुल कोटेड, उसके नाबालिग साथी को निरुद्ध करते हुए अग्रीम अनुसंधान शुरू किया। वहीं दोनों को न्यायलय में पेश किया गया। हत्या में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद कर लिया गया।

घर वालों की मर्जी के खिलाफ कोर्ट मैरिज की, युवक के घर हमला

गुस्साए युवती के परिजन युवक के पिता को उठा ले गए, पुलिस ने जैसलमेर में पाक बॉर्डर से बरामद किया

बीकानेर, (निसं)। पूगल पुलिस थाना क्षेत्र के खीरसर में युवक-युवती ने घर से निकलकर कोर्ट मैरिज कर ली। इससे गुस्साए युवती के परिजनों ने युवक के घर हमला कर दिया और मारपीट कर उसके पिता को उठा ले गए। पुलिस ने खोजबीन कर युवक के पिता को जैसलमेर में पाक बॉर्डर से बरामद कर लिया है। इस मामले में हाईकोर्ट ने युवती की अर्जी पर सुरक्षा के आदेश दे रखे हैं।

खीरसर में चक 7 केडब्ल्यूएम निवासी युवक और पड़ोस में रहने वाली युवती में प्रेम हुआ। दोनों घर से निकले और सात अक्टूबर को कोर्ट मैरिज कर ली थी। युवती के परिजन इससे नाराज थे। वे युवक-युवती का पता लगाने के लिए युवक के परिजनों पर लगातार दबाव डाल रहे थे। आरोप है कि युवती के परिजनों ने युवक के घर हमला किया और मारपीट कर उसके पिता को उठा ले गए। पूगल थाने में इसका मुकदमा दर्ज होने पर पुलिस ने खोजबीन शुरू की तो पता चला कि युवक के पिता को जैसलमेर में पाक बॉर्डर के पास ले जाया गया है। जैसलमेर पुलिस से समन्वय कर तलाश शुरू की गई और एक टीम बीकानेर से वहां भेजी गई। जैसलमेर में मोहनगढ़ के पास नाकाबंदी कर युवक के पिता को बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने खेतसिंह को डिटेन किया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। पूगल पुलिस थाने के एसएचओ पवन सिंह ने बताया कि 7 केडब्ल्यूएम निवासी दामसिंह, हरिसिंह, चैनसिंह, भीमसिंह, बलवंतसिंह, प्रेमसिंह, नरपतसिंह व 10-12 अन्य पर घर में घुसकर मारपीट और अपहरण का केस दर्ज है। अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

युवक-युवती के प्रेम विवाह के इस मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है और इंटेलिजेंस विभाग भी सक्रिय है। युवती के परिजनों की नाराजगी, युवक के घर हमला और उसके पिता से मारपीट कर उठा ले जाने की वारदात से ऑनर किलिंग की आशंका जताई जा रही है। सीओ खाजूवाला अमरजीत चावला का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरी एहतियात बरती जा रही है। युवती के परिजनों को पूर्व में ही पाबंद कर दिया था। इसके बावजूद युवक के पिता के किडनैप में उनकी भूमिका या मिलीभगत प्रमाणित हो गई तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवक-युवती बालिग हैं और अलग-अलग समुदाय के होने के कारण पुलिस ने एहतियात बरती। 26 अक्टूबर को ही युवती के परिजनों को पाबंद कर दिया था। पाबंद किए जाने वालों में चेनसिंह, नरपतसिंह व दामसिंह शामिल थे। दूसरी ओर युवती के परिजनों ने सात अक्टूबर को पूगल थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। उसके बाद 26 अक्टूबर को युवक-युवती पर घर से नकदी-जेवरात चोरी करने का मुकदमा भी दर्ज कराया गया, जिसकी जांच चल रही है।

प्रदेश की डेमेज सड़कों को विश्वस्तरीय बनाना हमारी प्राथमिकता है : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि प्रदेश में नई सड़कों के साथ डेमेज सड़कों को विश्व स्तरीय बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होनें कहा की अधिकारी यह तय कर ले की अगले एक वर्ष में हम मौजूदा नोन पेचेबल और परमानेंट टूटी सड़कों को ठीक करवाकर उन्हें विश्व स्तरीय बनाएंगे। उन्होंने कहा यदि हम सब ने मिलकर इस काम को शत प्रतिशत सफल कर दिया तो यह आम जन के लिए बहुत बड़ी साहूलियत होगी। उपमुख्यमंत्री मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थी।

उन्होनें कहा कि नीचे से लेकर उपर तक के सभी अधिकारी पूरा फोकस सड़कों की गुणवत्ता पर केंद्रित करें। इसके लिए नियमित फिल्ड विजिट कर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें और यदि कही कमी पाई जाती है तो उस पर कठोर एक्शन लें। उन्होंने कहा कि जब मैं स्वयं और उच्च अधिकारी फिल्ड में जा सकते हैं तो अन्य अधिकारी फिल्ड में क्यों नही जा रहे है। उन्होनें निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित फिल्ड विजिट करेंगे और साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया।

उपमुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं, एनएचएआई, आरएसआरडीसी, आरएसएचए, सीआरआईएफ सहित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की गति बढ़ाने और कार्यों को समय पर पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि इंटर डिपार्टमेंटल मुद्दों की वजह से प्रोजेक्टस को पूरा करने में समय लग रहा है तो विभाग के सम्बंधित अधिकारी अन्य विभागों के साथ नियमित वार्ता करके उन प्रकरणों का निस्तारण करवायें ताकि आमजन को प्रोजेक्टस का समय पर लाभ मिल सके।

उपमुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी सेवा ऐप के बाद सड़कों की गुणवत्ता में हुए सुधार की सराहना करते हुए कहा की हमें इस ऐप को शत प्रतिशत रूप से प्रभावी बनाना है। गौरतलब है कि इस ऐप पर निरीक्षण करने वाले अधिकारी सड़क की गुणवत्ता खराब पाई जाने पर उस की रियल टाईम फोटो अपलोड करते हैं और संवेदकों को सुधार के लिए दिए गए दिशा निर्देशों के अनुरूप सुधार करके सुधारे गए काम की फोटो अपलोड करनी होती है।

- 'कामों को गति देने और निरीक्षण के लिए फील्ड में रहने के निर्देश'

इस दौरान जयपुर रिंग रोड, ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेस वे, अजमेर रोड, खाटूश्यामजी मंदिर रिंग रोड सहित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान राज्य मंत्री मंजू बाघमार, प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता, सचिव डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टीसी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

11 माह में राजस्थान में दोगुनी हुई विकास की रफ्तार : राज्यवर्धन सिंह

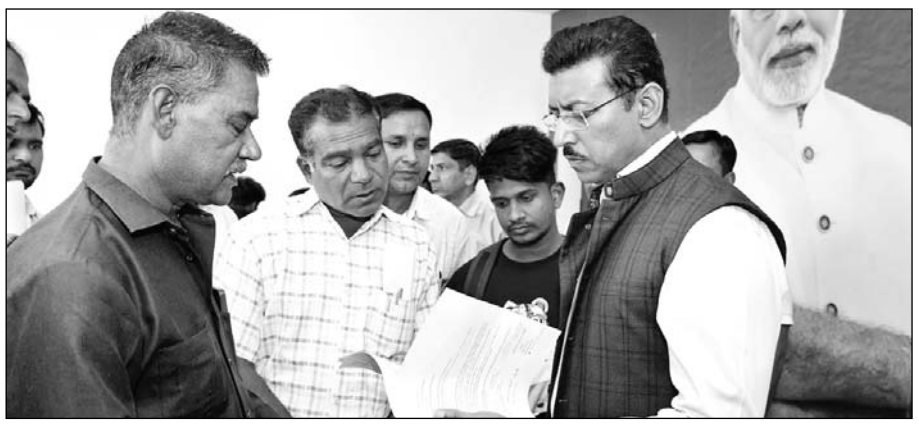

झोटवाड़ा में 1081 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए जनता ने कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का आभार जताया।

जयपुर। झोटवाड़ा विधायक और कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र और प्रदेश की जनता से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आदरणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि पिछले 11 महीनों में झोटवाड़ा समेत पूरे प्रदेश में विकास कार्य दोगुनी रफ्तार से हुए हैं। उन्होंने झोटवाड़ा क्षेत्र में 1081 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी जिनमें सड़कों का निर्माण, जल आपूर्ति, ड्रेनेज, मेट्रो, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचे के कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की जनता ने कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि झोटवाड़ा में विकास कार्यों की गति ने क्षेत्र को एक नए स्तर पर पहुंचाया है।

इस अवसर पर कर्नल राठौड़ ने जनता को आश्वस्त किया कि आने वाले समय में विकास कार्यों की यह रफ्तार और तेज होगी। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील की कि वे सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। साथ ही कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, यह सब हमारे प्रेरणास्त्रोत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का नतीजा है। वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान का विकास मॉडल पूरे देश के लिए प्रेरणा बनेगा।

सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का जन-जन को मिले लाभ : कलेक्टर

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये। बैठक में कलक्टर ने जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किराये के भवन में संचालित हो रही आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए जल्द से जल्द सरकारी भवन मुहैया करवाने अथवा भवन हेतु भूमि आवंटन के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने अधिकारियों को राजकीय विद्यालयों में खेल मैदान विकसित करने के साथ साथ स्कूल भवन एव छात्रावास के साथ-साथ स्वास्थ्य केन्द्रों हेतु भूमि आवंटन के लिए आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत अधिक से अधिक ग्रामीणों को लाभान्वित करवाने एवं खोले गए रास्तों पर ग्रेवल रोड बनाने की आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिये। रास्ते संबंधी जो प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है उनका अनुतोष परिवादी द्वारा संबंधित न्यायालय से ही प्राप्त किया जा सकेगा।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को समस्त अटल सेवा केन्द्रों में बिजली कनेक्शन, ई-मित्र की सुविधा एवं शौचालय सुनिश्चित करने के साथ-साथ पीएम श्री विद्यालयों के नियमित निरीक्षण के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने युवा महोत्सव के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तैयारियां दुरुस्त रखने एवं अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर राजकीय कार्यालयों के शौचालयों का निरीक्षण कर साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को पीएम सूर्य घर योजना से आमजन को लाभांवित करने एवं समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीद के दौरान किसानों को ग्रेडिंग के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये, ताकि अधिक से अधिक किसानों को उनकी फसल की उपज का वाजिब दाम मिल सके।

सहकारी संस्थाओं के संचालन में निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका : गौतम कुमार

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारिता समावेशी विकास का एक ऐसा मॉडल है, जो जाति, वर्ग, रंग या भाषा के परे जाकर समाज के सभी वर्गों और समुदायों को उनकी आवश्यकताओं और स्थानीय संसाधनों के आधार पर विकास के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता हमेशा सभी वर्गों के मध्य अवसरों में समानता को बढ़ावा देते हुए गरीबी को कम करने एवं रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करने के लिये उपयुक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है। इसलिये सहकारिता के माध्यम से समावेशी आर्थिक विकास संभव है।

नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में राजस्थान सहकारी संघ द्वारा 71वें राष्ट्रीय सहकार सप्ताह के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में "महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों के लिये सहकारिता" विषय पर अपने संबोधन में दक ने कहा कि किसी भी सहकारी संस्था के प्रभावी संचालन में निर्वाचित प्रतिनिधियों और कार्मिकों के मध्य समन्वय के साथ-साथ अपने-अपने कार्य दायित्वों के निर्धारण और उनके निर्वहन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों को सहकारी कानून, नियम और संस्था के उपनियमों की पूरी जानकारी है तो वह अपने अनुभव और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर संस्था के संचालन में महती भूमिका निभा सकते हैं।

नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में राजस्थान सहकारी संघ द्वारा 71वें राष्ट्रीय सहकार सप्ताह के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने संबोधित किया।

सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्ग के लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने, उन्हें उद्यम स्थापित करने के लिये सस्ती ब्याज दरों पर सुलभ ऋण मुहैया कराने और उत्पादों के विक्रय के लिये प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिये कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराना, दीर्घकालीन कृषि ऋणों पर पहली बार 7 प्रतिशत का ब्याज अनुदान, पहली बार अकृषि ऋणों पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान, नये सदस्यों को अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण देना, प्रत्येक पंचायत समिति में एक महिला ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन आदि जैसे कदम उठाये हैं।

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ एवं इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने कहा कि हमें महिला और युवाओं के मामले में नजरिया बदलने की आवश्यकता है कि वे कमजोर हैं। हम महिलाओं और देश के युवाओं को अवसर उपलब्ध नहीं

- 'सहकारिता के माध्यम से ही समावेशी आर्थिक विकास संभव'

कराते हैं, जिससे उनकी योग्यता का उपयोग नहीं हो पाता है। उन्हें मौका देंगे तो उनकी ऊर्जा का सदुपयोग होगा और वे अपने विकास के साथ-साथ समाज और देश के विकास में नये रंग भर देंगे। इसलिये उन्होंने सहकारजन का आव्हान किया कि वे सहकारी सोसायटियों के माध्यम से महिलाओं और युवाओं की योग्यता के आधार पर अवसर तलाशे और प्लेटफार्म उपलब्ध करावें।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिक सोसायटियों के लिये मॉडल उपनियमों के संहिताकरण का कार्य किया जा रहा है और उनके लिये अब 50 से अधिक क्षेत्रों की पहचान की गई है जिसमें ऐसी सोसायटियां कार्य कर सकती हैं। संघानी ने कहा कि केन्द्र सरकार की पहल पर अब किसान या आर्टिजन अपने उत्पादों का पोर्टल के माध्यम से एक्सपोर्ट कर सकता है, उसे इसके लिये किसी बिचैलिये की आवश्यकता नहीं है।

शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता मंजू राजपाल ने कहा कि महिला और युवाओं की शक्ति अपार है। लेकिन संसाधनों के अभाव के कारण उनकी योग्यता का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश की महिलाओं को पर्याप्त अवसर, उद्यमशीलता के लिये प्रशिक्षण, नवीन तकनीक का ज्ञान और उपयुक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जावे तो वे विकास नये सोपान गढ़ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पैक्स कम्प्यूटराईजेशन और उनके गो-लाइव का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके पूर्ण होने से प्रदेश में ग्राम स्तर पर पारदर्शिता स्थापित होगी और त्वरित बैंकिंग एवं ई-मित्र जैसी सुविधायें मिल सकेंगी। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री द्वारा नीमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति की ड्रोन दीदी के नाम से जाने जानी वाली सुश्री सरोज राठौड और उनकी साथिन को शॉल उढाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य सहकारी संघ के प्रशासक भौमाराम द्वारा प्रदेश में सहकारिता के विकास और उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया तथा अन्त में मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर. एस. चौहान द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से सहकारजनों सहित महिलाओं और विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया।

सरकार समरावता प्रकरण की विशेष जांच करवाएगी : डॉ. किरोड़ी लाल

- समरावता प्रकरण को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल से जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, राज्य मंत्री जवाहर बेडम सहित डॉक्टर किरोडी लाल मीणा की वार्ता
- 'समरावता सहित 5 पंचायतों के 28 गांव उनियारा में शामिल किए जाएंगे'

जयपुर। टोंक जिले के देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव के दौरान समरावता प्रकरण को लेकर जलदायमंत्री कन्हैया लाल चौधरी, गृह राज्य मंत्री जवाहर बेडम, डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने ग्रामीणों से वार्ता के बाद जो सहमति बनी उसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से वार्ता की। इस मामले में कहीं मुख्य बिंदुओं पर सहमति बनी। सहमति के बाद डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि समरावता सहित 5 पंचायतों के 28 गांव उनियारा में शामिल किए जाएंगे। सरकार द्वारा विशेष जाँच कराई जाएगी, जिससे इस प्रकरण का दूध का दूध पानी का पानी हो सके। समरावता व उसके आसपास के गांवों के निर्दोष लोगों को मुकदमों का शिकार नहीं होने दिया जाएगा। स्थानीय पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद 19 व्यक्तियों को छोड़ दिया है। आगे भी जांच के अनुसार कार्यवाही होगी। स्थानीय लोगों के वाहनों, मकानों, चारे सहित जो भी नुकसान हुआ है, उसका सर्वे करवाकर संबंधित व्यक्ति को भरपाई की जाएगी।

इससे पहले देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में हुई घटना की जांच और नुकसान की भरपाई की मांग को लेकर समरावता सहित आसपास के ग्रामीण आंदोलन कर रहे हैं। इस बीच ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के साथ गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम के आवास पहुंचा। इस दौरान कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल और सरकार के मंत्रियों की बीच करीब 2 घंटे तक वार्ता हुई।

देवली-उनियारा में हुई घटना को लेकर कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार को निशाने पर लिया और कहा कि जो कुछ उपचुनाव के दौरान हुआ, वह कांग्रेस सरकार के समय जो निर्णय लिए गए उसका आक्रोश था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बिना सोचे समझे जो जिले बनाए उनसे ग्रामीणों में नाराजगी है।

विचार के क्षेत्र में हमें अभी भी काम करने की जरूरत है : अरूण कुमार

- एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से बिरला सभागार में दीनदयाल स्मृति व्याख्यान का आयोजन
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां पर चर्चा की

जयपुर। एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से बिरला सभागार में दीनदयाल स्मृति व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां पर चर्चा की। एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ महेश चंद्र शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, दिया कुमारी, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह, सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने संबोधन देते हुए कहा कि दुनिया में सब जगह शक्तियां विद्यमान है। मैं केवल देश के अंदर सीमित रहते हुए अपनी बात रखूंगा। भारत एक ऐसा वर्ष है जो 1000 वर्ष अजय रहा है। इससे पहले भी हमने 1000 वर्ष पहले संघर्ष किया। आज अपने देश की एक मजबूत अर्थव्यवस्था है। कोविड में भी हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत थी। हमारी अर्थव्यवस्था मैन्युप्लेटेड नहीं है। हम गुलामी की मानसिक से मुक्त है।भारत का हर एक युवा सोचता है कि वे किसी न किसी कंपनी का एमडी बने। विचार के क्षेत्र में हमें अभी भी काम करने की जरूरत है। इसीलिए आने वाले समय में तंत्र और समाज के साथ साथ विचार के क्षेत्र में भी काम करना पडेगा। आज का भारत मजबूत भारत है। देश की अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति मजबूत है। एक बडी उडान भरने क भारत का मन है। भारत की पहचान हिंदुत्व के साथ स्थापित होती जा रही है। गांव से निकला आज शिखर पर है, ये सामाजिक क्रांति है। 75 साल ये अमृत काल है और 25 साल में भारत सूर्य की जैसे चमकेगा। जो भारत को ही नहीं पूरी दुनिया को चमकायेगा। 25 साल में स्वाधीनता से स्वतंत्रता तक जाना होगा। उन्होंने कहा कि

- एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से बिरला सभागार में दीनदयाल स्मृति व्याख्यान का आयोजन
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां पर चर्चा की

इस्लाम से संघर्ष अलग था, दो राज्यों को बाट देना। मंदिर ध्वस्त, माता बहनो के साथ अत्याचार, लड़की लड़को का व्यापार हमने पहले कभी नहीं देखा था। इस काल खंड में कई लोगो ने समझौते कर लिए। घुघाट, पर्दा, रात में शादी, ये हमारी परम्परा नहीं थी। संस्कृति नष्ट हो गये। राज्य राजा भी हो सकता है, ये विचार ही खत्म हो गया।फिर अंग्रेजी आक्रमण हुआ। वो समझ नहीं पाये की ये मुगल भारत की संस्कृति कैसे खत्म नहीं कर पाये। फिर अंग्रेजो ने अपनी शिक्षा शुरू की। जिसमें सिखाया गया की आपके पिता, दादा मूर्ख है, सही वो है जो टीचर सिखा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले जातियां नहीं थी, समुदाय थे। काम करने वाले। उन्होंने थ्योरी दी कि आर्य बाहर से आये। सिर्फ 150 - 200 साल ने अंग्रेजो ने हमें मूल से काट दिया। शक, हुण, कुशाण से राज्य की लड़ाई थी। लेकिन इस्लाम का संघर्ष अलग था। संस्थाएं नष्ट हो गई, विश्वविद्यालय, गुरुकुल खत्म हो गए। हजारों बेटियों को बाजार में बेचा गया। समाज के बीच भय का वातावरण बन गया रुढी और कुरुतियो का शिकार हो गए।पर्दा, घुंघट, भारत की परंपरा नहीं थी। रात का विवाह हमारा नहीं था। फिर नो नेशन नो रिलीजन ये विचार आया। मै देखता हूं कि अब बहन भाई को रखी नहीं बांधती। कहना है कि बहन खुद अपनी रक्षा कर सकती है। आपत्ति दर्ज करें, पर अच्छी बाते के लिए करें। माता पिता से कहते हैं कि आपने अपनी ज़िंदगी जी ली।

एकलव्य की कहानी पहले गुरू शिष्य की थी। कि शिष्य हो तो एकलव्य जैसा। पर अब ये जनजाति के साथ जुड़ गई। ब्रह्मण शिक्षक पर संदेह और एक जनजाति के साथ आन्यय। किसी एक पर आरोप लगाते रहे। जैसे आरएसएस त्रिरंगे का विरोधी है, राष्ट्रीय गान का विरोधी है। ब्रह्मण विरोधी, कैसे भी आरोप लगाते रहें और लगातार बोलते जाये। अब ताकत भी है भारत के विरोधी देश भी इनके साथ है। मुस्लिम विरोधी, किसान आंदोलन, अडानी अम्बानी का नाम् लेना, भ्रम पैदा करते है।

अंग्रेजी शासन आया तो अंग्रेजी शिक्षा चली कहा गया की बंगाल में सब ईसाई हो जाएंगे। पर जो पढे नहीं रामकिशन परमहंस के शिष्यों ने ऐसा कार्य किया की कोई नही बदला, धर्म परिवर्तन नहीं हुआ। स्वदेशी आंदोलन, गर्म नरम कुछ् नहीं था। विदेश से पढकर आये लोगों में विचार नही था। नेहरू ने जब इंग्लिश में बुक लिखी तो गांधी ने कहा कि मुझे खुशी होती अगर ये हिंदी में भगवान राम आधरित राज्य पर होती। तो नेहरू ने कहा था की दुनिया बदल गई है और राम राज्य में मुझे ऐसा कुछ दिखा नहीं, जिसे मै लिखता।

सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए कुछ राजनेता कर रहे हैं अमर्यादित कृत्य : रामलाल शर्मा

जयपुर। भाजपा के पूर्व विधायक और प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया बाइट के दौरान राजनेताओं द्वारा कार्यपालिका को लेकर दिए जा रहे बयान की निंदा की और इसे अमर्यादित बताते हुए सस्ती लोकप्रियता हासिल करने तथा समाज में अराजकता का माहौल बनाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुछ नेताओं के बयान और उनके कृत्यों ने राजस्थान की राजनीति को शर्मसार करने का कार्य किया, यह सहन नहीं होगा, प्रदेश की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

रामलाल शर्मा ने कहा कि आजादी के समय भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू की गई। इसमें व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका बनाई गई लेकिन आज प्रदेश की राजनीति में कुछ राजनेता ऐसा कृत्य कर रहे है जो कानून सम्मत नहीं है, व्यवहारिक नहीं है, नीतिगत नहीं है, नैतिकता के अनुरूप नहीं है और यहां तक की मानवता के अनुरूप भी नहीं है। राजनीति में जनता के मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना, जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करना नितांत आवश्यक है ,लेकिन राजनीति मुद्दों के आधार पर अपनी सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करना उचित नहीं है। राजस्थान की राजनीति में विगत दिनों में चार घटनाएं ऐसी घटित हुई जो प्रदेश की राजनीति को शर्मसार करती है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि कार्यपालिका के किसी व्यक्ति को सार्वजनिक स्थानों पर लज्जित करना या उसके कार्य में बाधा डालना, बर्दाश्त नहीं होगा। बाडमेर के एक जनप्रतिनिधि ने सार्वजनिक मुद्दों में कानून हाथ में लेते हुए कार्य में बाधा डाली और उसकी रील बनाते हुए उसको सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए अधिकारियों का मनोबल डाउन करने का कृत्य किया। वहीं नागौर के एक नेता द्वारा यह कहना कि उसने एक ही मारा, मैं तो तीन-चार थप्पड़ मारता, यह बयान राजस्थान की राजनीति के अनुचित है। इस प्रकार किसी राजनेता को व्यक्तिगत हमले करने का अधिकार कोई नहीं देता। तीसरी घटना देवली उनियारा में हुई जहां एक प्रशासनिक अधिकारी पर हमला करना और उसकी रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई। इनकी इस घटना ने समाज के युवाओं को भावना में बहकाकर भड़काने का काम किया और आज समाज का युवा सड़कों पर उतर कर कानून का उल्लंघन कर रहा है। नेता को युवाओं के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए कि कानून ने नियमानुसार कार्रवाई की तो उनके साथ क्या होगा। वहीं एक राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े हुए राजनेता ने कहा कि जूते की नोंक पर कार्य करवाया जाएगा। इन नेताओं ने इस तरह के बयान जारी कर समाज में वैमनस्यता, द्वेषता पैदा करने के साथ लोगों को गुमराह करके मुद्दे से भड़काने का कार्य किया है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा मंगलवार को प्रेस से रूबरू हुए।

- भाजपा प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने राजस्थान की राजनीति को शर्मसार करने वाले नेताओं के कृत्यों की निंदा की

युवा महोत्सव 25 नवम्बर से

जयपुर। राजस्थान सरकार के युवा मामले एवं खेल विभाग राजस्थान युवा बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक-जिला-संभाग-राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर राज्य युवा महोत्सव का आयोजन किया जावेगा। ब्लॉक स्तर पर इसी माह दिनांक 25 नवम्बर से युवा महोत्सव का आयोजन प्रारम्भ होगा जो 5 दिसम्बर तक चलेगा। जिला स्तर पर 6 दिसंबर से 17 दिसंबर एवं संभाग स्तर पर 18 से 25 दिसम्बर तक युवा महोत्सव आयोजित किया जावेगा।

राजस्थान युवा बोर्ड की और से विकसित भारत, विकसित भारत, विकसित राजस्थान के तहत 'विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार' थीम पर राज्य युवा महोत्सव का आयोजन किया जावेगा।

सार-समाचार

बबलू मांजू बने जिला संयोजक

बबलू मांजू

जालोर, (कासं)। बबलू मांजू वरिष्ठ सहायक बाल विकास परियोजना अधिकारी जसवंतपुरा को संविधान में निहित शक्तियो का प्रयोग करते हुए बबलू मांजू को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ लोकतांत्रिक जिला जालोर के जिलाध्यक्ष अजय चौहान ने कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामरतन सामरिया व प्रदेश अध्यक्ष सूरज प्रकाश टांक की अनुशंषा पर नियुक्ति हुई है।

इदिरा गांधी को श्रद्धांजलि दी

जालोर, (कासं)। जिला कांग्रेस कमेटी,जालोर की और से बुधवार को देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री एवं आयरन लेडी स्व. इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन राजीव गांधी भवन में रखा गया। सर्वप्रथम समस्त कांग्रेसजन ने स्व इंदिरा गांधी जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रदांजली दी एवम उनके बताये गये आदर्शो व् सिद्धान्तों पर चलने का संकल्प लिया। अंत में समस्त कांग्रेसजन ने दो मिनिट का मौन धारण कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर जन अभाव अभियोग निराकरण समिति पूर्व अध्यक्ष पुखराज पाराशर, जिलाध्यक्ष भवरलाल मेघवाल, प्रदेश महासचिव नैन सिंह राजपुरोहित, आहोर कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेसी सवाराम पटेल,प्रदेश महासचिव लाल सिंह धानपुर, जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत, संगङ्गन महासचिव वीरेन्द्र जोशी,ब्लॉक अध्यक्ष भोमाराम मेघवाल, नगराध्यक्ष मुमताज अली,रमेश सोलंकी,नेता प्रतिपक्ष बसंत सुथार,पार्षद लक्ष्मण सिंह सांखला,आम सिंह परिहार, कैलाश शर्मा,मिश्रीमल गहलोत, पीर सिंह मालपुरा,पुने खान,कुशाल सिंह राजपुरोहित,लाल सिंह राजपुरोहित, अनिल पंडत, नारायण सोलंकी,सोनाराम मेघवाल,सुरेश मेघवाल, महेंद्र सोनगरा,मांगीलाल गर्ग,खसराम मेघवाल,कमल सिंह बालावत,कृष्ण कुमार वनिका,अमीन मोयला,उम्मेद सिंह चारण, मोडाराम मीणा, कपूराराम परिहार, मोड सिंह काबावत,ओमप्रकाश चौधरी,अशोक परिहार,इरफान खान सहितकई कांग्रेसजन मौजूद थे।

पीपाजी महाराज के नाम भजन संध्या हुई

धोरीमना, (कासं)। गुडामालानी रोड धोरीमन्ना में पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज संस्थान भवन निर्माण के लिए सोमवार शाम को संतो के सानिध्य में भूमि पूजन किया गया। तारातरा मठ संत बलदेव पुरी आत्म शांति कुटीर योगा श्रम सिणधरी के महंत तृप्तात्मानदगिरी सत दुर्गा नन्दगिरी निबल साध्वी भावना नन्दगिरी साध्वी सविता नन्दगिरी संत दिनेश गिरी के सानिध्य में जागरण शुभारंभ हुआ। पीपा क्षत्रिय दर्जी समाज संस्थान धोरीमन्ना के प्रांगण में समाज के ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यक्रम हुआ। गायक कलाकार रेखा परमार सांचौर जोगाराम प्रजापत हाथी तला खुशाल माली बालोतरा ईश्वर दर्जी जालोर तीर्थ राकेश चौहटन एवं एंड पार्टी द्वारा गजानंद की स्तुति द्वारा जागरण का शुभारंभ हुआ। गुरु महिमा पीपा महाराज के जीवन का विचार साझा किया। संतो द्वारा अपनी मीठी वाणी से प्रवचन व समाज को संबोधित किया। मां जगदंबा के भजनों की प्रस्तुतियां दी। मां जगदंबा की झांकी निकालकर नृत्य किया। रात भर भक्त जिन्होंने महाराज पीपा जी के भगती में मन मोहित होकर नाश्ते व झूमते तथा फुल बरसातते रहे हजारों संख्या में भक्ति का आनंद लिया। सुबह पीपाजी महाराज की महा आरती व महाप्रसादी वितरण की गई।

राज्य पुरस्कार तैयारी शिविर जारी

जोधपुर, (कासं)। स्काउट गाइड जीवन मूल्यों के परिमार्जन का प्रतीक तथा जीवन की बेहतरीन शैली सीखाता है। हताशा के दौर में सकारात्मक चिंतन की ओर प्रवृत्त करता है। स्काउट गाइड के तीन दिवसीय राज्य पुरस्कार तैयारी शिविर के प्रथम दिन झंडा रोहण के साथ जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं रोवर लीडर डॉ शंकरलाल नामा ने संभागी स्काउट व रोवर को संबोधित करते हुए यह उद्गार प्रकट किये। सीओ स्काउट छतर सिंह पीडीयार ने 3 दिन के विभिन्न सत्रों की संभागियों को जानकारी दी। शिविर के मुख्य परीक्षक दलपत सिंह राव, संचालन दल के महेंद्र सिंह राठौड़, प्रेम प्रकाश सिसोदिया , सॉगसिंह राठौड़, क्वार्टर मास्टर और रोवर राम विलास सैनी, गोविंदराम करानी सहित प्रशिक्षक एवं परीक्षक अपने निर्देशन में 87 स्काउट एवं 31 रोवर को प्रात: जागृति सत्र से रात्रि कैंप फायर तक विभिन्न सत्रों में पाठ्यक्रम से संबंधित नियम ,प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत ,पायनियरिंग , फर्स्ट एड, कंपास पढना, नशे की जानकारी, कैंपिंग संस्कृति , दक्षता बैजो से संबंधित परीक्षा ली जा रही है। स्काउट गाइड के जिला सचिव डॉ बी एल जाखड़ ने बताया कि इस शिविर में सफल संभागी राज्यपाल द्वारा प्रमाण पत्र एवं बेज से सम्मानित किए जाएंगे।

शिविरों में 70 दिव्यांगों का पंजीकरण

सांचौर, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार मंगलवार को बागोडा एवं सरनाऊ पंचायत समितियों में दिव्यांगजन को संबल प्रदान प्रदान करन के लिए शिविरों का आयोजन किया गया। जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी भगवानाराम चौधरी ने बताया कि शिविर के माध्यम से जिले के दिव्यांगजनों का पंजीकरण किया गया तथा राज्य सरकार द्वारा 2024-25 की बजट घोषणा के तहत संयुक्त सहायता योजनातंर्गत दिव्यांग जनों को कृत्रिम/सहायक उपकरण यथा - ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, हियरिंग एड आदि प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को आयोजित हुए शिविर में कुल 70 दिव्यांगजनों ने पंजीकरण करवाया गया तथा इसी क्रम में 20 नवंबर को सांचौर नगर स्थित पंचायत समिति सभागार में दिव्यांगजन सहायतार्थ के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा।

दस माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। बाप थाना पुलिस ने सोलर प्लांट से इनवर्टर चोरी की वारदात में शामिल फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी जिले के टॉप टेन वांछित आरोपियों में शामिल था और पिछले 10 माह से फरार चल रहा था। फिलहाल पुलिस उससे चोरी की वारदात को लेकर पूछताछ कर रही है। फलोदी एसपी पूजा अवाना ने बताया कि गत दो जनवरी को एमएसएफ सिक्योरिटी एजेंसी के एरिया ऑफिसर पदम सिंह ने रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि दस नवंबर की रात में अज्ञात चोर उनके सोलर प्लांट में लगे इनवर्टर खोल कर ले गए। इस पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान आरोपी भींवजी का गांव थाना बाप निवासी सत्तार मोहम्मद पुत्र लालदीन को नामजद किया गया। आरोपी पिछले लंबे समय से फरार चल रहा था जिसे थाना स्तर पर वांछित अपराधियों में टॉप टेन में रखा गया। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी सत्तार मोहम्मद को गिरफ्तार किया। आरोपी से चोरी की वारदात और अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार सत्तार मोहम्मद के खिलाफ सोलर प्लांट में चोरी के तीन मामले जैसलमेर जिले के सांगड़ थाने और एक मामला सांकड़ा थाने में दर्ज है।

खेताराम प्रजापत को सांत्वना दी

बालोतरा, (निसं)।भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवणसिंह बगडी आज बालोतरा प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने भाजपा जिला मंत्री खेताराम प्रजापत के माताजी के स्वर्गवास होने पर उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। साथ ही पुष्पांजलि अर्पित कर परिजनों को सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि जन्म मरण जीवन में निरंतर चलता है एक माँ का बच्चों को छोडकर जाना बहुत ही दु:खद है इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूसिंह राजगुरु, भाजपा नेता गजपाल सिंह राठौड, दिग्विज सिंह, राजेंद किसान, गोविंदसिह, अमराराम सुंदेशा, मलाराम बावरी, कांतिलाल, धर्मेंद्र दवे, शंकर भाटी, कानसिंह करनोत, भिकालाल, मंगलाराम, मांगीलाल, मूलचंद, रमेश सहित कई भाजपा कार्यकर्ता व समाज बंधु मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी की जयंती मनाई

जोधपुर, (कासं)। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती मंगलवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रस व अन्य संस्थाओं की तरफ से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस उत्तर व दक्षिण कमेटी के तत्वावधान में एमजीएच रोड स्थित कांग्रस कार्यालय में कांग्रेसजनों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तस्वीर पर श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में राजेंद्र सिंह सोलंकी, नगर निगम उत्तर की महापौर कुंती परिहार, कांग्रेस के दक्षिण जिलाध्यक्ष नरेश जोशी सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

जवाई बांध के पानी का हक तय करने को लेकर किसानों का महापड़ाव, शक्ति प्रदर्शन किया

जालोर में भारतीय किसान संघ का कलैक्ट्रेट पर महापड़ाव जारी रहा। फोटो-राष्ट्रदूत

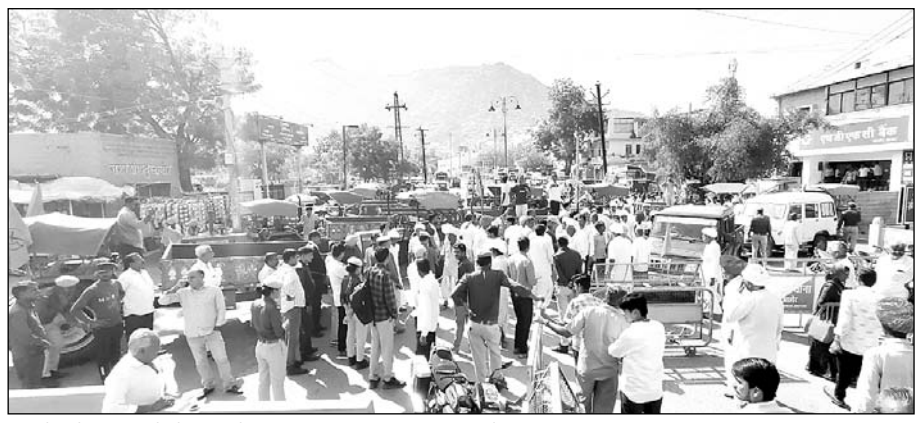

जालोर में किसानों ने वाहनों का आड़ा तिरछा खड़ा करके रास्ता जाम किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर की जीवन रेखा मानी जानी वाली जवाई नदी में जवाई बांध के पानी का हक तय करने व फसली बीमा का भुगतान करने की मांग को लेकर मंगलवार को कलैक्ट्रेट के समक्ष भारतीय किसान संघ के बनैर तले किसानो का महापडाव शुरु हुआ। महापडाव में हजारो की संख्या में किसानो ने टेक्टर व अन्य वाहन लेकर पहुंचे तथा सडक पर टेक्टर व वाहन खडे करने से रोड पर जाम लग गया। किसानो ने धरना स्थल पर ही लंगर लगाकर अपनी मांगो पर अडे हुए है।

जालोर में भारतीय किसान संघ के आव्हान पर मंगलवार सुबह 10 बजे से किसान महापडाव शुरू हो गया। महापडाव में जालोर, आहोर, सायला क्षेत्र के आस-पास के दो से ढाई सौ गांवों से 5 हजार से ज्यादा किसान प्रतिनिधि पहुंचे हैं। कलैक्ट्रेट के समक्ष धीरे धीरे किसानों का क्रम जारी रहा। किसान ट्रेक्टर सहित अन्य वाहन लेकर महापडाव स्थल पर पहुंचे। जिससे कलैक्ट्रेट जाने वाले मार्ग पर जाम लग गया। अनिश्चितकालीन महापडाव में किसानों ने जवाई बांध के पानी पर जालोर का हक तय किया जाये तथा फसली बीमा का भुगतान किसानों को करने की मांग प्रमुखता से उठाई। महापडाव स्थल पर कई किसान नेताओं ने सम्बोधित करते हुए कहा कि इस बार किसान किसी भी राजनीति का शिकार नही होंगे। किसानों ने कहा कि जवाई बांध का पानी हमेशा बाढ़ के समय नुकसान के लिए जालोर के काम आता है, लेकिन सिंचाई आदि के लिए पानी कभी नही दिया जाता है। जवाई बांध पर अन्य जिले की तरह जारी का पूरा अधिकार है तथा इस बार किसानों ने यह महापडाव मांगो को पूरा होने तक जारी रखने का आव्हान किया।। दोपहर 12 बजे के करीब किसानों ने जिला कलेक्ट्रेट, वन वे रोड, अस्पताल चौराहे पर बीच रास्ते में ही ट्रैक्टर लगाकर जाम लगा दिया। इसके बाद पुलिस प्रशासन व तहसीलदार किसानों को समझाने पहुंचे। किसानों की संख्या लगातार बढती जा रही है। महापडाव में महिलाओं ने भी अपनी भागीदारी निभाई। करीब दोपहर 1.30 बजे तक बडी संख्या में किसान महापडाव पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रैक्टरों को रास्ते से हटवाने का प्रयास किया, लेकिन किसानो ने बीच रास्ते में टेक्टर आदि खडे कर दिये, जिससे यातायात बाधित हुआ। महापडाव में जालोर, आहोर, सायला, बागोडा उपखंड के किसान बडी संख्या में जुटे हैं।

महापड़ाव स्थल पर ही बनाया भोजन

कलेक्ट्रेट पर किसानो के महापडाव के चलते किसान खाने पीने का सारा सामान लेकर पहुंचे। धरना स्थल पर ही किसानों के लिए भोजन बनाया गया। किसानो ने बडी कडाही में लापसी, दाल और रोट तैयार किया गया। मौके पर ही भट्टी लगाकर कडाही में लापसी तैयार गई तथा किसानो ने महापडाव स्थल पर ही खाना खाया।

भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष रतन सिंह कानीवाडा ने बताया कि जवाई बांध के पानी पर हक तय करना और बीमा राशि का भुगतान करने को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलैक्टर जालोर को ज्ञापन दिया गया। जवाई नदी के पानी पर पूरी तरह जालोर का हक होना चाहिए। पानी के मामले में जालोर जिला अब डार्क जोन से भी बदतर हालात में है। अति दोहन के कारण यहां पर्यावरण का संतुलन बिगड चुका है। भूजल की क्वालिटी इतनी खराब हो चुकी है कि यह पीने लायक भी नहीं रहा है। यहां तक की पेड पौधे के उगने पर भी तेजी से असर पड रहा है। ऐसा ही रहा तो कुछ समय बाद जालोर जिला पूरी तरह बंजर हो जाएगा। इसलिए हमारी मांग जवाई नदी के प्राकृतिक बहाव को लेकर है। जवाई नदी पर जितने भी बांध हैं, जिनमें सबसे बडा जवाई बांध है, वहां से पानी जवाई नदी में वर्षभर बहाया जाए और नदी के प्राकृतिक बहाव को मेंटेन किया जाए। जवाई बांध पर हक तय किया जाए कि सभी बांधों से पानी नदी में छोडा जाए। जवाई बांध के अलावा नदी पर 10-15 एनीकट भी बने ह। वही दूसरी मांग पेंडिंग पडा फसल बीमा का निपटारा किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी दूसरी मांग बीमा क्लेम को लेकर व पेंडिंग पडा फसल बीमा का निपटारा किया जाये।

उन्होंने कहा कि हमारी दूसरी मांग बीमा क्लेम को लेकर है। किसानों के फसल बीमा की अर्जियां, पटवार मंडलों की अपील के रूप में जयपुर कार्यालय में पैंडिंग पडी हैं। यह करीब सवा सौ करोड रुपए का बीमा है, वह समय पर किसानों को मिलना चाहिए। सरकार इस पर ठोस कार्रवाई करे।

आहोर विधायक ने मंत्री सुरेश रावत से चर्चा की

आहोर, (निसं)। आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित ने मंगलवार को जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत से मिले और पत्र के माध्यम से जवाई बांध से जवाई नदी के लिए जल निति बदलकर हक निर्धारित करने को लेकर मंत्री रावत से विस्तृत चर्चा की। विधायक राजपुरोहित ने मंत्री रावत को बताया कि जैसा कि लंबे समय से आपको एवं पूर्ववर्ती सरकारों से लगातार मांग के अनुसार जवाई नदी के किनारे बसे गांवों के किसानों के पेयजल एवं सिंचाई का जल स्त्रोत नदी किनारों पर बने कुएं, ट्यूबवेल से है लेकिन जैसे ही जवाई बांध बनने के बाद जवाई नदी में पानी आना बंद होने की वजह से जल स्तर गिरता गया जिसकी वजह से आज इस नदी के प्रवाहित क्षेत्र में स्थिति भयावह हो गई है। विधायक छगनसिंह राजपुरोहित ने कहा कि इस विषय को संज्ञान में लेकर व किसानों (भारतीय किसान संघ) की मांग अनुसार जवाई बांध के पानी का कुछ हिस्सा जवाई नदी के लिए निर्धारित किया जाए। इसके साथ ही विधायक राजपुरोहित ने किसानों का जालौर मुख्यालय पर शुरू महापडाव के बारे मे भी अगवत कराते हुए किसानों के हित में जल संसाधन मंत्री रावत से चर्चा की।

अधिवक्ताओं ने बंद रखा न्यायिक कार्य

जवाई बांध के पानी में जिलेवासियों का हक निर्धारित करने की मांग को लेकर किसान संगठनों द्वारा जिला मुख्यालय पर किए जा रहे धरना प्रदर्शन के समर्थन में अभिभाषक संघ आहोर द्वारा मंगलवार को न्यायालयों में उपस्थिति नहीं दी। अभिभाषक संघ आहोर के सचिव अल्लाह बख्श खान ने बताया कि किसानों की वाजिब मांगों के समर्थन में अभिभाषक संघ आहोर के आहवान पर अधिवक्ताओं ने मंगलवार को समस्त न्यायालयों में अनुपस्थित रहकर समर्थन जताया। फौजदारी, सिविल एवं राजस्व मामलों की सुनवाई में हिस्सा नहीं लिया।

अभिभाषक संघ अध्यक्ष मांगीलाल चौधरी ने बताया कि बांध निर्माण के सात दशक बाद भी जालोर जिले का जवाई बांध के पानी में हक निर्धारित नहीं हो पाया है। जबकि अतिवृष्टि के दौरान जिलेवासियों को त्रासदी झेलनी पडती है। किसान संगठनों की ओर से जिले वासियों की उचित मांगों को लेकर जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन शुरू किया गया है। जिसके लिए आहोर उपखंड मुख्यालय पर कार्यरत सभी अधिवक्ताओं ने समर्थन दिया है।

कॉलेज के छात्रों व व्यापर मंडल ने दिया समर्थन

किसानों के महापडाव को वीर वीरमदेव महाविद्यालय जालोर के छात्र संगठनों ने भी समर्थन दिया है। स्टूडेंट भी धरना स्थल पहुंचे और किसानों के समर्थन में नारेबाजी की। वही व्यापार मंडल ने भी महापडाव का पूर्ण समर्थन देते हुए महापडाव स्थल पर पहुंचकर किसानो का पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

शिविर में 405 मरीजों की जांच

जालोर, (कासं)। लायंस क्लब के तत्वावधान में नि:शुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में 405 जनों की जांच की।

क्लब सचिव दीपेश सिद्धावत ने बताया कि शिविर आदिनाथ फतेह ग्लोबल आई हॉस्पिटल, ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र व फतेह कल्याण चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से सोहनराज कल्याणमल बोहरा की 26 वीं पुण्यतिथि पर राजेंद्रसूरि जैन दादावाडी में लगाया। अध्यक्ष लायन कालूराज मेहता ने बताया कि नेत्र रोगियों की जांच कर 114 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया। ऑपरेशन योग्य मरीजों का केशवना रोड स्थित आदिनाथ फतेह ग्लोबल आई हॉस्पिटल में ऑपरेशन होगा। रमेश बोहरा, भंवरलाल चौपडा, किशन माहेश्वरी, राजेंद्र भूतडा, संजय जेथलिया, कमल मूदंडा, एस पी शर्मा, राकेश भंसाली, सत्यनारायण माहेश्वरी, बी एम जैन, राजेंद्र जैन, पवन पेढिवाल, सरदारखां खोखर, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, विजय मोदी, कनिष्ठ चौधरी, नन्दकिशोर बंसल, आनन्द खत्री, सुरेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, नथमल बजाज, रमेश माहेश्वरी, मधुश्याम गुप्ता, भूराराम गर्ग, लिनेस क्लब अध्यक्ष मंजू बोहरा, कुसम बंसल, शकुन्तला मूदंडा, अनीता जेथलिया, संतोष खत्री, मधू जैन, मंजू जैन,, पायल सिद्धावत, आशा अग्रवाल, प्रियका अग्रवाल, रेखा गुप्ता, शमीम खोखर, बी के रंजू बहिन, बी के ज्योति बहिन कई जने उपस्थित थे।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद का जोधपुर में स्वागत किया, 22 नवम्बर तक रहेंगे

जोधपुर, (कासं)। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद मंगलवार को दोपहर अपनी जोधपुर यात्रा पर पहुंचे। वे 22 नवंबर तक जोधपुर यात्रा पर रहेंगे।

पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद आज दोपहर वायु मार्ग से जोधपुर पहुंचे। यहां जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर उनका जिला कलेक्टर गौरव अठावाल सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। इसके बाद वह बालसमंद लेक पैलेस चले गए। वह रात्रि विश्राम वहीं करेंगे।

वे बुधवार को सांय पांच से सात बजे तक मयूर चौपासनी स्कूल के 12वें वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे तथा सांय 7.35 बजे राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी का भ्रमण कर रात 8.05 बजे राजस्थान हाईकोर्ट जाकर रात्रि विश्राम के लिए बालसमंद लेक पैलेस आएंगे।

वे गुरुवार को सुबह 11.15 बजे निर्मल भंडारी के हैंडीक्राफ्ट शोरूम और उसके बाद उम्मेद भवन पैलेस जाएंगे। कोविंद सांय 5.30 बजे बालसमंद लेक पैलेस पहुंचेंगे तथा 6.15 बजे मेहरानगढ किले के लिए जाकर रात्रि विश्राम के लिए बालसमंद लेक पैलेस लौटेंगे। पूर्व राष्ट्रपति शुक्रवार को दोपहर 3 बजे जोधपुर एयपोर्ट से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद अपनी चार दिवसीय यात्रा पर जोधपुर पहुंचे।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के मुख्य आतिथ्य में मयूर चौपासनी स्कूल का 12 वां वार्षिकोत्सव व सांस्कृतिक कार्यक्रम बुधवार 20 नवंबर को सांय 5 बजे आयोजित होगा।

प्राचार्य शरद तिवारी ने बताया कि नृत्य, संगीत एवं नाट्यभिनय, आर्केस्ट्रा एवं बैगपाइपर बैण्ड की प्रस्तुतियों के साथ यह वार्षिकोत्सव गैजेट्स एवं नैसर्गिक मानवीय क्षमताओं और आवश्यकताओं के संतुलन की पहल करते हुए राजस्थानी संस्कृति के रंगों को प्रत्यक्ष करेगा।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विद्यालय के 72 विद्यार्थियों के द्वारा सोशल मीडिया और गैजेट्स के साथ दैनिक जीवन के संतुलन की पहल करता हुआ नाटक 'बहुत देर न हो जाए' रहेगा। कार्यक्रम में एक ऑन स्क्रीन प्रजेण्टेशन "स्कूल लाइफ तड़का लगाके" द्वारा विद्यार्थी अपनी रुचि और कौशल को करियर में बदलने की जद्दोजहद करते वर्तमान पीढ़ी को नई राह दिखाने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 130 विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आर्केस्ट्रा, बैगपाइपर बैण्ड के साथ सेलेब्रेशन डांस, सी. एण्ड आर. डांस, लुकिंग एण्ड पोपिंग डांस, शिक्षा डांस और रेट डांस के साथ राजस्थानी संस्कृति और लोक साहित्य के रंगों से ढलती सांझ में संस्कृति के रंगों की महक रस घोलती नजर आएगी।

उन्होंने बताया कि समारोह की अध्यक्षता मारवाड़ के पूर्व नरेश गजसिंह द्वारा की जाएगी।

गोवर्धन कल्ला की प्रतिमा का अनावरण

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर के पूर्व विधायक और गांधीवादी नेता गोवद्धर्न कल्ला की स्थानीय एयरफोर्स चौराहा के पास स्थापित आदमकद प्रतिमा का मंगलवार को समारोह पूर्वक अनावरण किया गया।

गोवद्धर्न कल्ला द्वारा अपने प्रवासी माहेश्वरी मित्रों के विपुल धन सहयोग से किशनीदेवी मगनीराम गोयदानी कन्या विद्यालय, एस. बी. के.महाविद्यालय, मिश्रिलाल सांवल बालिका महाविद्यालय सहित अनेक सार्वजनिक कार्य करवाए।

इस मौके पर नगरपरिषद सभापति हरिवल्लभ कल्ला ने बताया कि जैसलमेर सहित समूचे पश्चिमी राजस्थान के विकास और यहां की जनसमस्याओं के समाधान के लिए गोवद्धर्नदास कल्ला जीवनभर कार्यरत रहे। पूर्व विधायक को सर्व समाज की तरफ से श्रद्धांजलि स्वरूप यहां प्रतिमा की स्थापना की गई है। नेताओं व अधिकारियों के साथ विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री हरीश चौधरी, बीडी कल्ला, जैसलमेर के विधायक छोटूसिंह भाटी, पूर्व विधायक सांगसिंह भाटी, पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम चौधरी, पूर्व विधायक मूलतानाराम बारूपाल, पोकरण नगरपालिका के अध्यक्ष मनीष पुरोहित समेत कई लोग मौजूद रहे।

भारतीय सहकार सप्ताह पर गोष्ठी हुई

जालोर नागरिक सहकारी लिमिटेड ने 71 वां अखिल भारतीय सहकार सप्ताह मनाया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि., जालोर के परिसर में 71 वां अखिल भारतीय सहकार सप्ताह मनाया गया, जिसके तहत सहकारी संगठनों के बीच सहयोग को मजबूत करना के विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित हुई।

इस अवसर पर जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि., जालोर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमानन्द भट्ट ने गोष्ठी के प्रारम्भ में भारतवर्ष में सहकारिता की स्थापना पर प्रकाश डाला व अवगत कराया कि वर्ष 1905 में भारतवर्ष में सहकारिता की नीव पडी। जालोर सहकारी भूमि विकास बैंक लि. के सचिव नारयण सिंह चारण ने अपने संबोधन में बताया कि राजस्थान राज्य में सहकारी समिति का प्रारम्भ गांब विनायका जिला अजमेर में हुआ था। सहकारी विभाग के श्रवण कुमार प्रजापत ने सहकारिता का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के अन्तिम छोर के व्यक्ति को भी मिले ऐसा सभी को प्रयास करना चाहिए व जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. के ग्रामीण क्षेत्र की शाखाओं में दी जा रही लॉकर्स की सुविधा की मूरी-भूरी प्रशंसा की। पुरूषोतम पोमलं पूर्व लेखाधिकारी ने काव्य / कविता के माध्यम से रोचक भाय से सहकारिता के विभिन्न संगठनों की भूमिका का उल्लेख किया। विचार गोष्ठी में उपस्थित धनराज दवे पेंशनर समाज के अध्यक्ष ने बताया कि भारत देश के हर महिला/पुरुष में आदिकाल से सहकारिता की भावना कूट-कूट कर भरी हुई हैं। अंत में अपने अध्यक्षीय भाषण में ललित कुमार दवे उपाध्यक्ष जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. जालोर ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए सहकरिता की समितियों में लोकतंत्र की पुरजोर मांग करते हुए कहा कि समितियों में प्रजातंत्र जितना मजबूत व पारदर्शी होगा उतना ही उक्त संगङ्गनों में उत्तरोत्तर विकास होगा। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण गुजरात की अमूल दुग्ध डेयरी व जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. का भी उल्लेख किया। गणेशराम मीणा, कान्तिलाल भण्डारी संचालक ने भी संक्षिप्त संबोधन दिया।

इस अवसर पर कनिष्क चौधरी, मोहनलाल परमार व मदनलाल माली इत्यादि उपस्थित थे। अंत में जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. जालोर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परमानन्द भट्ट ने सभी को आभार व्यक्त किया।

ए.पी.ओ. रद्द करने की मांग को लेकर नर्सिंग कर्मियों ने प्रदर्शन किया

जोधपुर, (कासं)। मथुरादास माथुर अस्पताल के एक्यूट केयर वार्ड में आग लगने की घटना के बाद नर्सिंग ऑफिसर को एपीओ करने के खिलाफ नर्सिंग यूनियनें एकजुट हो गई है।

मामले में संविदा पर लगे अन्य कार्मिकों पर भी गाज गिरी थी। इसको लेकर आज नर्सिंग कर्मियों ने एमडीएम हॉस्पिटल में विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन के बाद अस्पताल अधीक्षक डॉ. नवीन किशोरिया को यह एपीओ रद्द करने की मांग की। मांग पूरी नहीं होने पर संपूर्ण कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी।

दअसल एमडीएम हॉस्पिटल में के एक्यूट केयर वार्ड में रविवार रात करीब दो बजे एक बेड में अचानक आग लग गई। हादसे में एक महिला मरीज झुलस गई जिसे गंभीर अवस्था में बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया है।

हादसे के बाद एक महिला नर्सिंगकर्मी को एपीओ कर दिया व तीन संविदा कर्मचारियों को हटा दिया गया था। हादसे की जांच के लिए अस्पताल प्रबंधन ने ही एक कमेटी का गठन किया है। मामले में महिला नर्सिंगकर्मी को एपीओ करने के खिलाफ आज अन्य नर्सिंग कर्मियों ने विरोध जताया।

वे सभी अस्पताल अधीक्षक के कार्यालय का घेराव किया और प्रदर्शन करते हुए अधीक्षक को यह एपीओ रद्द करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि महिला नर्सिंग कर्मी का एपीओ रद्द किया जाए नहीं तो संपूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा।।

स्थाई नर्सिंग अधिकारी नर्मदा को डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के लिए एपीओ कर दिया गया।

नर्सिंग ऑफिसर नर्मदा को एपीओ कर प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज के अधीन रखा गया है।

वहीं संविदा पर नर्सिंग ऑफिसर रविन्द्र कुमार की सेवाएं कंपनी ने बंद कर दी। साथ ही सुरक्षाकर्मी अरविंद पुरी व बाईजी परवीन को भी कंपनी से हटा दिया गया है।

टीम को घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड से मिली अभूतपूर्व हार को पीछे छोड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में अच्छी शुरुआत करने की जरूरत है। - रवि शास्त्री

पूर्व मुख्य भारतीय कोच, भारतीय क्रिकेट टीम को सलाह देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ऋचा घोष

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच दिसंबर से ब्रेसबन में शुरु होने वाली तीन दिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए घोषित 16 सदस्यीय भारतीय महिला टीम में ऋचा घोष की वापसी हुई हैं वहीं शेफाली वर्मा को बाहर रखा गया है। चयनकर्ताओं ने शेफाली वर्मा के अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ चोट के कारण भारतीय टीम से बाहर रहने वालीं आशा शोभना, पूजा वस्त्रकर, श्रेयंका पाटिल, दयालन हेमलता, सयाली सतघरे और उमा छेत्री को भी टीम में जगह नहीं मिली हैं।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्र तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

भारत का आत्मविश्वास डगमगाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया हल्के में नहीं लेगा : लाबुशेन

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने मंगलवार को यहां कहा कि घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड से मिली करारी शिकस्त से भारत का आत्मविश्वास थोड़ा डगमगाया हुआ होगा लेकिन उनकी टीम इस प्रतिद्वंद्वी को कमतर आंकने की गलती नहीं करेगी।

विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारत 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा। भारत को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 0-3 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। घरेलू सरजमीं पर भारतीय टीम की 12 साल और 18 टेस्ट श्रृंखला के बाद यह पहली हार थी।

ऑस्ट्रेलिया के मध्यक्रम के मुख्य बल्लेबाज लाबुशेन का मानना है कि न्यूजीलैंड से मिली हार से भारत का आत्मविश्वास कम हुआ होगा। लाबुशेन ने यहां मीडिया से कहा, " भारत के प्रदर्शन के बारे में कुछ कहना मुश्किल होगा। वे पूरी तरह से अलग परिस्थितियों में खेले थे। वह स्पिनरों की मददगार परिस्थितियां थी। मेरे करियर में ऐसा कभी नहीं हुआ कि भारतीय टीम घरेलू श्रृंखला में हार के बाद ऑस्ट्रेलिया आयी हो।"

उन्होंने कहा, " हमारे नजरिये से मुझे लगता है कि यह अच्छी बात है। उनका आत्मविश्वास शायद थोड़ा कम है, वे टेस्ट में जीत के साथ नहीं आये है। न्यूजीलैंड से 0-3 से हार गए हैं। मुझे लगता है कि इसने उनके आत्मविश्वास को थोड़ा प्रभावित किया होगा।" लाबुशेन ने हालांकि भारत के खिलाफ पिछली चार श्रृंखलाओं में हार का सामना करने वाली अपनी टीम को आत्ममुग्धता से बचने की सलाह देते हुए कहा, " उनकी टीम में कई शानदार खिलाड़ी है और वे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक हैं। इसलिए आप कभी भी ऐसी टीम को कम नहीं आंक सकते।"

भारत ने नियमित कप्तान विराट कोहली की अनुपस्थिति और मुख्य टीम के कई अन्य खिलाड़ियों के चोटिल होने के बावजूद अविश्वसनीय वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की। लाबुशेन ने कहा, " 2021 में भी उन्होंने जीत दर्ज की थी। तब (टी) नटराजन, (मोहम्मद) सिराज और वाशिंगटन सुंदर और शुभमन गिल जैसे नये खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था।"

भारतीय टीम यहां के ऑप्टस स्टेडियम में पहले टेस्ट में नियमित कप्तान रोहित शर्मा और तीसरे क्रम के बल्लेबाज गिल के बिना मैदान पर उतरने के लिए तैयार है। लाबुशेन ने कहा कि भारत के पास हर तरह की चुनौती का सामना करने के लिए पर्याप्त प्रतिभा है। उन्होंने कहा, " उनके पास शानदार टीम है और उन्होंने समय के साथ यह दिखाया है। आप भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों के विकल्प को देखते हुए कभी कम नहीं आंक सकते।" लाबुशेन ने कहा, " जिसे भी खेलने का मौका मिलेगा उसे भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए बहुत कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसी टीम के प्रतिनिधित्व के लिए वास्तव में आपको एक बहुत अच्छा खिलाड़ी बनना होगा।

हॉकी में भारत ने जापान को 2-0 से दी पटखनी, अब फाइनल में चीन से भिड़ंत

बिहार, 19 नवम्बर। मंगलवार को जापान को 2-0 से हराकर भारतीय महिला हॉकी टीम एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंच गई है। टीम इंडिया ने अपने अजेय अभियान को जारी रखा और सेमीफाइनल के आखिरी दौर में दो गोल करके फाइनल में अपनी जगह बना ली। अब भारत की भिड़ंत फाइनल में चीन से होगी। फिलहाल, पहले 45 मिनट में भारत और जापान दोनों ही गोल करने में असफल रहे थे। भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिल रहे थे लेकिन वह उसे गोल में बदलने में असफल हो रही थी। इस दौरान भारत को 11 तो वहीं जापान को एक भी पेनल्टी कॉर्नर नहीं मिला।

13 खिलाड़ियों समेत 15 सदस्यीय भारतीय म्यू थाई दल की घोषणा

रायपुर, 19 नवंबर। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त संस्था आईएफएमए की भारत में मान्यता प्राप्त संस्था यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया द्वारा सीनियर महिला-पुरूष (18 वर्ष से ऊपर) वर्ग की ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप जो कि हाँगकाँग में होना है उसमें भाग लेने के लिए 13 खिलाड़ियों और दो अधिकारियों वाले 15 सदस्यीय भारतीय म्यू थाई दल की घोषणा की गई। गर्व का विषय है कि भारतीय दल में पांच महिला खिलाड़ियों में रायपुर (छग) से 45 किलो वजन वर्ग में एक महिला खिलाड़ी कु दिव्या अग्रवाल और भारतीय म्यू थाई दल के मैनेजर रायपुर के ही अमन यादव चयनित किए गए हैं। उपरोक्त जानकारी देते हुए राज्य म्यूथाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने बताया कि भारतीय म्यू थाई दल 27 नवंबर 2024 को नयी दिल्ली से हाँगकाँग के लिए रवाना होगा। उल्लेखनीय हैं कि ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप का आयोजन 28 नवंबर से एक दिसंबर 2024 तक हांगकांग में किया जा रहा है।

ट्रेविस हेड ने जसप्रीत बुमराह को बताया टीम इंडिया का फैक्टर, कहा- वो बेमिसाल हैं

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। अक्सर भारतीय टीम के लिए सिरदर्द बनने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने जसप्रीत बुमराह को टीम इंडिया का एक्स फैक्टर करार दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि बुमराह सभी प्रारूपों में उनका सामना करना बेहद चुनौतीपूर्ण लगता है। बता दें कि, जसप्रीत बुमराह पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। ये दूसरा मौका है जब बुमराह टीम इंडिया की कमान संभालेंगे। इससे पहले 2021 में उन्होंने इंग्लैंड में भारत की कप्तानी की थी। तो ये कहना गलता होगा कि बुमराह को कप्तानी का अनुभव नहीं है, वह कप्तानी के साथ-साथ अपनी गेंदबाजी से किसी भी टीम को परेशान कर सकते हैं।

30 वर्षीय बुमराह का गैर-पारंपरिक एक्शन, खतरनाक यॉर्कर और दोनों तरफ गेंद को स्विंग कराने की क्षमता ने लगातार बल्लेबाजों को परेशान रखा। ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर बुमराह का टेस्ट रिकॉर्ड भी बेहतरीन रहा है। उन्होंने 7 मैचों में 21.25 की औसत से 32 विकेट अपने नाम किए हैं। हेड ने कहा कि बुमराह की गेंदों को भाप पाना काफी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि वह बल्लेबाजों से आगे की सोचते हैं।

वहीं हेड ने फॉक्स क्रिकेट से बात करते हुए कहा कि, आप ऐसा सोचने की कोशिश करते हैं कि एक कदम आगे हैं, लेकिन हमेशा ऐसा महसूस होता है कि वो एक कदम आगे खड़े हैं। खेल के किसी भी फॉर्मेट में वो बेमिसाल हैं। बड़े पलों में आपको बड़े खिलाड़ियों की जरूरत होती है और मेरे ख्याल से बुमराह सबसे बड़े हैं। आपको बल्लेबाज के रूप में बहुत ध्यान रखना पड़ता है।

एडिलेड में राहुल द्रविड़ की 233 रन की पारी नंबर वन

पंत की गाबा इनिंग को पछाड़ा

ऑस्ट्रेलिया, 19 नवम्बर। राहुल द्रविड़ की 2003 में खेली गई पारी को ऑस्ट्रेलिया में बेस्ट इंडियन परफॉर्मेंस का खिताब मिला है। स्टार स्पोर्ट्स और डिज्नी हॉट स्टार ने क्रिकेट फैंस के बीच एक पोल कराया। जिसमें ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों की बेस्ट परफॉर्मेंस पर वोट करना था। ऑसम इन ऑस्ट्रेलिया नाम के इस पोल में 16 परफॉर्मेंस को शॉर्ट लिस्ट किया गया और 13 लाख लोगों ने वोट किया। एडिलेड टेस्ट में राहुल द्रविड़ की 233 और 72 रन की पारियों को सबसे ज्यादा 61.5 वोट मिले। द्रविड़ ने पंत की 89 रन की पारी को पीछे छोड़ दिया, जो विकेटकीपर बल्लेबाज ने 2021 में गाबा में खेली थी। ये पोल ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले किया गया है। 5 टेस्ट मैच की यह सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। आखिरी टेस्ट 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। एडिलेड में पोंटिंग का दोहरा शतक, द्रविड़ ने दिया था जवाब एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने टॉस जीता और बैटिंग का फैसला किया था। उन्होंने 242 रन बनाए थे। इस इनिंग की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 556 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत ने पहली पारी में 523 रन बनाए। द्रविड़ ने 233 और वीवीएस लक्ष्मण ने 148 रन की पारी खेली। दोनों के बीच 303 रन की साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में 196 रन पर ऑलआउट हो गया। द्रविड़ ने दूसरी इनिंग में नाबाद 72 रन बनाए और भारत ने 230 का टारगेट चेज कर लिया था।

मनु भाकर, नीरज चोपड़ा, स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत सिंह को भारतीय खेल सम्मान

मुंबई, 19 नवंबर। ओलंपिक, पैरालिंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों तथा अन्य प्रमुख खेलों में असाधारण उपलब्धि और संबंधित खेलों के प्रति अटूट समपर्ण के लिए मनु भाकर, नीरज चोपड़ा, स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत सिंह को भारतीय खेल सम्मान (आईएसएच) पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। आज यहां आयोजित भारतीय खेल सम्मान के पांचवें संस्करण में इस वर्ष पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल महिला स्पर्धा और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर को स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मनु भास्कर ने कहा, मैं जूरी और भारतीय खेल के सम्मान के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे इससे सम्मानित किया। यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं है, यह मेरे परिवार, मेरे कोच और उन सभी के लिए है जिन्होंने मेरा साथ दिया और इस यात्रा में मुझ पर विश्वास किया। इस वर्ष पेरिस ओलंपिक और ब्रुसेल्स में डायमंड लीग में रजत पदक जीतने वाले भारत के दिग्गज भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा को स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर से नवाजा गया।

भवानी के दम पर यूपी योद्धाज ने पुनेरी पल्टन को बराबरी पर रोका

नोएडा, 19 नवंबर। यूपी योद्धाज ने शानदार खेल दिखाते हुए नोएडा इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 63वें मैच में पुनेरी पल्टन को 29-29 की बराबरी पर रोक लिया। यह इस सीजन का पांचवां टाई मुकाबला है। पल्टन मैच के अंतिम क्षणों में चार अंक की लीड के साथ जीत की स्थिति में थे लेकिन भवानी राजपूत (10) ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

रतन सिंह व धर्मवीर कांग्रेस के एजेंट : विनोद सहारण

जयपुर, 19 नवंबर। आरसीए की एडहॉक कमेटी के ही सदस्यों रतन सिंह और धर्मवीर को लेकर खिलाड़ियों के चयन को लेकर हो रहे आरोपो को लेकर विनोद सहारण, सचिव, जिला क्रिकेट संघ श्रीगंगानगर द्वारा राजस्थान मे जब से भाजपा सरकार बनी तब से को सही दिशा में लाने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन गलत तरीके से रतन सिंह व धर्मवीर जो कांग्रेस के एजेंट है, उनके द्वारा वही चयन समितिया व कमेटीया बनाई जो 2009-13 व 2018-23 मे कांग्रेस सरकार मे थी, दोनों कांग्रेस के एजेंट है।

वैभव गहलोत अहम कोर टीम के हिस्सा थे, भाजपा समर्थन वाले जिले को हटाने मे धर्मवीर शेखावत का अहम रोल था। भाजपा के गंगानगर, अलवर, नागौर, धोलपुर, भरतपुर को हमेशा प्रताड़ित किया जाता, सभी जिले सुप्रीम कोर्ट से आदेश लाकर जिलों को बचाया गया तो ये दोनों एजेंट हस्ताक्षर करवाने वालों की अहम भूमिका थी। लीग में कांग्रेसियों को पास देना व आमंत्रित करना धर्मवीर शेखावत का अहम रोल था। सभी चयन समितियों बैठकों में रतन सिंह व धर्मवीर शेखावत का हिस्सा होता है। पाली व बीकानेर ऐसे खिलाड़ियों जो क्लब क्रिकेट के भी लायक नहीं है। मैं दोनों पर सीधा आरोप लगता हूँ।

खुले मंच पर आये ओर चयन पर बहस करे। उन्होंने आगे कहा कि कहाँ-कहाँ इनके द्वारा धांधली की गई है ओर कहां नहीं, बीकानेर रतन सिंह के द्वारा विटोकर रणजी टीम में चयन करवाया गया। बीकानेर व पाली के जो भी खिलाड़ी इस सीजन में चयन हुआ है उनका रिकार्ड निकाल ले ओर बाकी जिन खिलाड़ियों का चयन नहीं हुआ है उनका रिकार्ड निकाल ले।

विनोद ने आगे कहा कि पाली के इतिहास में एक खिलाड़ी हुआ है कुमार बोहरा उसके अलावा आज तक किसी का सेलेक्शन नही हुआ। अब शुभम के अलावा किसी न किसी रूप में एक दो खिलाड़ियों का सलेक्शन हो रहा है। अंडर-19 इंडिया रिप्रजेंट करने वाला कप्तान सूरज आहूजा को रणजी टीम में जगह नही मिलती है। और कन्हैया लाल का सलेक्शन समझ से परे है। कन्हैया का रिकॉर्ड की जांच होनी चाहिये। जिसने 50 रन से ज्यादा नही बनाये। वहीं 300 रन, नोट आउट बनाने वाले सुमित गोदारा जिसने 13 शतक लगाए, 2000 रन के आसपास है और मानव सुथार जिनके रिकॉर्ड ही अपनी कहानी बयां करते हैं। महिला चेयरमैन सुल्ताना खान व सीनियर चेयरमैन पर्मिनदर सिंह दोनों रतन सिंह व धर्मवीर के इशारे पर काम करते है।

विनोद सहारण के लगाये गये सभी आरोप बेबुनियाद : धर्मवीर

जयपुर, 19 नवंबर। आरसीए की एडहॉक कमेटी के सदस्यों पर रतन सिंह और मुझ पर खिलाड़ियों के चयन को लेकर जो आरोप विनोद सहारण ने लगाये है। वो बेबुनियाद और निराधार है। एडहॉक कमेटी के कन्वीनर बियानी ने लिखित तौर पर आदेश पारित करके मुझे और रतन सिंह को खिलाड़ियों की चयन मीटिंग में मौजूद होने का आदेश जारी किया था। कार्तिक, शुभम दोनों ने ही कमाल का खेल दिखाया। हमारी चुनी हुई टीम के खिलाड़ियों ने तिहरे शतक भी लगाए है। चन्द्रपाल सिंह का रिकॉर्ड भी विनोद सहारण को देखना चाहिए। इन खिलाड़ियों का चयन बिना परफोरमेंस के नहीं हुआ है। अभी तक सभी जिलों के 4000 से ज्यादा खिलाड़ियों के खातों में टीए-डीए का पैसा भेजा जा चुका है। लेकिन विनोद सहारण ने अपने जिलों के खिलाड़ियों के खातों की जानकारी अभी तक हमें नहीं भेजी है। आईपीएल के लिए 49 खिलाड़ियों के नामों के नाम दर्ज हो चुके है। मैंने आज तक कई एकेडमी खोली है और आरसीए से 2019 तक 19 लाख रुपये ही मुझे मिले है। मैंने अंडर-14, 16, 19, 23 के कई टूर्नामेंट करवाये है। जिनका रिकॉर्ड मेरे पास मौजूद है। 28 व 29 नवम्बर को होने वाली एडहॉक कमेटी की मीटिंग में चुनाव को लेकर फैसला होगा। विनोद सहारण ने आज तक कितने टूर्नामेंट करवाये है वो सार्वजनिक करें।

शतरंज खिलाड़ी ब्रिस्टी मुखर्जी ने छुए ग्रैंडमास्टर कार्लसन के पैर

कोलकाता, 19 नवम्बर। इन दिनों महिला शतरंज खिलाड़ी ब्रिस्टी मुखर्जी काफी चर्चा में है। दरअसल, ब्रिस्टी मुखर्जी ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की झलक दिखाते हुए पूरे देश नहीं बल्कि दुनिया का दिल जीत लिया है। साथ ही ब्रिस्टी ने खेल भावना का भी बेहतरीन उदाहरण दिया है। टाटा स्टील शतरंज में ऑल इंडिया विमेन रैपिड चैंपियन बनीं ब्रिस्टी को दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी नॉर्वे मैग्नस कार्लसन ने ट्रॉफी सौंपी तो ब्रिस्टी ने उनके पैर छुए। कार्लसन को पहले कुछ समझ नहीं आया और खिलाड़ी को पैर छूकर आशीर्वाद लेते देख उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। इस पर उनकी प्रतिक्रिया दिल जीत लेने वाली थी। कार्लसन पहले तो मुस्कुराए और फिर शर्माने लगे। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।इवेंट के बात कार्लसन ने कहा कि, कोलकाता में खेलना निश्चित रूप से मजेदार अनुभव रहा। पिछले कुछ सालों में मेरे कार्यक्रम में कोलकाता में इस टूर्नामेंट को खेलना फिट नहीं बैठा था। लेकिन भारतीय सरजमीं पर इन युवाओं के खिलाफ खेलना वास्तव में अच्छा है। मुजे खुशी है कि मैं जब भी अच्छा खेल सकता हूं ये जानते हुए कि मैग्नस कार्लसन इस कार्यक्रम में आएंगे, सैकड़ों शतरंज फैंस कोलकाता के धोनो धान्यो सभागार में विश्व आइकन की एक झलक पाने के लिए मौजूद थे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

16 सदस्यीय टीम में शेफाली का नाम नहीं, हरलीन की वापसी, पहला मैच 5 दिसंबर को

मुंबई, 19 नवम्बर। विमेंस सिलेक्शन कमेटी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडियन विमेंस टीम का ऐलान कर दिया है। तीन मैचों की वनडे सीरीज में ओपनर शेफाली वर्मा को खराब फॉर्म के चलते टीम से बाहर किया गया है। भारतीय महिला टीम का ये दौरा 5 दिसंबर से शुरू होगा। वनडे टीम में करीब एक साल बाद हरलीन देओल की वापसी हुई है। वहीं अपने बोर्ड एग्जाम के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ होम सीरीज नहीं खेलने वाली ऋचा घोष को भी टीम में लाया गया है। 16 सदस्यीय स्क्वॉड में प्रिया पूनिया, लेग स्पिनर मिन्नू मणि और पेसर टिटस साधु का नाम शामिल है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए टीम में ओपनर शेफाली वर्मा को नहीं चुना गया है। जिसकी वजह पिछली सीरीज में उनका खराब प्रदर्शन है। शेफाली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे में 56 रन बनाए थे। टूर में करीब एक साल बाद हरलीन देओल की वापसी हुई है। ऑलराउंडर हरलीन ने भारत के लिए अपना आखिरी वनडे पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ मुंबई में खेला था।

राजस्थान-केरल अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच आज से जयपुर में

जयपुर, 19 नवम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में कल दिनांक 20 नवम्बर से 23 नवम्बर 2024 को जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान-केरल टीमों के मध्य बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता कूच बिहार ट्रॉफी मैच मैच खेला जायेगा। आज मैच से पूर्व दोनों टीमों ने आरसीए अकादमी मैदान पर जमकर अभ्यास किया।

दोनों टीमों ने जमकर अभ्यास किया

दौसा अंडर-14 क्रिकेट टीम की घोषणा

जयपुर, 19 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 14 की टीम हेतु जिला क्रिकेट संघ दौसा द्वारा ट्रायल के बाद तीन मैच की परफॉर्मेंस के आधार पर चयनित संभावित खिलाड़ी निम्न प्रकार है ध्रुव कुमार जाटव, हुनर जांगिड़, यथार्थ शर्मा, ऋषभ बाग राहुल बैरवा, क्यांश देरवाल, गौरव चौधरी, आशीष गुर्जर, दक्ष शर्मा, गगन मीना, सचिन यादव, हार्दिक अवस्थी, कृष्ण कुमार, आयुष्मान पाराशर, अरमान नकवाल, प्रिंस राजावत, प्रियांशु वैष्णव, धैर्य कुमार। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि अंडर-14 की खिलाड़ियों की सबसे पहले राजेश पायलट स्टेडियम में ट्रायल कराई गई ट्रायल में लगभग 60 खिलाड़ियों ने भाग लिया, उनमें से 30 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया। इन खिलाड़ियों के तीन मैच राजेश पायलट स्टेडियम में कराये गए। उन मैच की परफॉर्मेंस के आधार पर मेरिट से 18 खिलाड़ियों का टीम में चयन किया गया है। इस टीम में भी दौसा जिले के ही खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नव. से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इस बार इस सीरीज में 4 की बजाय पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। वहीं भारत में आप कब और किस समय इसे देख सकते हैं इसकी पूरी जानकारी हम आपको देंगे। पर्थ में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच का पहला सेशल भारतीय समय के अनुसार सुबह 7.50 पर शुरू होगा, इसका मतलब टॉस करीब आधे घंटे पहले यानी 7 बजकर 20 मिनट पर होगा। जबकि इस मैच का आखिरी सेशन दोपहर 2 बजकर 50 मिनट तक चलेगा उसके बाद स्टंप्स हो जाएगा। वहीं भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज की लाइव स्ट्रीमिंग भारत में आप डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देख पाएंगे। पहले टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलुावा शुभम गिल नहीं खेल पाएंगे। रोहित शर्मा हाल ही में दूसरे बच्चे के पिता बने हैं जिस कारण वो इस समय अपनी पत्नी रितिका के साथ बिताना चाहते हैं। वहीं दूसरे टेस्ट से पहले मोहम्मद शमी के भी टीम इंडिया से जुड़ने की उम्मीद है।

'अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवायें पहुँचाना हमारी प्राथमिकता'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में अधिकारियों को निर्देश दिये

जयपुर, 19 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हम अन्तिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आमजन से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ विभाग है, इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी राज्य सरकार की सभी बजटीय घोषणाओं को प्रभावी कार्ययोजना के साथ त्वरित गति से पूरा किया जाए, जिससे 'आपणो स्वस्थ राजस्थान' की संकल्पना साकार हो।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी मौजूद थे। उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगभग 48 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया मिशन मोड पर चल रही है तथा अब तक लगभग 8 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे शहरों और कस्बों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेशभर में आयुष्मान मॉडल सी.एच.सी. बनाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत पीडिआट्रिक पैकेज शामिल करने, कुछ पैकेज की दरों को तर्कसंगत बनाने तथा पोर्टिबिलिटी सुविधाओं को शामिल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना में जो नए प्रावधान जोड़े गए हैं, उनका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

शर्मा ने कहा कि चिकित्सा विभाग के अधीन संचालित राजस्थान मेडिकल काउन्सिल, पैरा मैडिकल काउन्सिल सहित अन्य सभी संस्थाओं के कामकाज की नियमित समीक्षा की जाए तथा किसी भी तरह की अनियमितता पाई जाने पर उचित कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर तथा मुख्य सचिव सुधांश पंत के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के साथ सुधांश पंत, शिखर अग्रवाल, अखिल अरोड़ा, आलोक गुप्ता, गायत्री राठौड़, अम्बरीश कुमार, भारती दीक्षित, प्रियंका गोस्वामी, नेहा गिरी, इकबाल खान, शाहीन अली, रवि प्रकाश माथुर आदि वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गायत्री ए. राठौड़ ने चिकित्सा विभाग की योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नवाचारों की प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य के कई मानकों में राजस्थान राष्ट्रीय औसत एवं कई बड़े राज्यों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। राज्य में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में विभाग के प्रयासों से उल्लेखनीय गिरावट आई है। संस्थागत प्रसव के मामले में राजस्थान देश में अग्रणी है। राष्ट्रीय सिकल सैल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत स्क्रीनिंग में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा अम्बरीश कुमार, मिशन निदेशक एन.एच.एम. डॉ. भारती दीक्षित, सी.ई.ओ. स्टेट हेल्थ एश्योरेंस ऐजेंसी प्रियंका गोस्वामी, प्रबंध निदेशक आर.एम.एस.सी. नेहा गिरी, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा इकबाल खान, निदेशक आई.ई.सी. शाहीन अली खान, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

नई दिल्ली के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कम्पनी के इस दावे को स्वीकार किया कि प्रोजैक्ट टैक्नीकली और वित्तीय रुप से पूरा करने योग्य नहीं है। उसने भी आर्बिट्रेटर के आदेश को कायम रखा और राज्य सरकार को मय ब्याज अपफ्रंट प्रीमियम लौटान के लिए कहा। हाईकोर्ट के प्रिंसिपल सैक्रेटरी (पावर) को यह निर्देश भी दिया कि वे पता लगाएं कि किन अफसरों की वजह से सारी गड़बड़ी हुई है। कोर्ट ने 6 दिसम्बर को अगली सुनवाई में रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। राज्य के एडवोकेट जनरल अनूप रट्टन ने राज्य सरकार की तरफ से हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील फाइल की है, जिस पर इस माह के अंत तक सुनवाई हो सकती है।

संसद सत्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलावा, संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुराने संसद भवन के संविधान सदन में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

कैलाश मानसरोवर यात्रा अगले वर्ष से

भारत-चीन सीमा पर सामान्य स्थिति की बहाली के बाद दोनों देशों में सीधी उड़ानें भी शुरू होंगी।

नयी दिल्ली, 19 नवंबर। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सामान्य स्थिति की बहाली के बाद, दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें और अगले वर्ष से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सी.पी.सी.) के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य तथा विदेश मंत्री वांग यी के बीच जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर ब्राजील के रियो डि जनेरियो शहर में मुलाकात के दौरान, दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने माना कि हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी ने शांति और स्थिरता बनाए रखने में योगदान दिया है। चर्चा भारत-चीन संबंधों में अगले कदमों पर केन्द्रित रही। इस बात पर सहमति हुई कि विशेष प्रतिनिधियों और विदेश सचिव-उप मंत्री तंत्र की एक बैठक जल्द ही होगी। दोनों पक्षों के बीच जिन कदमों को उठाने के बारे में चर्चा हुई, उनमें कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रा को फिर से शुरू करना, सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करना, भारत और चीन के बीच सीधी उडानें और मीडिया आदान-प्रदान शामिल थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वैश्विक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर, विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच मतभेद और समानताएं दोनों हैं। हमने ब्रिक्स और एस.सी.ओ. ढांचे में रचनात्मक रूप से काम किया है। जी 20 में भी हमारा सहयोग स्पष्ट रहा है।

न्यूक्लियर हमले के लिए रूस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिसाइलों की गतिविधियों का विश्लेषण किया और निष्कर्ष निकाला कि ये हथियार रूस के अन्दरूनी क्षेत्रों तक नहीं पहुंच सकते थे, जब तक कि कोई अन्य सैन्य शक्तियाँ सक्रिय रूप से इन्हे गाइड ना कर रही हो। इन मिसाइलों का प्रयोग केवल सटीक खूफिया जानकारी और दिशा निर्देशों पर ही आधारित हो सकता है।

रूस के लिए मुश्किल यह है कि, अपने संशोधित सिद्धांत के लिए वो कोई बड़ा समर्थन नहीं जुटा सकता, इनके वास्तविक उपयोग की बात तो दूर है। चीनी नेताओं ने बार-बार रूस द्वारा परमाणु देशों के खिलाफ परमाणु हथियारों के उपयोग की आलोचना की है। "बिना किसी सीमा के मित्र" होने के बावजूद, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रूस के परमाणु हथियारों के उपयोग या उनके उपयोग की धमकी को समर्थन देने से इंकार किया है।

समर्थकों का गठबंधन बनाने की कोशिश में, रूस ने आज एकतरफा घोषणा की है कि रूस के राष्ट्रपति भारत की यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय से अभी तक, ब्लादिमिर पुतिन की भारत यात्रा की कोई पुष्टि नहीं मिली है।

उल्लेखनीय है कि ब्लादिमिर पुतिन किसी भी अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले सके थे, ना ही, चीन की कुछ एक यात्राओं को छोड़कर, किसी विदेशी यात्रा पर जा सके थे, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय ने गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया हुआ है। वो दिल्ली में जी 20 समिट में भाग लेने नहीं जा सके, क्योंकि, जैसे ही वो भारत की धरती पर कदम रखते, वैसे ही अनिवार्य रूप के अधिकारियों को उन्हें गिरफ्तार करना पड़ता।

अब यह स्पष्ट नहीं है कि, गिरफ्तारी से बचे बिना पुतिन भारत की यात्रा कैसे कर सकते हैं, क्योंकि, ऐसा करना भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दायित्व का उल्लंघन होगा।

रूस के आक्रामक रुख में अचानक तेजी आने की वजह है अमेरिका के जाने वाले राष्ट्रपति जो बाइडन, जिन्होंने अचानक ही यह निर्णय ले लिया कि अमेरिका द्वारा दिए जा रहे हथियारों का यूक्रेन रूस की धरती पर उपयोग कर सकता है। बाइडन का यह कदम आगामी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के लिए भी संकट का एक कारण बन सकता है।

रूस का नया सिद्धांत अब विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा पैदा की गई परिस्थिति से निपटने के लिए किया गया है, जिसमें उन्होंने, यूक्रेन को अनुमति दी है कि वो अमेरिका की लांज रेंज मिसाइल का उपयोग, रूस के अंदरूनी क्षेत्रों में हमले के लिए कर सकता है।

अमेरिका ने यूक्रेन को ऐसी मिसाइल सप्लाई की हैं, जो रूस के अंदर टारगैट्स को लक्ष्य बना सकती है।

नया रूसी सिद्धांत विशेष रूप से, यूक्रेन के अमेरिकी और यूरोपीय सहयोगियों के लिए तैयार किया गया है। परमाणु हमले की यह बात नई नहीं है। पुतिन ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद यह बात कहनी शुरू कर दी थी। उस समय पुतिन को उम्मीद थी कि वो अपने यूक्रेन आक्रमण को कुछ हफ्तों में निर्णायक रूप से समाप्त कर देंगे।

लेकिन, पुतिन किसी प्रकार की प्रगति नहीं कर पाए और लम्बे-लम्बे रूसी काफिले, जिनमें बख्तरबंद वाहन व सैनिक थे, यूक्रेनी सेना के सटीक हमलों से तबाह हो गए। तथापि, हाल ही में रूस की सेना को कुछ सफलता मिली है।

यूक्रेन द्वारा अपना बचाव तथा रूस को प्रत्युत्तर संभव नहीं होता यदि उसे अमेरिका तथा कुछ हद तक यूरोपीय यूनियन राष्ट्रों से भारी वित्तीय व सैन्य मदद नहीं मिलती।

खड़गे ने राष्ट्रपति से मणिपुर में हस्तक्षेप का आग्रह किया

नयी दिल्ली, 19 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर की हिंसा को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया और कहा कि डेढ साल से जारी हिंसा से लोगों का जीवन तबाह हो गया है और उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रपति के हस्तक्षेप से वहां शांति बहाली होगी।

खरगे ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार के रवैये के कारण मणिपुर में हिंसा के कारण लोगों का जीवन बहुत कठिन हो गया है।

राज्य में 540 से ज्यादा दिनों से हिंसा का तांडव चल रहा है और प्रधानमंत्री तथा राज्य के मुख्यमंत्री लोगों की समस्या को सुलझाने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं।

नाबालिग से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियुक्त ने नाबालिग की सहमति से संबंध बनाए तो भी इसे अपराध की श्रेणी में ही माना जाएगा।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ललिता संजीव महरवाल ने अपने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता की मां ने 7 अप्रैल, 2022 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी 16 साल की बेटी स्कूल के बाद सहेली के साथ जाने का कहकर कई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। उसे आसपास और रिश्तेदारों के तलाश किया, लेकिन उनका पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि फरवरी, 2021 को नेमदीन ने उसे एकांत में मिलने बुलाया था। इसके बाद वह अक्सर मिलने लग। इस दौरान नेमदीन ने कई बार उससे संबंध बनाए। वहीं अप्रैल, 2022 को उस उसके साथ बस में बैठकर जयपुर से हिम्मतनगर पहुंच गई। बस में नेमदीन ने उससे संबंध बनाए। वहीं उन्हें पता चला कि उन्हें तो महाराष्ट्र वाले हिम्मत नगर जाना था, लेकिन वे गुजरात के हिम्मत नगर आ गए। इसके बाद वह बस से देवास चले गए। जहां शक होने पर पुलिस ने उनसे पूछताछ की और उसके परिजनों को सूचना भेज दी। इस पर उसके परिजन व पुलिस आकर उसे ले गई।

बुधवार को ऊर्जा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश, विकास एवं विस्तार की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के निर्देशन में ऊर्जा क्षेत्र में अधिकाधिक निवेश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश में विकास को गति मिलने के साथ ही अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर उपलब्ध होंगे। राजस्थान में सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेशकों का पसंदीदा डैस्टिनेशन बने।

प्रेमिका की हत्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और उनका किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इस पर नरसी ने गंभीर मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि मृतका अपनी मर्जी से उसके साथ रहती थी। जिसे लेकर उसके परिजनों की सहमति नहीं थी।

'मोदी जी किस तिजोरी से पांच...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देने के लिए विराड़ आ रहे हैं। मैंने सोचा कि उन जैसा राष्ट्रीय नेता इतना तुच्छ काम करने के निम्न स्तर तक नहीं उतरेगा। लेकिन मुझे वो वहां दिखाई दिये। मैं चुनाव आयोग से भाजपा तथा तावड़े के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग करता हूं।"

कांग्रेस ने तावड़े के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। ए. आई. सी. सी. की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनोट ने कहा कि चुनाव उपयोग को इस कथित कृत्यों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, "नालासोपरा के विधायकों की एक मीटिंग हो रही थी। हम मतदान वाले दिन आदर्श आचार संहिता का खयाल रखने की चर्चा कर रहे थे, वोटिंग मशीन किस तरह सील की जायेंगी, तथा अगर आपत्ति करनी है तो उसकी प्रक्रिया क्या होगी। मैं वहां उन लोगों को यह सब बताने गया था। (बहुजन विकास अघाड़ी) पार्टी कार्यकर्ताओं-अप्पा ठाकुर तथा क्षितिज ने समझा कि हम पैसे बांट रहे हैं। चुनाव आयोग और पुलिस जांच कर लें, सी. सी. टी. वी. फुटेज ले लें। मैं 40 साल से पार्टी में हूं। अप्पा ठाकुर और क्षितिज मुझे जानते हैं, पूरी पार्टी मुझे जानती है। फिर भी, चुनाव आयोग निष्पक्ष जांच करा ले।"

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, पूर्णिमा चोगुले ने कहा कि इस मामले में दो एफआईआर दर्ज कराई गई हैं।

चोगुले ने मीडिया को बताया, "मामला और बहुजन विकास अघाड़ी कार्यकता यहां विभिन्न मंजिलों पर मौजूद थे। कुछ धनराशि तथा कुछ डायरियां यहां से बरामद हुई हैं। दो एफ.आई.आर. दर्ज हुई हैं तथा गैर कानूनी रूप से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजन को लेकर तीसरी एफ आई आर दर्ज कराई जा रही है। स्थिति नियंत्रण में है।"

इसी बीच, भाजपा सांसद तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इन आरोपों को निराधार बताया है।

उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में, एम. वी. ए. ने एक आखिरी कोशिश के रूप में एक निराधार आरोप लगाया है। विनोद तावड़े हमारे राष्ट्रीय नेता हैं तथा पार्टी के कई कार्यों को देखते हैं। (नालासोपरा) क्षेत्र के उम्मीदवार ने उनसे मीटिंग में उपस्थित होने के लिए कहा था। वे उधक से ही गुजर रहे थे, इसलिए वे सहमत हो गये। ऐसी मीटिंगों का आयोजन पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदान-प्रक्रिया समझाने के लिए किया जाता है। हम जोर देकर कह रहे हैं कि होटल के सी सी टी वी कैमरे तथा आस-पास के क्षेत्र की चैकिंग करा ली जाए। 5 करोड़ रु किसी जेब में तो आ नहीं सकते। अगर कोई इस राशि को लाया होगा, तो वह दिखाई देगा। उन्हें सबूत देने चाहिए, ऐसे निराधार आरोप नहीं लगाने चाहिए।

आत्महत्या का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुझाव मांगे गए हैं और उन्हें भी इसमें शामिल किया जाएगा। केन्द्र सरकार की ओर से दी गई गाइडलाइन्स को भी शामिल किया जाएगा। दरअसल पिछली सुनवाई पर न्याय मित्र की ओर से कहा था कि अदालत के कई आदेशों के बाद भी कोई परिणाम सामने नहीं आए हैं। इसलिए अदालत गाइडलाइन्स बनाकर उनकी प्रभावी क्रियान्विति के लिए सख्ती बरते। इसके अलावा केन्द्र सरकार की ओर भी कहा था कि उन्होंने गाइडलाइन्स बनाकर 16 जनवरी 2024 को राज्य सरकार को दे दी। इनमें कोचिंग इंस्टीट्यूट के लिए कई प्रावधान बनाए हैं और इनकी सख्ती से पालना करवाई जाए।

महाराष्ट्र की पांच सीटों पर लड़े जा रहे हैं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके हैं, जिनमें सूचना-प्रसारण राज्य मंत्री तथा जहाजरानी मंत्री पद भी शामिल हैं।

इस सीट पर, आदित्य ठाकरे ने 2019 के अपने पहले ही चुनाव में 89,248 वोट हासिल कर जबरदस्त जीत हासिल की थी तथा अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी एन.सी.पी. के सुरेश माने, जो केवल 21,821 वोट पा सके थे, को बहुत पीछे छोड़ दिया था। ठाकरे ने कोविड-19, महामारी के दौरान अपनी सेवा समर्पण के फलस्वरूप अपनी विशिष्ट पहचान बनाई थी। उन्होंने कोविड-पॉज़िटिव मरीजों को सरकारी अस्पतालों में भर्ती किये जाने पर व्यक्तिगत ध्यान एवं तवज्जो दी थी।

हालाँकि एम.एन.एस. का जनाधार अपेक्षाकृत छोटा है, लेकिन सन्दीप देशपान्डे स्थानीय मुद्दों, खासतौर से इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं आवासन, पर फोकस के लिये जाना-पहचाना नाम हैं। उनके सीधे सम्पर्क तथा नागरिकों से जुड़े मामलों में उनके सामने, खासतौर से वर्ली के मराठीभाषी मतदाताओं के बीच उन्हें लोकप्रिय बना दिया है।

महाराष्ट्र की दूसरी अति महत्वपूर्ण सीट है, बारामती जहाँ हाल ही के लोकसभा चुनावों से काफी मिलता-जुलता, पवार परिवार की बीच का चुनावी युद्ध एक बार देखने को मिल रहा है। इस बार, शरद पवार के भाई के पौत्र के पुत्र युगेन्द्र पवार उपमुख्यमंत्री अजित पवार को चुनौती दे रहे हैं। एन.सी.पी. (एस.पी.) अपने इस परम्परागत गढ़ में युगेन्द्र के लिये पूरा जोर लगा रही है।

युगेन्द्र अपने दादा शरद पवार के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में चुनावी राजनीति के दरवाजे पर प्रवेश के लिये दस्तक दे रहे हैं। इससे पहले, लोकसभा चुनावों के प्रचार में उन्होंने अपनी बुआ सुप्रिया सुले के चुनाव-प्रबन्धन में मुख्य भूमिका निभाई थी। वे शरद पवार द्वारा स्थापित शैक्षिक संस्था "विद्या प्रतिष्ठान" के कोषाध्यक्ष भी हैं।

दूसरी तरफ अजित पवार इस चुनाव क्षेत्र के निर्विवाद नेता रहे हैं। 1991 से लेकर अब तक, वे यहाँ से लगातार निर्वाचित होते आ रहे हैं। ज्ञातव्य है कि 1991 में, शरद पवार ने कांग्रेस छोड़कर अपनी नई पार्टी एन.सी.पी. गठित कर ली थी। वर्ष 2019 में, अजित पवार ने इस सीट पर करीब 1.95 वोट, जो डाले गये कुल वोटों के 83.24 प्रतिशत हासिल कर जबरदस्त जीत हासिल की थी।

तीसरी महत्वपूर्ण सीट है मुम्बई की ब्रांदा ईस्ट जहां जीशान सिद्दीकी तथा वरूण सरदेसाई के काँटे की टक्कर है।

जीशान सिद्दीकी, जिन्हें युवा मतदाताओं का जबरदस्त समर्थन हासिल है, सोशल मीडिया पर लोगों के साथ सक्रिय जुड़ाव, तथा स्थानीय मुद्दों के समाधान के लिये आगे रहने के लिये जाने जाते हैं। उन्हें महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तथा अपने पिता, बाबा सिद्दीकी की हत्या के कारण सहानुभूतिजनित वोट भी मिल सकते हैं।

दूसरी तरफ, उद्धव ठाकरे के भतीजे वरूण सरदेसाई 2022 में शिवसेना के टूटने के दौरान शिव सेना (यू.बी.टी.) के जबरदस्त समर्थक रहे थे। बांद्रा क्षेत्र में उनकी अच्छी-खासी पैठ है तथा उन्हें शिव सेना के पारम्परिक जनाधार का समर्थन मिलने की काफी उम्मीद है।

राज्य की चौथी महत्वपूर्ण सीट, नागपुर दक्षिण पश्चिम पर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस लगातार चौथी बार जीतने तथा अपने इस गढ़ का प्रतिनिधित्व करने के उद्यत नजर आ रहे हैं। वे 2009 से लगातार तीन बार जीतते हुये, नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। 2019 के चुनावों में, फड़नवीस ने यह सीट 49,000 से अधिक वोटों से जीती थी। इस क्षेत्र में उनके प्रभाव के पीछे उनका विस्तृत राजनैतिक कैरियर, विकास सम्बन्धी पहल तथा भाजपा का मजबूत संगठनात्मक समर्थन रहा है।

दूसरी तरफ, कांग्रेस पार्टी के प्रफुल्ल गुडाढ़े हैं, जो स्थानीय परिवेश में अपनी गहरी जड़ों तथा अपने जमीनी स्तर के सम्पर्कों के लिये जाने-माने व्यक्ति हैं। वे भाजपा से पैदा हो चुकी अब या वर्तमान शासन प्रशासन से असन्तुष्टि का लाभ मिल सकता है। उन्हें शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर, सार्वजनिक सेवाओं तथा भाजपा की आर्थिक नीतियों के कारण पैदा हुई चिन्ताओं से त्रस्त मतदाताओं के समर्थन का लाभ मिल सकता है।

राज्य की पाँचवी महत्वपूर्ण सीट, कोपरी-पचपखाड़ी है। ठाणे जिले के इस सीट पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे का मुकाबला केदार दिघे से है, जो शिन्दे के राजनैतिक गुरू स्व. आनन्द दिघे के भतीजे हैं। आनन्द दिघे शिव सेना के जाने-माने नेता थे।

शिन्दे अक्सर आनन्द दिघे का जिक्र करते हुये, उन्हें अपना राजनैतिक मार्गदर्शक बताते हैं। दिघे से उनका जुड़ाव बहुत गहरा रहा है। राष्ट्रीय अवार्ड विजेता फिल्म निदेशक प्रसाद ओक द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म "धर्मवीर-2" की फायनेंसिंग इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

दिघे के जीवन पर आधारित यह फिल्म शिवसेना के इस स्वर्गीय दिग्गज एवं उसकी विरासत से शिन्दे के गहरे जुड़ाव को पूरी तरह उजागर करती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908